RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:344। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 04 अगस्त 2026 (मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

भारत ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की जिम्मेदारी संभाली

ग्लासगो.(एजेंसी)

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का रविवार को आधिकारिक तौर पर समापन हुआ और भारत ने 2030 में अहमदाबाद में होने वाले गेम्स के शताब्दी संस्करण की मेजबानी की जिम्मेदारी संभाली। हाइड्रो में हुए समापन समारोह में स्कॉटलैंड ने भारत को जिम्मेदारी सौंपी। इस दौरान पूर्व ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा की मौजूदगी में कॉमनवेल्थ का झंडा आधिकारिक तौर पर भारत को सौंपा गया।

इसके बाद भारत ने मशहूर गायक-संगीतकार शंकर महादेवन और पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर के नेतृत्व में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ अहमदाबाद 2030 की अपनी यात्रा शुरू की। इस कार्यक्रम की शुरुआत 'वंदे मातरम' से हुई, जिसके बाद डांस परफॉर्मेंस और संगीत के जरिए 'वसुधैव कुटुंबकम' ("दुनिया एक परिवार है") की थीम पर देश की सांस्कृतिक विविधता को दिखाया गया।

इसके बाद एक ऑडियो-विजुअल प्रेजेंटेशन के जरिए अहमदाबाद 2030 की झलक दिखाई गई, जिसमें भारत की खेल यात्रा और शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स की एक झलक पेश की गई।

महिला पहलवानों के उत्पीड़न मामले में दिल्ली की अदालत ने बृजभूषण सिंह को किया बरी

नई दिल्ली.(एजेंसी)

दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह को महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोपों से जुड़े मामले में बरी कर दिया।

राउज़ एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने इस मामले में सह-आरोपी विनोद तोमर को भी बरी कर दिया। अदालत ने अभियोजन पक्ष, शिकायतकर्ताओं और बचाव पक्ष की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया। मामले की सुनवाई बंद कमरे में हुई।

महिला पहलवानों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रेबेका जॉन पेश हुई, जबकि श्री सिंह का प्रतिनिधित्व अधिवक्ता राजीव मोहन ने किया। मई 2024 में अदालत ने श्री सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप तय किए थे, हालांकि एक शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों के मामले में उन्हें आरोपमुक्त कर दिया गया था। सह-आरोपी विनोद तोमर पर केवल एक शिकायतकर्ता के संबंध में आपराधिक धमकी देने का आरोप लगाया गया था और बाकी आरोपों से उन्हें बरी कर दिया गया।

दिल्ली पुलिस ने श्री सिंह के खिलाफ महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने, यौन उत्पीड़न, पीछा करने और आपराधिक धमकी देने से संबंधित भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं के तहत आरोप पत्र दाखिल किया था, जबकि तोमर पर उकसाने का आरोप भी लगाया गया था।

विधानसभा का मानसून सत्र शुरु

योगी ने दिया जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा पर बल

लखनऊ.(एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विधानसभा के मानसून सत्र के शुभारंभ पर सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि विधायिका आम जनता की आवाज उठाने का सर्वोच्च मंच है और सदन के समय का उपयोग जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा के लिए किया जाना चाहिए।

सत्र के पहले दिन पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायिका किसान, युवा, महिला तथा समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा, समीक्षा और उनके समाधान का माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जनप्रतिनिधि को अपने विधानसभा क्षेत्र की समस्याएं सदन में उठाकर उनके समाधान का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में सरकार और जनप्रतिनिधियों के बीच संवाद की इसी परंपरा के माध्यम से प्रदेश में अनेक सकारात्मक परिवर्तन संभव हो सके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने छह करोड़ से अधिक गरीबों के जीवन में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से बदलाव लाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि किसानों के जीवन में सुधार लाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2007 से 2017 के दौरान अनेक चीनी मिलें बंद हुईं और किसानों के हितों की उपेक्षा की गई। उनका आरोप था कि उस समय गन्ना किसानों का भुगतान लंबित रहता था और किसान कठिन परिस्थितियों का सामना करने के लिए विवश थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार किसानों की उपज की सीधी खरीद सुनिश्चित कर रही है तथा गन्ना मूल्य का भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान और युवा सरकार की प्राथमिकता में हैं तथा उनके हितों की रक्षा के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। अयोध्या का उल्लेख करते हुए उन्होंने विपक्ष पर हमला बोला और कहा कि आज राम मंदिर के मुद्दे को वही लोग उठा रहे हैं जिन्होंने अतीत में रामभक्तों पर गोलियां चलवाईं और न्यायालय में राम मंदिर निर्माण का विरोध करने के लिए वकीलों की फौज खड़ी की थी। मुख्यमंत्री योगी ने घोषणा की कि प्रदेश सरकार अगले एक-दो सप्ताह के भीतर आउटसोर्स सेवा आयोग (आउटसोर्स कमीशन) लागू करने जा रही है। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए न्यूनतम सेवा मानक तय किए जाएंगे तथा उनकी कार्य व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाया जाएगा।

9 कर्मचारी अरेस्ट, 46 निलंबित और शिवसेना UBT से कनेक्शन...

मंदिर में दान चोरी पर बोला सिद्धिविनायक ट्रस्ट

सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट ने 18 करोड़ रुपये की कथित चोरी का दावा किया है. 46 कर्मचारियों को सस्पेंड, 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है.

मुंबई.(एजेंसी)

अयोध्या में राम मंदिर चंदा चोरी का विवाद अभी थमा भी नहीं था. अब मुंबई स्थित सिद्धिविनायक मंदिर में चोरी के आरोप लगे हैं. सिद्धिविनायक ट्रस्ट के अध्यक्ष सदा सरवनकर ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि करीब 18 करोड़ की चोरी का मामला सामने आया है. सिद्धिविनायक मंदिर में चोरी या दर्शन करवाने में जो शामिल थे, उन्हें सस्पेंड किया गया है. उन्होंने कहा किअब तक 46 कर्मचारी निलंबित किये गए हैं और नौ लोगों को अरेस्ट किया गया है. इस मामले में वे लोग सीआईडी जांच की भी मांग कर रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि चोरी करने वालों का नाता यूबीटी से है. उन्होंने कहा कि कुछ कर्मचारियों ने चोरी की थी. एंटी करप्शन ब्यूरो के जरिए ये चोरी पकड़ी गई. उन्होंने कहा कि जिसके बाद एक पत्र एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री को सिद्धिविनायक ट्रस्ट की तरफ से दिया गया था. इसमें एसीबी की तरफ से एक अधिकारी की नियुक्ति की गई और जिस दिन पैसे गिने जाते हैं.

चोरी करने वाले कर्मचारियों का यूबीटी से कनेक्शन

एसीबी के अधिकारी हर गेट पर रखे गए थे और इस चोरों को पकड़ा गया, जिसमें एक नंबर का आरोपी राजन पेंडुलकर नाम का है, जिसे सपोर्ट करने वाले 9 लोगों को भी पकड़ा गया. सीसीटीवी के आधार पर उसे पकड़ा गया. उन्होंने कहा कि जांच में पता चला कि चोरी करने वालों को विशाखा राउत, जो यूबीटी की नेता हैं, उन्होंने रखा था. अरेस्ट होने वाले लोगों मैं ज्यादातर यूबीटी के शाखाओं मैं जाते थे. ये जानकारी मिलने के बाद हमने इसके जांच की मांग की. ट्रस्टियों ने पत्र लिखा और 18 करोड़ बढ़ना चाहिए, सालाना ये हमने शंका जाहिर की.

मोहन भागवत Gen Z और अल्फा से 6 अगस्त को करेंगे संवाद, जानें क्या है RSS का प्लान

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 6 अगस्त को जेनरेशन और जेनरेशन अल्फा के छात्रों को संबोधित करेंगे.

नई दिल्ली.(एजेंसी)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 6 अगस्त को मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर (NMACC) में जेनरेशनर और जेनरेशन अल्फा के छात्रों को संबोधित करेंगे. यह कार्यक्रम इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस (I.I.M.U.N.) की स्थापना के 15 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित वार्षिक चैम्पियनशिप कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन समारोह का हिस्सा होगा.

सम्मेलन में देश के 100 से अधिक शहरों से आए 15 से 19 वर्ष आयु वर्ग के 2,000 से अधिक स्कूली और कॉलेज छात्र भाग लेंगे. इस अवसर पर I.I.M.U.N. के संस्थापक ऋषभ शाह ने कहा, "नेतृत्व केवल अगली पीढ़ी का मार्गदर्शन करने का नाम नहीं है, बल्कि उसकी बात सुनना भी उतना ही महत्वपूर्ण है. भारत के इस महत्वपूर्ण दौर में ऐसा संवाद पहले से कहीं अधिक आवश्यक है. मैं मोहन भागवत का आभारी हूं कि उन्होंने इस महत्वपूर्ण अवसर पर युवाओं को संबोधित करने का हमारा निमंत्रण स्वीकार किया."

डॉ. मोहन भागवत का संबोधन I.I.M.U.N. की प्रमुख वार्षिक चैम्पियनशिप कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ करेगा. इस सम्मेलन में छात्र स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा और विचार-विमर्श करेंगे. संस्था हर वर्ष 108 सम्मेलन आयोजित करती है और 15 से 24 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं के नेतृत्व में हजारों नागरिक जागरूकता एवं सामुदायिक कार्यक्रम संचालित करती है, जिनमें 11 से 19 वर्ष के छात्र भाग लेते हैं. इस वर्ष उद्घाटन समारोह की थीम "दुनिया को भारतीय दृष्टिकोण से एकजुट करने में युवाओं की भूमिका" रखी गई है.

पता नहीं था आंदोलन इतना बड़ा हो जाएगा, वरना कॉकरोच के साथ 'पार्टी' नहीं लिखता: अभिजीत

नई दिल्ली.(एजेंसी)

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दिपके ने छात्र आंदोलन को लेकर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने टीवी9 भारतवर्ष मराठी से बात करते हुए कहा कि जब उन्होंने शिक्षा मंत्री की इस्तीफे की मांग को लेकर धरने की शुरुआत की तो उन्हें नहीं पता था कि आंदोलन इतना बड़ा हो जाएगा. अगर उन्हें पता होता, तो वे 'पार्टी' शब्द का इस्तेमाल नहीं करते.

उन्होंने साफ कहा कि उनका अभी का मकसद जनता का भरोसा जीतना है, क्योंकि सभी पॉलिटिकल पार्टियों पर से भरोसा कम हो रहा है. कानून पर सवाल उठ रहे हैं, और इलेक्शन कमीशन भी जांच के दायरे में है. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी पार्टी हमेशा इंडिपेंडेंट रहेगी. वे कभी किसी दूसरी पार्टी के साथ अलायंस नहीं करेंगे और हमेशा डेमोक्रेसी को बचाने के लिए काम करेंगे.

दिल्ली पुलिस ने स्टूडेंट्स को बेरहमी से पीटा

लाठी-चार्ज के बारे में सवाल का जवाब देते हुए, दिपके ने कहा कि वह उस दिन खुद जंतर-मंतर पर मौजूद थे और प्रोटेस्ट उनकी देखरेख में हो रहा था. उन्होंने आरोप लगाया कि क्छ्वक्इस आंदोलन को बदनाम करने की साजिश कर रही थी. उन्होंने बताया कि कैसे, 20 जुलाई को स्टूडेंट्स के साथ बेरहमी हुई. सिर फोड़ दिए गए, और पुरुष पुलिस अधिकारियों ने 12 साल की लड़कियों पर लाठीचार्ज किया. दिल्ली पुलिस के कुछ अधिकारियों ने तो लड़कियों के कपड़े भी फाड़ दिए और उन्हें पीटा.

बांकीपुर में 30 साल बाद ढहा BJP का अभेद्य किला, समझें प्रशांत किशोर की जीत की वजह

बांकीपुर.(एजेंसी)

तीन दशक के बाद भाजपा को उसके गढ़ बांकीपुर में करारी हार मिली है. बदलाव की ऐसी हवा चली, जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की सीट बांकीपुर ही उड़ गई. भाजपा को उसके गढ़ में पहली बार चुनाव लड़ रहे प्रशांत किशोर ने शिकस्त दी है.

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की परंपरागत सीट बांकीपुर पर जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर ने पहली ही चुनावी लड़ाई में इतिहास रच दिया.

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की सीट बांकीपुर पर भाजपा हार गई है. बिहार में मात्र एक सीट बांकीपुर पर उपचुनाव हुआ. भाजपा की इस हार की गूंज पटना से लेकर दिल्ली तक सुनाई दे रही है. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और कई केंद्रीय मंत्रियों के साथ पूरा बिहार कैबिनेट बांकीपुर के कैंप किए रहा,लेकिन कुछ काम नहीं आया. भाजपा के बॉस नितिन नवीन अपनी विरासत नहीं बचा पाए. राजनीति के नासिक में और पहली बार चुनाव लड़ रहे प्रशांत किशोर ने भाजपा को उसके गढ़ में ही मात दे दी. भले ही यह मात्र एक सीट का उपचुनाव था, लेकिन इस जीत को भाजपा के खिलाफ गुस्से का इजहार माना जा रहा है. भाजपा की इस करारी हार के कई कारण हैं. आइए जानें बांकीपुर में भाजपा की हार क्या वजह हैं?

विपक्ष के हंगामे के बीच सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक राज्यसभा में पारित

नई दिल्ली.(एजेंसी)

नयी दिल्ली राज्यसभा ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक 2026 को सोमवार को विपक्ष के हंगामे के बीच ध्वनिमत से पारित कर दिया।

सदन ने विधेयक के अनेक प्रावधानों के बारे में कांग्रेस के अजय माकन और वाम दलों के ए ए रहीम, जॉन ब्रिटास और वी शिवादासन के संशोधन के प्रस्तावों को भी ध्वनिमत से नामंजूर कर दिया।

सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी के हंगामे के बीच संक्षिप्त जवाब के बाद सदन ने विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया जिसके बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। विपक्ष के सदस्यों ने छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सदन में आने और जवाब देने की मांग करते हुए विधेयक पर चर्चा के दौरान जोरदार नारेबाजी की। श्री मांझी ने चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की चुनौतियों और जरूरतों को पूरा कर इसके विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी सरकार के कार्यकाल में इस क्षेत्र को बढावा दिये जाने के लिए उठाये गये कदमों का भी उन्होंने शोर शराबे के बीच उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन कदमों से देश में एमएसएमई की संख्या दो लाख 55 हजार से अधिक हो गयी है। महिलाओं की भागीदार बढने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र में महिलाओं की सहभागिता 49 प्रतिशत हो गयी है और एमएसएमई बिक्री खरीद में महिलाओं को बिक्री के लिए तीन प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। इस तीन प्रतिशत में ट्रांसजेंडर भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि एमएसएमई भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ है और सकल घरेलू उत्पाद में इसका हिस्सा 21 प्रतिशत और विनिर्माण में 36 प्रतिशत है।

यह विधेयक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 में संशोधन करता है। इस कानून का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमईज़) को बढ़ावा देना और उनके विकास में सहायता करना है।

अधिनियम में एमएसएमई वर्गीकरण इस आधार पर किया गया था कि उनमें विनिर्माण के मामले में संयंत्र और मशीनरी में और सेवा के मामले में उपकरणों में कितना निवेश किया गया है। यह सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के बीच वर्गीकरण के लिए निवेश की सीमाएं भी तय करता है जबकि विधेयक में इन सीमाओं को हटाया गया है और मानदंडों में बदलाव किया गया है। यह केंद्र सरकार को उद्यमों को एमएसएमई के तौर पर वर्गीकृत करने का अधिकार देता है जो संयंत्र और मशीनरी या उपकरण में निवेश के साथ साथ टर्नओवर पर आधारित होगा।

पु. मोरारी बापूने गिर से गुज़रने वाली मीटर गेज ट्रेन में सफ़र किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

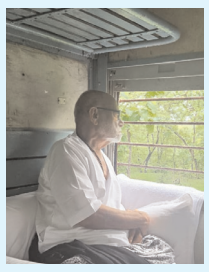

भावनगर। डिवीज़न में ही नहीं, शायद पूरे सौराष्ट्र में, जूनागढ़-वेरावल-देलवाड़ा इकलौती मीटर गेज ट्रेन चल रही है। यह ट्रेन, यानी इसे हेरिटेज ट्रेन का नाम दिया जाना चाहिए, न सिर्फ़ कहीं की मीटर गेज ट्रेन है, बल्कि गिर के जंगल से गुज़रने वाली यह ट्रेन भी इकलौती है। इसमें सफ़र का मज़ा लेना भी एक हेरिटेज इवेंट बन जाता है।? पु. मोरारी बापू 2 अगस्त की सुबह ज्योतिर्लिंग पू सोमनाथ भगवान के दर्शन करने जा रहे थे। बापू ने अचानक सोचा कि हमें बगसरा से सोमनाथ जाते समय विसावदर और तलाला के बीच से गुज़रने वाली मीटर गेज ट्रेन में बैठकर गिर के जंगल के नज़ारों को कैप्चर करना चाहिए। बापू और उनके फ्लावर्स रविवार सुबह 9:00 बजे विसावदर स्टेशन पहुँचते हैं और सुबह 9:15 बजे आने वाली जूनागढ़ देलवाड़ा ट्रेन से तलाला के लिए अपना सफ़र शुरू करते हैं। गिर के जंगल से गुज़रने वाली इस ट्रेन का सफ़र मज़ेदार है। लेकिन जूनागढ़ से विसावदर स्टेशन पर फुलवड़ी और भजिया का स्वाद चखने के लिए भी लोग आते हैं। हालांकि बापू के पास इसका स्वाद लेने का समय नहीं था, लेकिन सभी को इसका अनुभव करना चाहिए। अमरेली स्टेशन को ब्रॉड गेज में बदलने के काम की वजह से यह स्टेशन बंद कर दिया गया है। इसलिए अमरेली - वेरावल अमरेली - जूनागढ़ जैसी ट्रेनें बंद हैं। वेरावल ट्रेन जूनागढ़ से चल रही है। बापू तलाला स्टेशन पर उतरे और जमीनी मार्गसे सोमनाथ के लिए निकल गए।

बारिश अधूरे प्यार की पूरी कहानी है: शब्दों में बयां भीगे जज़्बातों का एक नज़ारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आसमान से टपकता पानी सिर्फ़ कोई कुदरती नज़ारा या मौसम नहीं है, बल्कि यह इंसान के दिल की उन गहरी भावनाओं का आईना है जिन्हें शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। कवियों, गीतकारों और प्रेमियों के लिए बारिश हमेशा से सिर्फ़ आसमान की एक नज़ाकत नहीं, बल्कि मन के सबसे अंदरूनी कोनों और बीते दिनों की यादों में छिपी बसंत की महक रही है। जब बारिश की पहली बूंद सूखी धरती पर पड़ती है, तो मिट्टी की खुशबू के साथ-साथ पुरानी यादों की खुशबू भी हवा में मिल जाती है। ऐसी ही शानदार और दिल को छू लेने वाली कविता की लाइनें आज दिल को छू जाती हैं:

बारिश अधूरे प्यार की पूरी कहानी है,, बारिश भीगे दिल का खामोश दर्द है।, यादों का दरवाज़ा हर रोज़ चुपचाप दस्तक देता रहता है,बारिश अधूरे जज़्बातों की दस्तूर है।, सूखे जज़्बातों में जान डाल देती है, बारिश मरते हुए प्यार की जीती-जागती दवा है। पहले आँखों में बरसती है, फिर हवा में बरसती है, बारिश मन की एक खामोश दुआ है।

जो कभी मिल नहीं सका, वो आज भी हमारे पास है, बारिश यादों में जीने का काम है।

गीले दिल का खामोश दर्द: प्यार और आसमान का तालमेल

जब प्यार अधूरा रह जाता है, तो इंसान बाहर से कितना भी मज़बूत दिखे, अंदर से खाली और सूना होता है। बारिश अधूरे एहसासों को सोखने का काम करती है।

खामोशी की आवाज़: जब आसमान बरसता है, तो पूरी दुनिया उसे देखती है और एन्जॉय करती है, लेकिन दिल के अंदर जो निशान रह जाते हैं, वे खामोश दर्द बनकर रह जाते हैं। बारिश आँखों से बह न पाने वाले आँसुओं को अपनी बूंदों में छिपाने की एक नैचुरल कला है।

यादों का दरवाज़ा: पुरानी यादें जो समय की धूल भरी सड़कों पर कहीं खो गई हैं, बारिश की फुहारों के साथ फिर से ताज़ा हो जाती हैं। वो गुज़रे हुए चेहरे, वो अधूरी बातें और वो शाम के पल फिर से ज़िंदा हो जाते हैं। मरते प्यार की जीती-जागती दवा: मुरझाए हुए जज़्बातों के लिए मरहम

यह बारिश रिश्तों में समय के साथ आए सूखेपन, या दिल में खत्म होते लगते प्यार को नई ज़िंदगी देती है।

1. जज़्बातों की सांस: जैसे पानी पाकर धरती फिर से हरी हो जाती है, वैसे ही जुदाई की आग में जलता दिल भी बारिश की फुहारों से अपनी यादों को ताज़ा कर लेता है।

2. खामोश दुआ: शायर सही कह रहा है कि बारिश पहले आसमान में नहीं, बल्कि बिछड़े हुए की आँखों में होती है। उन आँखों की नमी बाद में आसमान में बादल बनकर पूरी कायनात पर पड़ती है। दुनिया में हर प्यार को मिलन का पूरा अंजाम नहीं मिलता। कई प्रेम कहानियाँ मोड़ पर आकर अधूरी रह जाती हैं। लेकिन जो प्रेमी कभी एक नहीं हो सके, इस बारिश की शाम में, अपनी यादों को हर बूंद में संजोए, आज भी साथ रहते हैं।

बारिश सिर्फ़ पानी की बौछार नहीं है, बल्कि यह दिल के अंदर छिपे प्यार, दर्द, यादों और उम्मीद का एक अद्भुत मिक्सचर है।

500 बीघा के किसान और श्रद्धालु जान जोखिम में डालकर आने-जाने को मजबूर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई/वडोदरा। एक तरफ सरकार 'स्मार्ट गांव' बनाने और ग्रामीण इलाकों में पक्की सड़कें और पुल बनाने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी तरफ वडोदरा जिले के डभोई तालुका के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व वाले गोजली गांव में प्रशासन की बेपरवाही सामने आई है। गांव से गुजरने वाली नदी पर कोई पक्का पुल या नाला न होने से यह कच्ची सड़क अब स्थानीय किसानों और श्रद्धालुओं के लिए सिरदर्द और डर का सबब बन गई है।

जनता ने खुद बनाया नाला, अब कटाव का बड़ा खतरा!

सालों से बुनियादी सुविधाओं से महरूम गांववालों ने आखिरकार तंग आकर अपने खर्चे और मेहनत-मजदूरी करके यह टेम्परारी कच्चा नाला बना दिया। लेकिन, मानसून का मौसम शुरू होते ही उनकी परेशानियां कई गुना बढ़ गई हैं। सीमेंट की बोरियों का सहारा: नदी में पानी का लेवल बढ़ने से डर है कि यह कच्चा नाला कभी भी ओवरफ्लो हो सकता है। पानी का बहाव रोकने और रास्ता खुला रखने के लिए किसान सीमेंट की बोरियों में मिट्टी और बजरी भरकर किनारों पर रख रहे हैं ताकि कुछ समय के लिए मरम्मत की जा सके। गोजली गांव में एक पुराना श्री संगमेश्वर महादेव मंदिर है, जो आस्था का केंद्र है और पुराना है, जहां वडोदरा जिले भर से बड़ी संख्या में भक्त दादा के दर्शन करने आते हैं।

अहमदाबाद पुलिस स्टेशन में भूचाल! कालूपुर में सुलग रहा 'हप्ता राज'

खाकी की आड़ में कालूपुर में डर का राज! PI H.R. वाघेला और वहीवटदार धवल जानी की जोड़ी के खिलाफ लोगों में गुस्सा!

खाकी का डर या अपराधियों का गैंग कानून मज़ाक है!

कालूपुर सिंडिकेट का सनसनीखेज पर्दाफाश

कालूपुर में अपराध का काला नेटवर्क?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। शहर का दिल और व्यापार से गुलजार माना जाने वाला कालूपुर इलाका आज न सिर्फ व्यापार, बल्कि क्राइम, ड्रग्स की तस्करी और ऑर्गेनाइज्ड एक्सटॉर्शन का भी बड़ा अड्डा बन गया है। कालूपुर पुलिस स्टेशन के PI H.R. वाघेला और उनके कथित वहीवटदार धवल जानी की जोड़ी ने खाकी की आड़ में पूरे इलाके में ऐसा कच्चा नेटवर्क खड़ा कर दिया है कि पूरा अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर ऑफिस परेशान हो रहा है। स्थानीय व्यापारी और नागरिक टेंशन में हैं। बार-बार लिखकर और बोलकर बताने के बाद भी कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा है, उल्टा आवाज़ उठाने वालों पर ही दबाव बनाया जा रहा है!

बड़ा सवाल: अगर कल को कालूपुर में लाठीचार्ज या कोई बड़ा गंभीर क्राइम होता है, तो उसका ज़िम्मेदार कौन होगा क्या PI वाघेला को इलाके से असामाजिक गतिविधियों को रोकने में कोई दिलचस्पी नहीं है?

शराब, वर्ली-मटका से लेकर ज़हरीले MD ड्रग्स का खुला कारोबार!

कालूपुर की तंग गलियों में कानून का कोई डर नहीं

शराब के अड्डे: देसी-विदेशी शराब की खुली बिक्री।

वर्ली-मटका: सड़कों पर टेबल लगाकर जुआ खेला जा रहा है।

MD ड्रग्स ज़हर: युवा पीढ़ी को बर्बाद कर रहे स्ठ्ठ ड्रग्स कालूपुर में आसानी से मिल जाते हैं। इन सभी काले धंधों से रोज़ाना लाखों रुपये की किश्तें वसूली जाती हैं। PI वाघेला के आशीर्वाद से एडमिनिस्ट्रेटर धवल जानी पुलिस स्टेशन से ज़्यादा पावर दिखाकर अपना 'काला राज' चला रहा है।

इम्पोर्टेड चीनी सामान पर 'इंस्टॉलमेंट टैक्स' और गैर-कानूनी मोबाइल मार्केट

कालूपुर और रिलीफ रोड का इलेक्ट्रॉनिक्स मार्केट पूरे गुजरात में जाना जाता है, लेकिन अब धवल जानी का पंजा वहाँ भी पड़ गया है

एक्टिविटी गैर-कानूनी काम

चीनी सामान बिना बिल के इम्पोर्टेड इलेक्ट्रॉनिक सामान पर महीने की किश्तें। चोरी के मोबाइल बिना बिल के चोरी के स्मार्टफोन बेचने वाले ब्रोकर से तय कमीशन। बेनामी प्रॉपर्टी धवल जानी इस काले राज के दम पर करोड़पति बन गया है और उसने करोड़ों की बेनामी प्रॉपर्टी बना ली है।

सट्टेबाजों के लिए 'सेफ हेवन': 'सेटिंग पूरी तरह से ऊपर तक है!'

कालूपुर पुलिस स्टेशन एरिया क्रिकेट मैच के सट्टेबाजों और सट्टेबाजों के लिए पूरे राज्य में सबसे 'सेफ एड्रेस' बन गया है। एक जाने-माने बुकी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया'कालूपुर स्टेशन एरिया में चल रही सट्टे की दुकानों पर कोई एजेंसी रेड नहीं करती। धवल जानी की

होम मिनिस्टर का 'ज़ीरो टॉलरेंस' मज़ाक? स्पेशल एजेंसियां चुप क्यों हैं?

गुजरात के होम मिनिस्टर हर्ष सांघवी अक्सर क्राइम के खिलाफ 'ज़ीरो टॉलरेंस' की बात करते हैं, लेकिन कालूपुर में PI वाघेला और धवल जानी का एम्पायर होम मिनिस्टर के ऑर्डर को खुलेआम ठेंगा दिखा रहा है। अहमदाबाद विजिलेंस विंग चुप क्यों है? PCB और DCP स्क्वॉड आंखें मूंदकर क्यों बैठे हैं? क्या क्राइम ब्रांच को इन ठिकानों के बारे में पता नहीं है या किश्तों का असर वहां तक भी पहुंचता है?

कमिश्नर सर! जनता अब इंसाफ चाहती है!

अहमदाबाद के जागरूक नागरिक और कालूपुर के परेशान व्यापारी अब सीधे अहमदाबाद सिटी पुलिस कमिश्नर से न्याय की अपील कर रहे हैं

तुरंत जांच: एक हाई-लेवल जांच कमेटी बनाई जाए।

सख्त कदम: PI एच.आर. वाघेला को सस्पेंड करके ट्रांसफर किया जाए।

ED / IT जांच: वहीवटदार धवल जानी की बेनामी संपत्ति की जांच ED और इनकम टैक्स से करवाई जाए।

महानगर मेट्रो का साफ संदेश

अगर इस काले धंधे के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो 'महानगर मेट्रो' इस काले साम्राज्य के और भी चौंकाने वाले सबूत और नाम जनता के सामने लाता रहेगा!

क्या होम मिनिस्टर दरियापुर PI और वहीवटदार की 'पावर' हटाएंगे?

होम मिनिस्टर हर्षभाई संघवी और होम डिपार्टमेंट के अधिकारी पूरे मामले में ढील नहीं देना चाहते, सख्त एक्शन लिया जाएगा

दरियापुर पुलिस स्टेशन के PI और एडमिनिस्ट्रेटर के राज में इलाके में कई एंटी-सोशल एक्टिविटीज़ फल-फूल रही थीं

जुए के साथ-साथ इलाके के लोग शराब और दूसरी सभी गैर-कानूनी और एंटी-सोशल एक्टिविटीज़ से परेशान हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दरियापुर। अहमदाबाद के दरियापुर में मौजूद फेवरेट क्लब (जिमखाना) पर SMC की बड़ी कार्रवाई ने लोकल दरियापुर पुलिस की परफॉर्मेंस पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस डिपार्टमेंट में इस बात की ज़ोरदार चर्चा है कि दरियापुर के PI और वहीवटदार के खिलाफ क्या एक्शन लिया जा सकता है। इसमें कोई शक नहीं कि होम मिनिस्टर हर्ष संघवी दरियापुर पुलिस स्टेशन के PI के खिलाफ एक्शन लेंगे, जो पहले भी इलाके में जुआ, शराब और असामाजिक तत्वों के अत्याचारों को लेकर विवादों में रहे हैं, लेकिन जिन्होंने शेखी बघारी है कि वे कुछ बड़े लोगों के रहमोकरम पर हैं जो खुद को अलग समझते हैं। गौरतलब है कि इस हाई-प्रोफाइल रेड के बाद लोकल पुलिस के कामकाज और रोल पर भी बड़े सवाल उठे हैं। गौरतलब है कि पहले भी जब इसी क्लब में रेड हुई थी, तो दरियापुर के उस समय के PI और PSI को सस्पेंड कर दिया गया था। इस बार, एक बार फिर लोकल पुलिस की हद में इतना बड़ा जुए का अड्डा खुलने से जांच भी लोकल पुलिस तक पहुंचेगी। पूरी संभावना है कि राज्य के DGP इस मामले में लापरवाह पलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। रविवार को हुई रेड में तीनों फ्लोर से 150 से ज्यादा जुआरी पकड़े गए हैं। लाखों का कैश, मोबाइल फोन और गाड़ियां जब्त की गई हैं। डिंगुचा केस के आरोपी बॉबी पटेल के साथ मेन ऑपरेटर गोविंद उर्फ गामो पटेल के भी शामिल होने की बात सामने आ रही है। लोकल पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठे हैं।

दरियापुर में कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ा रहे असामाजिक तत्व

जब राज्य स्तर की एजेंसियां दरियापुर इलाके में कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ा रहे असामाजिक तत्वों और जुआरियों के खिलाफ एक्टिव होती हैं, तो बड़े खुलासे होते हैं। दरियापुर जैसे सेंसिटिव इलाके में प्राइवेट अड्डे पर अचानक हुई छापेमारी ने लोकल पुलिस के काम पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। जिमखाना की आड़ में चल रहे इस सीक्रेट खेल के काले कारनामों का जब पर्दाफाश हुआ, तो रिकॉर्ड तोड़ आंकड़े सामने आए और इसके साथ ही पता चला कि इस पूरे नेटवर्क से जुड़े बड़े मुखिया भी ऊपर-नीचे हो रहे हैं। जब SMC की टीम मनपसंद जिमखाना पहुंची, तो वहां जुए का एक बड़ा अड्डा चल रहा था। पुलिस के अचानक घुसने से वहां मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। इस रेड के दौरान पता चला है कि पुलिस ने एक साथ 100 से ज़्यादा जुआरी पकड़े हैं। माना जा रहा है कि जिमखाना की आड़ में चल रहे इस गैर-कानूनी काले धंधे में बड़े जुआरी शामिल हैं।

पहले की रेड के बावजूद जुए के अड्डे फिर से क्यों गुलजार हो गए

शहर के दरियापुर इलाके में पहले भी जुआ अड्डों, शराब के अड्डों और दूसरी गैर-कानूनी गतिविधियों पर बाहरी एजेंसियों की रेड के बावजूद ये गैर-कानूनी गतिविधियां बंद नहीं हुई हैं। पहले की रेड के बावजूद जुए के अड्डे फिर से क्यों गुलजार हो गए, यह भी एक सवाल है। इस रेड के दौरान स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम ने मौके से लाखों रुपये कैश के साथ-साथ जुए का सामान और बड़ी मात्रा में संदिग्ध सामान जब्त किया है। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि पुलिस पहले भी इस जगह पर कई बार रेड कर चुकी है और जिम की आड़ में जुए की जानकारी सामने आ चुकी है, फिर भी लोकल पुलिस की सरपरस्ती में यह काम फिर से कैसे शुरू हो गया?

आने वाले खुलासों से दरियापुर PI मुश्किलें बढ़ेंगी

फिलहाल, स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने पकड़े गए सभी जुआरियों से पूछताछ की है और इस जुए के अड्डे के मुख्य संचालकों और इससे जुड़े दूसरे लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की योजना शुरू कर दी गई है। लोकल लेवल पर पुलिस की भूमिका शक के घेरे में होने से, हाई लेवल पर भी जांच के आदेश दिए गए हैं, जिससे जल्द ही बड़े खुलासे होने की पूरी संभावना है। आने वाले खुलासों से दरियापुर PI की मुश्किलें बढ़ने की संभावना हैक्या दरियापुर PI और वहीवटदार की भूमिका की जांच होगी? दरियापुर PI और वहीवटदार की भूमिका की जांच होगी या नहीं, इस सवाल का जवाब यह है कि होम मिनिस्टर हर्ष संघवी और होम डिपार्टमेंट के अधिकारी इस पूरे मामले में देरी नहीं करना चाहते हैं और दरियापुर PI के खिलाफ असरदार कार्रवाई की जा सके। इस हाई-प्रोफाइल रेड के बाद लोकल पुलिस के काम और उनकी भूमिका पर भी बड़े सवाल उठे हैं। गौरतलब है कि पहले भी जब इसी क्लब में रेड हुई थी, तो दरियापुर के उस समय के PI और PSI को सस्पेंड कर दिया गया था। इस बार फिर, जब लोकल पुलिस की हद में इतना बड़ा जुए का अड्डा खुल रहा है, तो जांच भी लोकल पुलिस तक पहुंचेगी। पूरी संभावना है कि राज्य के DGP इस मामले में लापरवाह पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।

IPS डॉ. लीना पाटिल की लीडरशिप और काम करने के तरीके पर खास निबंध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

`अहमदाबाद / गांधीनगर। सीनियर IPS ऑफिसर डॉ. लीना पाटिल जो अपने खास काम करने के तरीके, विजन और लगन के लिए गुजरात पुलिस फोर्स में खास पहचान रखती हैं, आज के युवाओं, खासकर महिलाओं के लिए प्रेरणा की मिसाल हैं। उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में जनता से रिश्ते मजबूत करके और कानून का सख्ती से पालन करवाकर क्राइम को दबाने की इस दोहरी कला को साबित किया है।

डॉक्टर से IPS बनने का प्रेरणा देने वाला सफर

डॉ. लीना पाटिल की पर्सनैलिटी सिर्फ एक सख्त पुलिस ऑफिसर होने तक ही सीमित नहीं है।

एजुकेशन और विजन: मेडिकल बैकग्राउंड (डॉक्टरेट) होने की वजह से, उनकी सोच बहुत एनालिटिकल और प्रैक्टिकल रही है। एक डॉक्टर के तौर पर समाज की नसों को पहचानने की उनकी कला ने उन्हें एक सफल पुलिस ऑफिसर बनने में मदद की है।

युवाओं के लिए प्रेरणा: संघर्ष और कड़ी मेहनत से सिविल सर्विस एग्जाम पास करने और IPS बनने का उनका सफर आज भी लाखों कॉम्पिटिटिव एग्जाम देने वालों के लिए एक मिसाल है। क्राइम के खिलाफ 'ज़ीरो टॉलरेंस' और एडमिनिस्ट्रेटिव स्किल्स पुलिस डिपार्टमेंट में अलग-अलग पोस्ट पर और जिलों में डिस्ट्रिक्ट पुलिस सुपरिटेंडेंट के तौर पर काम करते हुए उन्होंने कई मुश्किलों का सामना किया है। उन्होंने लापरवाही, गैर-कानूनी कामों, जुए के अड्डों और ड्रग नेटवर्क पर नकेल कसी है और कई हाई-प्रोफाइल केस सुलझाए हैं। महिलाओं की सुरक्षा पक्का करने, SHE टीम के काम में तेज़ी लाने और गलत क्राइम करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने में वे हमेशा सबसे आगे रहे हैं। डर नहीं, भरोसे का माहौल आमतौर पर आम लोग पुलिस स्टेशन जाने में हिचकिचाते हैं, लेकिन डॉ. लीना पाटिल ने अपनी लीडरशिप में हमेशा यह पक्का करने की कोशिश की है कि आम आदमी बिना किसी झिझक के अपनी शिकायतें लेकर आ सके। जन-ओरिएंटेड अप्रोच: उनके काम करने के तरीके की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वे असामाजिक तत्वों के लिए सख्त और डरावनी हैं, लेकिन कानून मानने वाले आम नागरिकों और पीड़ितों के लिए बेहद सेंसिटिव और मददगार हैं। स्पोर्ट्स और सोशल एक्टिविटीज़: उन्होंने पुलिस फोर्स के जवानों की फिजिकल और मेंटल हेल्थ बनाए रखने के लिए हमेशा स्पोर्ट्स फेस्टिवल, फिटनेस प्रोग्राम और सोशल अवेयरनेस प्रोग्राम को बढ़ावा दिया है। IPS डॉ. लीना पाटिल जैसे ऑफिसर, जिन्होंने अपनी हिम्मत, डिसिप्लिन, ईमानदारी और पब्लिक सर्विस की भावना से पुलिस डिपार्टमेंट को गर्व महसूस कराया है, सिस्टम में लोगों का भरोसा और मजबूत करते हैं। उनके डेडिकेशन, बोल्ड फैसलों और सच्ची सर्विस की तारीफ करते हुए, पक्को गुजरात न्यूज़ उनके अच्छे स्वास्थ्य, लंबी उम्र और लगातार सफलता की कामना करता है।

बंद घर के दो ताले और दो सेफ तोड़कर 1.91 लाख रुपये की ज्वेलरी चोरी कर फरार हो गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। गोविंद गुरु लिमडी तालुका के धोलीदांती गांव में तस्करों ने एक बंद घर को निशाना बनाकर फिल्मी स्टाइल में चोरी की है। मेन दरवाजे का ताला तोड़ने के बाद उन्होंने घर के अंदर कमरे की चौखट तोड़ी और दो सेफ के दरवाजे भी तोड़ दिए। इसके बाद तस्करों ने सेफ से करीब 2.95 द्मद्द चांदी और 27 ग्राम सोने की ज्वेलरी समेत कुल 1.91 लाख रुपये चुरा लिए और फरार हो गए। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस में दी गई शिकायत के मुताबिक, धोलीदांती गांव के कुंजा फलिया के रहने वाले और पेशे से लेबर कॉन्ट्रैक्टर जयंतीलाल सुरसिंगभाई मुनिया (उम्र 47) अहमदाबाद के बोपल इलाके में राजश सिटी में कॉन्ट्रैक्ट का काम करते थे। उनकी पत्नी भी 28 जुलाई से उनके साथ अहमदाबाद में थीं। जबकि उनके बुजुर्ग माता-पिता धोलीदांती में एक घर में रह रहे थे। घर में घुसते ही सारा सामान बिखरा हुआ मिला। तस्करों ने न सिर्फ मेन दरवाज़े का ताला तोड़ा था, बल्कि अंदर के कमरे का फ्रेम भी तोड़ा था। फिर, कमरे में रखी दो तिजोरियों के दरवाज़े तोड़े गए और अंदर का सामान बाहर फेंका गया और कीमती गहने खंगाले गए। जांच के दौरान पता चला कि तस्करों ने चांदी की पायल, जंजीरी, भोरिया, कंदोरा, सकली, चड़स और 27 ग्राम सोने के हार, झुमके और मरकी समेत करीब 2.95 kg चांदी के गहने चुरा लिए थे।

संक्षिप्त न्यूज

खुमारवाड़ में तटबंध टूटा, शेधी नदी का पानी गांव में घुसा, बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नाडियाड-खेड़ा। लगातार भारी बारिश और ऊपरी इलाकों से छोड़े गए पानी के कारण खुमारवाड़ गांव में शेधी नदी का तटबंध टूट गया, जिससे बाढ़ का पानी तेजी से गांव में घुस गया। सौ से अधिक घरों में 3 से 4 फीट तक पानी भरने से लोगों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने बच्चों, बुजुर्गों और पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया, जबकि कई परिवारों का घरेलू सामान और अनाज पानी में भीगकर खराब हो गया। स्थानीय लोग राहत और बचाव कार्य तेज करने की मांग कर रहे हैं.

नशामुक्त गुजरात के लिए युवाओं से आगे आने की अपील, जगदीश पंचाल ने दिया संकल्प का संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/गांधीनगर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जगदीश पंचाल ने युवाओं से नशे से दूर रहने और अपने पांच दोस्तों को भी नशामुक्त बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 'एक से पांच और पांच से पच्चीस' के अभियान से समाज में व्यापक जागरूकता लाई जा सकती है। पंचाल ने युवाओं को देश की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए कहा कि नशामुक्त युवा ही सुरक्षित और विकसित भारत की नींव रखेंगे।

खुमारवाड़ में तटबंध टूटा, शेधी नदी का पानी गांव में घुसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नाडियाड-खेड़ा। लगातार भारी बारिश और ऊपरी इलाकों से छोड़े गए पानी के कारण खुमारवाड़ गांव में शेधी नदी का तटबंध टूट गया, जिससे बाढ़ का पानी तेजी से आबादी में घुस गया। देखते ही देखते गांव की सड़कों और निचले इलाकों में जलभराव हो गया तथा 100 से अधिक घरों में 3 से 4 फीट तक पानी भर गया। ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई और लोगों ने बच्चों, बुजुर्गों व पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए मशक्कत की। कई घरों का सामान और किसानों का अनाज पानी में खराब हो गया। सवाल उठाते हुए जल्द राहत एवं बचाव कार्य तेज करने की मांग की।

नशामुक्त गुजरात के लिए युवाओं से संकल्प लेने की अपील, जगदीश पंचाल का आह्वान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/गांधीनगर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जगदीश पंचाल ने युवाओं से नशे से दूर रहने और अपने पांच दोस्तों को भी नशामुक्त बनाने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने 'एक से पांच और पांच से पच्चीस' मॉडल के माध्यम से समाज में व्यापक जनजागरण अभियान चलाने का आह्वान किया। पंचाल ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं और उनका नशामुक्त रहना सुरक्षित एवं विकसित भारत के निर्माण के लिए आवश्यक है। उन्होंने सभी युवाओं से इस अभियान से जुड़कर नशामुक्त और सशक्त समाज बनाने में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया।

मलेशिया में देवगढ़ बारिया की बेटी मिसबा दीवान ने हासिल किया प्रथम स्थान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवगढ़ बारिया/दाहोद। देवगढ़ बारिया की प्रतिभाशाली बेटी मिसबा दीवान ने मलेशिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर जिले, गुजरात और देश का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार, समाज और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। समाज के लोगों ने इसे बेटियों के लिए प्रेरणादायक बताते हुए मिसबा और उनके परिवार को शुभकामनाएं दीं। उनकी सफलता को कड़ी मेहनत, आत्मविश्वास और परिवार के सहयोग का परिणाम बताया गया।

मंजलपुर में BJP की भगवा लहरः सतीश पटेल 30,499 वोटों की भारी बढ़त के साथ जीते

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सांस्कृतिक शहर वडोदरा और BJP का अजेय गढ़ मानी जाने वाली मंजलपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव की तस्वीर साफ हो गई है। BJP के गढ़ में एक बार फिर भगवा लहराया है। BJP उम्मीदवार सतीश पटेल (निशालिया)ने कांग्रेस उम्मीदवार भीखाभाई रबारी के खिलाफ 30,499 वोटों की भारी बढ़त के साथ यह सीट जीत ली है।

योगेश काका की मौत के बाद हुआ था उपचुनाव

यह सीट BJP के सीनियर नेता और पूर्व MLA योगेश पटेल (काका) की दुखद मौत के बाद खाली हुई थी, जो मंजलपुर सीट से लगातार चुने जाते थे और इलाके में काफी पॉपुलर थे। नजी चोट और प्रतिष्ठा की लड़ाई योगेश काका की मौत के बाद यह उपचुनाव BJP के लिए अपना गढ़ बचाने और स्वर्गीय योगेश पटेल की विरासत को बचाने का एक बड़ा सवाल था। वोटर्स का अटूट विश्वास मंजलपुर के लोगों ने एक बार फिर BJP पर भरोसा जताया और सतीश पटेल को भारी अंतर से विजयी बनाया।

कांग्रेस के भीखाभाई रबारी की हार

चुनावी जंग में कांग्रेस ने भीखाभाई रबारी को मैदान में उतारकर BJP के गढ़ में सेंध लगाने की कोशिश की। शुरुआती राउंड से BJP के सतीश पटेल को मिली शुरुआती बढ़त आखिरी राउंड तक लगातार बढ़ती गई और आखिर में कांग्रेस उम्मीदवार को 30,499 वोटों के भारी अंतर से हार का सामना करना पड़ा। चुनाव के नतीजे घोषित होते ही मंजलपुर इलाके समेत वडोदरा के BJP कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह का माहौल था। काउंटिंग सेंटर के बाहर कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचकर जश्न मनाया। जीतने वाले उम्मीदवार सतीश पटेल का गुलाब की पंखुड़ियों और आतिशबाजी के साथ शानदार स्वागत किया गया। नए MLA सतीश पटेल का बयान 'यह जीत मंजलपुर के लोगों की जीत है और आदरणीय स्वर्गीय

योगेश काका के विकास कार्यों को श्रद्धांजलि है। इलाके के मुद्दों को सुलझाना और विकास की रफ़्तार जारी रखना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। '

गुजरात में 9 साल में 21 पुल गिर गए! लोगों की जान से यह खेल कब तक चलेगा?

महानगर मेट्रो ब्यूर

अहमदाबाद/गांधीनगर। गुजरात, जिसे हम 'डेवलपमेंट का रोल मॉडल' कहते हैं, वहां इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर ऐसी डरावनी तस्वीर सामने आ रही है जो देश के हर नागरिक को डराने के लिए काफी है। अगर पिछले 9 सालों के आंकड़ों पर नज़र डालें, तो राज्य में छोटे-बड़े 21 पुल या तो गिर गए हैं या ट्रैफिक के लिए खतरनाक हो गए हैं। चाहे मोरबी का चक्करदार झूला पुल हो, तापी का वालोड पुल हो, जूनागढ़ का पुल हो या वडोदरा-अहमदाबाद हाईवे पर हुए हादसे हों -

हर घटना के बाद जांच के नाम पर कागज काले कर दिए जाते हैं, लेकिन सवाल यह है कि इन हादसों के लिए असल में कौन ज़िम्मेदार है? खराब क्वालिटी का कंस्ट्रक्शनः करोड़ों रुपये के टेंडर पास हो जाते हैं, लेकिन सीमेंट और रॉड में भ्रष्टाचार से पुल की नींव कमजोर हो जाती है। क्या ठेकेदार सिर्फ अपना फायदा देखते हैं?

क्या जनता की जान की कोई कीमत नहीं है?

जब टैक्स देने वाले आम लोग सुबह अपने घरों से निकलते हैं, तो उन्हें पता नहीं होता कि जिस पुल से वे गुजर रहे हैं वह सुरक्षित है या नहीं। सड़कें और पुल सिर्फ सीमेंट-बजरी के स्ट्रक्चर नहीं हैं, बल्कि लाखों जिंदगियों की लाइफलाइन हैं। विकास के नाम पर कब तक तबाही बेची जाएगी? अगर समय पर करप्ट कॉन्ट्रैक्टर और अधिकारियों को 'बुलडोजर न्याय' और उम्रकैद जैसी कड़ी सजा नहीं दी गई, तो कल सुबह इन 21 पुलों का आंकड़ा और भी डरावना रूप ले लेगा। नागरिकों की जान से खेलना बंद करो और कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर एक मजबूत भारत बनाओ!

चाहे कुछ मिले या न मिले, अपना बेस्ट देना कभी बंद न करें क्योंकि कर्म जो रिजल्ट देता है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आज के डिजिटल ज़माने में इंसान अपने काम से ज़्यादा अपने काम की पब्लिसिटी का दीवाना हो गया है। सोशल मीडिया पर लाइक्स, कुछ देर की वाहवाही, या किसी की तारीफ़ पाने की चाहत का लालच आज इंसान के कैरेक्टर और ईमानदारी पर हावी हो गया है। चाहे कोई आम ऑफिस वर्कर हो, स्टूडेंट हो, पॉलिटिशियन हो या किसी बड़े ऑर्गनाइज़ेशन का मालिक हो–सबकी यही चाहत रहती है कि उनके किए गए छोटे से छोटे काम का 'क्रेडिट' पूरी दुनिया के सामने आए। लेकिन, कुदरत और ज़िंदगी का रहस्यमयी नियम कुछ और ही कहता है। दुनिया के इतिहास से लेकर आज तक, यह साबित हो चुका है कि क्रेडिट पाने की छोटी सी चाहत से किया गया काम टेम्परारी होता है; लेकिन जो काम क्रेडिट की चिंता किए बिना ईमानदारी और बेहतरीन तरीके से किया जाता है, उसका आखिरी 'रिजल्ट' दुनिया को हैरान कर देता है। 'क्रेडिट मिले या न मिले, अपना बेस्ट देना कभी बंद मत करना... क्योंकि कर्म जो नतीजा देता है, वही बेस्ट कहलाता है! आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में, इंसान कोई भी काम करते समय ये तीन जानलेवा सवाल पूछने लगा हैः जब काम करने का मेन मकसद सिर्फ़ 'तारीफ़' या 'क्रेडिट' बन जाता है, तो काम के अंदर से उसकी आत्मा (क्वालिटी) गायब हो जाती है। लोग सिर्फ़ दिखावे के लिए काम करते हैं। लेकिन याद रखना, इंसानी-बेजान तारीफ़ कुछ पल की होती है। जो लोग आज आपके काम की तारीफ़ करते हैं, वे कल आपको भूल जाएँगे। इसलिए, अगर आपकी संतुष्टि दूसरों की तारीफ़ पर आधारित है, तो आप कभी भी मन की शांति या सच्ची सफलता हासिल नहीं कर पाएँगे। पेड़ों की छायाः खुद को जलाकर भी, एक पेड़ राहगीरों को छाया और फल देता है। एक पेड़ कभी नहीं गिनता कि उसने कितने लोगों को पनाह दी है। नदियों का बहावः नदियां लगातार बहकर धरती को हरा-भरा रखती हैं, लेकिन वे कभी अपने पानी के इस्तेमाल का हिसाब नहीं मांगतीं। जब आप इस कुदरती न्याय को समझ जाते हैं, तो आप 'मैंने यह किया' के अहंकार से आज़ाद हो जाते हैं। श्रीमद् भगवद गीता में भगवान कृष्ण ने भी अर्जुन को यही सलाह दी थीः 'कर्मण्येवाधिकार्ते मां फलेषु भगवान' - यानी, आपका अधिकार सिर्फ काम करने तक है,जिसे दुनिया 'सफलता' कहती है, वह अक्सर किस्मत, चालाकी या हालात का नतीजा हो सकता है। लेकिन 'बेहतरीन होना' सिर्फ़ और सिर्फ़ लगातार कोशिश और ईमानदारी का नतीजा है। एक सफल इंसान दूसरों के क्रेडिट पर आगे बढ़ सकता है, लेकिन एक महान इंसान अपनी मेहनत से पहचान बनाता है। ज़िंदगी के इस मुश्किल सफ़र में, कभी दूसरों के सर्टिफिकेट या तारीफ़ पर डिपेंड मत रहो। अगर आप स्टूडेंट या युवा हैं, तो रिज़ल्ट की चिंता किए बिना अपनी जान पढ़ाई और स्किल्स में लगा दो। आपकी मेहनत, आपकी लगन और आपका सबसे अच्छा परफॉर्मेंस ही आपकी असली पहचान है।

तुमडीबोड चौकी की बड़ी सफलता मर्डर के आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन (भा.पु.से.) के दिशा-निर्देशन में पुलिस चौकी तुमडीबोड़ क्षेत्र के ग्राम पेण्डरवानी में महिला की संदिग्ध मृत्यु की सूचना पर चौकी प्रभारी तुमडीबोड़ के नेतृत्व में सायबर थाना के साथ संयुक्त टीम गठित कर त्वरित विवेचना कार्यवाही करते हुये महिला की ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी को 03 घण्टो में खुलासा कर आरोपी देवर को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। प्रकरण के अनुसार दिनांक 31.07.2026 को पुलिस चौकी तुमडीबोड़ क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पेण्डरवानी निवासी 28 वर्षीय महिला तामेश्वरी साहू पति जैयपाल साहू की संदिग्ध परिस्थितियों में उसके घर अन्दर कमरे में शव मिला था जिसे परिजनो द्वारा मेडिकल कॉलेज अस्पताल पेण्ड्री ले जाया गया जहां डॉक्टर द्वारा महिला को मृत घोषित कर दिया गया। मृत्यु की सूचना पर तुमडीबोड पुलिस द्वारा तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर मर्ग कायम कर जॉच में लिया गया। घटना स्थल पर वरिष्ठ अधिकारियों एवं वैज्ञानिक अधिकारी की उपस्थिति में बारिकी से वैज्ञानिक पद्धति से जॉच की गई। जांच के दौरान शव का पंचनामा कर शव का पोस्टमार्टम मेडिकोलिगल चिकित्सको की टीम से शासकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल, पेण्ड्री, राजनांदगांव में कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मृतिका की मृत्यु गला घोटने से दम घुटने से होना पाया गया।

संकलित साक्ष्यों के आधार पर आरोपी द्वारा मृतिका के बार-बार कामधाम नही करता है घर में बैठे बैठे खा रहा है बोलने पर गुस्से में आकर साड़ी से मृतिका का गला दबाकर हत्या करना पाये जाने से मृतिका के देवर देवेन्द्र साहू के विरुद्ध पुलिस चौकी तुमडीबोड में अपराध क्रमांक 334/26 धारा 103(1) BNS पंजीबद्ध किया गया। आरोपी से पुछताछ करने पर साड़ी से मृतिका का गला दबाकर हत्या करना कबुल किया। आरोपी के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने से विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल राजनांदगांव भेज दिया गया। उक्त कार्रवाई में पुलिस चौकी तुमड़ीबोड़ प्रभारी उप निरीक्षक धनीराम नारंगे, सहायक उप निरीक्षक चुन्नीलाल साहू, प्र0आर0 लोकनाथ वर्मा, आरक्षक विजेन्द्र सिंह, आरक्षक चंद्रशेखर यादव, आरक्षक विकास राजेत्री, महिला आरक्षक पेमिन कतलाम, महिला सैनिक उषा वर्मा, सायबर थाना से आरक्षक मनीष वर्मा, हरीश ठाकुर सहित पुलिस चौकी तुमड़ीबोड़ एवं सायबर थाना स्टाफ की सराहनीय एवं महत्वपूर्ण भूमिका रही।

वायरल लड़की रुचिका के सपोर्ट में CJP 'अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना कब से जुर्म हो गया?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ गलत और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में वायरल हुई रुचिका सिंह के खिलाफ FIR दर्ज होने के बाद मामला राजनीतिक और कानूनी तौर पर गरमा गया है। अब CJP (CJP - प्रोटेस्ट ऑर्गनाइजेशन) ऑफिशियली लड़की के बचाव में आगे आया है।द्व CJP के प्रवक्ता ने सवाल उठाया है कि देश में अभद्र भाषा या शब्दों का इस्तेमाल कब से कानूनी जुर्म हो गया है? आम जिंदगी में लोग अपनी रोजमर्रा की बातचीत में ऐसी भाषा का इस्तेमाल करते हैं। सिर्फ बोले गए शब्दों के आधार पर क्रिमिनल केस दर्ज करना कानूनी प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल है। MPs के खिलाफ गंभीर अपराधों पर CGP का तीखा हमला CGP ने देश के राजनीतिक सिस्टम पर हमला करते हुए सवाल उठाए हैं गंभीर आरोपों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं:देश के लगभग 50 प्रतिशत लोकसभा MPs के खिलाफ रेप, हत्या और डकैती जैसे गंभीर क्रिमिनल चार्ज दर्ज हैं, फिर भी उनके खिलाफ कोई ठोस कानूनी कार्रवाई नहीं की जाती। पुलिस की परफॉर्मेंस पर सवाल पुलिस को अपनी पूरी एनर्जी और रिसोर्स ऐसे गंभीर अपराधियों के खिलाफ लगाने चाहिए, न कि किसी आम लड़की के पीछे पड़ना चाहिए।

भाषा नहीं, न्याय और बराबरी की लड़ाई

CGP के मुताबिक, यह विवाद सिर्फ आपत्तिजनक भाषा तक सीमित नहीं है। यह लड़ाई देश में न्याय और कानूनी बराबरी के लिए है। जब कानून के स्टैंडर्ड नेताओं और शासकों के लिए अलग हों और देश की आम जनता या युवाओं के लिए अलग हों, तो कानून की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठते हैं। फिलहाल, इस मामले में दिल्ली पुलिस की तरफ से आगे की जांच की जा रही है.

PM नरेंद्र मोदी ने 100 हफ़्ते का देशव्यापी 'नशा मुक्त युवा अभियान' शुरू किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली / अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के युवाओं को ड्रग्स के चक्कर से आज़ाद रखने और एक डेवलप्ड इंडिया बनाने के लिए एक ऐतिहासिक और बड़ा नेशनल कैंपेन शुरू किया है। प्रधानमंत्री ने पूरे देश में 100 हफ़्ते का 'नशा मुक्त युवा अभियान' शुरू किया है। इस कैंपेन का मुख्य मकसद युवाओं को नशीले पदार्थों के इस्तेमाल से दूर रखना और उन्हें अपने लोकल समुदाय में पॉज़िटिव सामाजिक बदलाव का ब्रांड एंबेसडर बनाना है। इस कैंपेन के तहत, अगले 100 हफ़्तों तक हर रविवार को देश भर में अलग-अलग अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किए जाएंगे युवाओं को स्पोर्ट्स, आर्ट, कल्चरल प्रोग्राम और योग-मेडिटेशन जैसी एक्टिविटीज़ के ज़रिए जोड़ा जाएगा। देश भर के स्कूलों, कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज़ में ड्रग्स के इस्तेमाल से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में अवेयरनेस फैलाई जाएगी। हर रविवार को होने वाले प्रोग्राम के ज़रिए लोगों को नशा-मुक्त समाज बनाने में सीधा पार्टनर बनाया जाएगा। केंद्र सरकार के रेड आई अगेंस्ट ड्रग अब्यूज़ अभियान को लॉन्च करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के युवाओं को भरोसा दिलाया 'आज सरकार भी ड्रग्स के खिलाफ इस बड़ी लड़ाई में युवाओं के साथ मजबूती से खड़ी है। देश में ड्रग सप्लायर और ड्रग एडिक्ट्स के खिलाफ सख्त से सख्त एक्शन लिया जा रहा है। आज पहले से कई गुना ज़्यादा गिरफ्तारियां हो रही हैं और हज़ारों करोड़ रुपये के ड्रग्स ज़ब्त किए गए हैं। ये आंकड़े ही दिखाते हैं कि हमारी सरकार ड्रग्स की बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए कितनी पक्की और सख्त है।युवाओं को ड्रग्स के अब्यूज़ से बचाना देश के युवा भारत की 'अमृत पीढ़ी' हैं। अगर युवा भटक गए, तो देश का विकास रुक जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी की यह अपील सिर्फ़ एक सरकारी प्रोग्राम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय संकल्प है। परिवार की ज़िम्मेदारीः अगर कोई बच्चा या युवा ड्रग्स का आदी है, तो समाज के डर या इज़्ज़त की खातिर इसे छिपाने के बजाय, उसे मेडिकल और साइकोलॉजिकल मदद देना ज़रूरी है। देश के हर नागरिक, माता-पिता और टीचर का यह फ़र्ज़ है किज़ानलेवा ज़हर से दूर रखना ही इस समय सबसे बड़ा देशहित है।

सूरत के RTI एक्टिविस्ट के गंभीर आरोपों पर अभिजीत दीपके का पलटवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। एक RTI एक्टिविस्ट और सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले अभिजीत दीपके के बीच विवाद चरम पर पहुंच गया है। सूरत के एक जाने-माने ऋञ्जढ्ढ एक्टिविस्ट ने अभिजीत दीपके के पिता की संपत्ति और इनकम के सोर्स को लेकर हाई लेवल पर ऑफिशियल शिकायत दर्ज कराई है, जिससे पूरे इलाके में भारी हलचल मच गई है। यह मामला सामने आने के बाद लोकल पॉलिटिक्स और सोशल सर्कल में तरह-तरह की बहस और चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। ऋञ्जढ्ढ एक्टिविस्ट के दावे के मुताबिक, अभिजीत दीपके के पिता की महीने की सैलरी लगभग 60,000 से 65,000 रुपये है। इस मामूली इनकम वाले परिवार के लिए अपने बच्चे की हायर एजुकेशन पर 30 से 35 लाख रुपये की बड़ी रकम खर्च करना प्रैक्टिकली नामुमकिन है। ऋञ्जढ्ढ एक्टिविस्ट ने अपनी शिकायत में सीधा सवाल उठाया है कि 60 से 65 हज़ार महीने कमाने वाला इंसान रोज़ के खर्च और घर के रहने-खाने के साथ 30 से 35 लाख रुपये की भारी-भरकम फीस कैसे दे सकता है? इसलिए, इस पूरे फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन और उनके पिता की प्रॉपर्टीज़ की बिना किसी भेदभाव के जांच होनी चाहिए। इन गंभीर आरोपों और हर तरफ से घिरने के बाद, अभिजीत दीपके ने खुद अपनी चुप्पी तोड़ी है। एक प्राइवेट न्यूज़ चैनल को दिए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में, उन्होंने RTI एक्टिविस्ट के सभी दावों को पूरी तरह से खारिज कर दिया और अपने पक्ष में दलीलें पेश कीं।

वडोदरा के समा-सावली रोड पर बड़ा हादसा टला बंसल मॉल की लिफ्ट में फंसी 10 महिलाएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। कल शाम, कल्चरल सिटी वडोदरा के पॉश इलाके समा-सावली रोड पर मशहूर बंसल मॉल में उस समय अफरा-तफरी और डर का माहौल हो गया। मॉल में 'रॉयल किंग रेस्टोरेंट' में खाना खाने गई 10 महिलाएं लिफ्ट के अचानक रुक जाने से अंदर फंस गईं। हालांकि, घटना की खबर मिलते ही वडोदरा फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और सभी महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। मिली जानकारी के मुताबिक, 10 महिलाओं का एक ग्रुप समा-सावली रोड पर बंसल मॉल के टॉप फ्लोर पर रॉयल किंग रेस्टोरेंट में खाना खाने आया था। वापस नीचे उतरते समय लिफ्ट अचानक टेक्निकल खराबी की वजह से दो फ्लोर के बीच रुक गई। चीख-पुकार और घबराहटः लिफ्ट अचानक रुक गई और दरवाज़े नहीं खुले, जिससे अंदर मौजूद महिलाओं में बहुत ज़्यादा अफ़रा-तफ़री मच गई। सांस लेने में दिक्कत बंद लिफ्ट के अंदर पंखा और लाइट भी बंद हो गए, जिससे 10 महिलाओं को सांस लेने में दिक्कत होने लगी और वे मदद के लिए चिल्लाने लगीं।

दो टूक- हॉकी की जर्सी पर सियासत, मैदान में प्रदर्शन की चुनौती

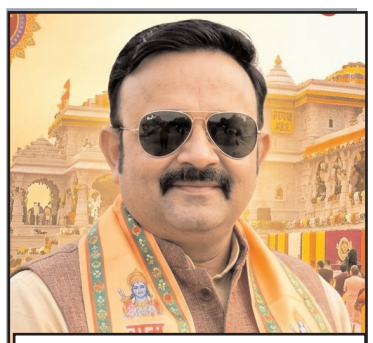

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि नीली हो या केसरिया बल्कि यह है कि क्या भारतीय हॉकी विश्व विजेता बनने की तैयारी कर रही है? क्या हमारे खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, फिटनेस सुविधाएं, खेल विज्ञान, मनोवैज्ञानिक सहयोग, आधुनिक विश्लेषण तकनीक और मजबूत घरेलू प्रतियोगिताएं उपलब्ध हैं? क्या जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं? यदि इन प्रश्नों के उत्तर सकारात्मक नहीं हैं तो केवल जर्सी बदल देने से भारतीय हॉकी का भविष्य नहीं बदल सकता।

जर्सी का रंग बदलने से बदलेगी भारतीय हॉकी की तस्वीर?

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम की पारंपरिक नीली जर्सी को बदलकर 15 अगस्त से शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में केसरिया रंग की मुख्य जर्सी पहनाने के निर्णय ने देशभर में नई बहस छेड़ दी है। यह बहस केवल खेल तक सीमित नहीं रही है बल्कि राजनीति, संस्कृति, राष्ट्रीय पहचान और खेल परंपरा तक पहुंच गई है। एक पक्ष इसे खिलाड़ियों की सुविधा और तकनीकी आवश्यकता से जुड़ा निर्णय बता रहा है तो दूसरा पक्ष इसे भारतीय खेलों के कथित ह्यभगवाकरणह्न के रूप में देख रहा है। सवाल यह है कि क्या वास्तव में जर्सी का रंग बदलना इतना बड़ा मुद्दा है या यह विवाद मूल प्रश्नों से ध्यान भटका रहा है? सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि हॉकी इंडिया ने जर्सी का रंग बदलने का निर्णय किन आधारों पर लिया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और भारतीय हॉकी के महान खिलाड़ी रहे दिलीप तिर्की के अनुसार, आज अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय हॉकी मुकाबले नीले सिंथेटिक एस्ट्रो टर्फ पर खेले जाते हैं। ऐसे में नीली जर्सी कई बार मैदान की पृष्ठभूमि में घुल-मिल जाती है, जिससे तेज गति वाले खेल में खिलाड़ियों को अपने साथी खिलाड़ियों की पहचान करने में कठिनाई होती है। आधुनिक हॉकी में खेल की गति अत्यंत तेज हो चुकी है, जहां एक सैकेंड का निर्णय मैच का परिणाम बदल सकता है। पासिंग, पोजिशनिंग और त्वरित निर्णय के लिए खिलाड़ियों की स्पष्ट दृश्यता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी कारण खिलाड़ियों, कप्तानों, कोचों और सहयोगी स्टाफ से विचार-विमर्श के बाद अधिक स्पष्ट दिखाई देने वाले रंग के रूप में केसरिया को चुना गया।

यदि यही वास्तविक कारण है तो इसे केवल तकनीकी दृष्टि से देखने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। विश्व खेलों में जर्सी के रंग समय-समय पर बदले जाते रहे हैं। फुटबॉल, रग्बी, क्रिकेट, बास्केटबॉल और हॉकी जैसी लगभग सभी खेल प्रतियोगिताओं में टीमें प्रतियोगिता, दृश्यता, प्रायोजकों, प्रसारण गुणवत्ता और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार अपनी जर्सियों में परिवर्तन करती रहती हैं। भारतीय हॉकी टीम इससे पहले 2014 विश्व कप में पीली तथा 2018 में हल्के नीले रंग की जर्सी पहन चुकी है। इसलिए रंग परिवर्तन स्वयं में कोई असाधारण घटना नहीं है। विवाद इसलिए बढ़ा है क्योंकि भारतीय हॉकी की पहचान पिछले कई दशकों से नीली जर्सी के साथ जुड़ चुकी है। जैसे ब्राजील की फुटबॉल टीम पीली जर्सी, अर्जेंटीना आसमानी-सफेद धारियों, न्यूजीलैंड ह्यऑल ब्लैक्सह्न और ऑस्ट्रेलिया

हरे-पीले रंग से पहचाने जाते हैं, उसी प्रकार भारतीय हॉकी की पहचान भी नीली जर्सी रही है। ओलंपिक स्वर्णिम इतिहास, विश्व कप की उपलब्धियां और अनेक ऐतिहासिक मुकाबलों की स्मृतियां इसी नीली जर्सी से जुड़ी रही हैं। यही कारण है कि पूर्व कप्तान धनराज पिल्लै, परगट सिंह और वीरेन रासकिन्हा जैसे खिलाड़ियों ने चिंता व्यक्त की कि कहीं यह परिवर्तन भारतीय हॉकी की स्थापित पहचान को कमजोर न कर दे।

पूर्व दिग्गज हॉकी खिलाड़ियों की चिंता को भी खारिज नहीं किया जा सकता। खेल केवल तकनीक नहीं, भावनाओं और विरासत का भी विषय होता है। जर्सी केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं बल्कि करोड़ों प्रशंसकों की स्मृतियों, खिलाड़ियों के गौरव और राष्ट्रीय खेल संस्कृति का प्रतीक होती है। इसलिए ऐसे किसी भी बड़े परिवर्तन से पहले व्यापक संवाद और पारदर्शिता अपेक्षित थी। यदि हॉकी इंडिया खिलाड़ियों और विशेषज्ञों के साथ-साथ पूर्व खिलाड़ियों तथा खेल समुदाय को भी इस निर्णय प्रक्रिया से जोड़ती तो शायद विवाद की तीव्रता कम होती। दूसरी ओर इस पूरे विवाद का राजनीतिक स्वरूप भी कम चिंताजनक नहीं है। विपक्षी दलों ने इसे ह्यखेलों का भगवाकरणह्न करार दिया है जबकि कई समर्थकों ने इसे राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक बताया। वस्तुतः दोनों अतिवादी दृष्टिकोण खेल भावना के अनुकूल नहीं हैं। किसी भी रंग का अपना कोई धर्म नहीं होता। रंग प्रतीकों का अर्थ समय, संस्कृति और संदर्भ के अनुसार बदलता रहता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में केसरिया रंग त्याग, साहस और समर्पण का प्रतीक है। भारतीय सेना, राष्ट्रीय ध्वज, अनेक विश्वविद्यालयों, सांस्कृतिक परंपराओं तथा आध्यात्मिक जीवन में भी केसरिया का सम्मानजनक स्थान है। वहीं इस्लामी परंपराओं, सूफी परंपरा और अनेक एशियाई संस्कृतियों में भी यह रंग विभिन्न रूपों में प्रयुक्त होता रहा है। इसलिए किसी रंग को किसी एक धर्म या विचारधारा का स्थायी प्रतीक मान लेना ऐतिहासिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि वर्तमान राजनीतिक वातावरण में रंगों के प्रतीकात्मक अर्थ अत्यधिक संवेदनशील हो चुके हैं। इसलिए जब किसी राष्ट्रीय टीम की दशकों पुरानी पहचान बदली जाती है तो राजनीतिक प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठते हैं। ऐसी परिस्थितियों में खेल संस्थाओं का दायित्व और बढ़ जाता है कि वे अपने निर्णयों के पीछे के सभी तथ्य, वैज्ञानिक अध्ययन और खिलाड़ियों की राय सार्वजनिक करें ताकि अनावश्यक विवाद की गुंजाइश कम हो। इस विवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि क्या वास्तव में नीली जर्सी खिलाड़ियों के प्रदर्शन में बाधा बन रही थी? कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने इस तकनीकी तर्क पर प्रश्न उठाए हैं। उनका कहना है कि कई वर्षों से नीले एस्ट्रो टर्फ पर प्रतियोगिताएं हो रही हैं और कभी ऐसी गंभीर समस्या सामने नहीं आई। यदि वास्तव में दृश्यता का प्रश्न था तो क्या इस संबंध में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ का कोई वैज्ञानिक अध्ययन उपलब्ध है? यदि हॉकी इंडिया इस विषय में विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट सार्वजनिक करे तो बहस अधिक तथ्यपरक हो सकती है।

हालांकि आधुनिक खेल विज्ञान यह स्वीकार करता है कि रंगों का खिलाड़ियों की दृश्य पहचान, प्रतिक्रिया समय और निर्णय क्षमता पर प्रभाव पड़ सकता है। कई खेलों में उच्च कंट्रास्ट वाले रंगों का चयन इसी कारण किया जाता है। प्रसारण तकनीक, कैमरा एंगल और दर्शकों की दृश्य सुविधा भी अब जर्सी डिजाइन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। इसलिए तकनीकी आधार को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। पूरे विवाद का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष यह है कि चर्चा खिलाड़ियों की तैयारी, रणनीति और पदक की संभावनाओं से हटकर जर्सी के रंग तक सीमित हो गई है। भारत की पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमें पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय सुधार कर चुकी हैं। टोक्यो ओलंपिक में पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीतकर चार दशक का सूखा समाप्त किया जबकि महिला टीम ने भी शानदार प्रदर्शन कर विश्व का ध्यान आकर्षित किया। अब जब विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट सामने हैं, तब खिलाड़ियों का ध्यान केवल अपने प्रदर्शन पर केंद्रित रहना चाहिए, किसी भी प्रकार का राजनीतिक या वैचारिक विवाद खिलाड़ियों पर अनावश्यक मानसिक दबाव डाल सकता है।

बहरहाल, वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि नीली हो या केसरिया बल्कि यह है कि क्या भारतीय हॉकी विश्व विजेता बनने की तैयारी कर रही है? क्या हमारे खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, फिटनेस सुविधाएं, खेल विज्ञान, मनोवैज्ञानिक सहयोग, आधुनिक विश्लेषण तकनीक और मजबूत घरेलू प्रतियोगिताएं उपलब्ध हैं? क्या जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं? यदि इन प्रश्नों के उत्तर सकारात्मक नहीं हैं तो केवल जर्सी बदल देने से भारतीय हॉकी का भविष्य नहीं बदल सकता। इतिहास बताता है कि महान टीमें अपने रंग से नहीं, अपने खेल से अमर होती हैं। खेल में पहचान रंग से नहीं, उपलब्धियों से बनती है। यदि भारतीय टीम केसरिया जर्सी पहनकर विश्व कप जीतती है तो यही जर्सी नई गौरवगाथा का प्रतीक बन जाएगी। और यदि प्रदर्शन निराशाजनक रहा तो रंग चाहे कोई भी हो, आलोचना फिर भी होगी। खेल का सबसे बड़ा धर्म राष्ट्र का सम्मान है। मैदान पर खिलाड़ी न किसी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं और न किसी दल का; वे केवल भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए जर्सी का रंग चाहे नीला हो, केसरिया हो या कोई और, देश की अपेक्षा केवल यही है कि भारतीय तिरंगा विश्व हॉकी के सर्वोच्च मंच पर सबसे ऊंचा लहराना चाहिए। वही किसी भी रंग की सबसे बड़ी सार्थकता होगी।

संपादकीय

कंगना के विवाद अर्जित हैं

कंगना रनोत के बयानों से जो भूकंप आते हैं, उनसे निकली स्याह चिंयां हिमाचल के वक्तव्यों का परिप्रेक्ष्य बदल देती हैं। अब जंतर मंतर आंदोलन की राख से हमारी सांसद मोहतरमा ने ऐसा बखेड़ा चुन लिया कि लोग ह्यगटरह्न में हमारे जनप्रतिनिधियों की भाषा की सड़ांध महसूस करने लगे हैं। एक पीढ़ी को ह्यजनरेशन गटरह्न का खिताब देने से पहले इस महिला की असंतुलित मानसिकता का अग्रि प्रेक्षपण बहस का विषय बन गया, तो सोचना यह होगा कि हम हिमाचली आखिर चुन कौन सा कबाड़ रहे हैं। मानसिक कबाड़ की हद में हमारी सांसद के किस्से आखिर सारे देश में किस पक्ष की गवाही देते हैं। मंडी की सांसद एक बेहतर अदाकारा होने के कारण कभी करोड़ों प्रशंसकों के दिलों में राज करती थीं, लेकिन अब नफरती टिप्पणियों के कारण मोहतरमा हाशिए पर दिखाई देती हैं। आखिर ऐसे सांसदों से हासिल क्या है। कम से कम यह मंडी की भाषा नहीं और न ही वोटर की भाषा है। संसदीय स्क्रीन पर कंगना की बादशाहत गलत कारणों से सामने आ रही है और जहां कई वर्गों के खिलाफ यह सांसद जैसे कोई स्वांग कर रही हो। बयानों की लंबी फेहरिस्त में बयान नहीं विवाद अर्जित हैं और मुकदमा यह नहीं कि भाजपा उन्हें सम्मानित कर रही हो। जो चंद नेता भटके हुए हैं, वहां आग बबूला कंगना का किरदार हमेशा कोई न कोई विवाद चुन लेता है। टिप्पणियां, इंटरव्यू और जनप्रतिनिधि होने के नाते उनके फर्ज की अदायगी का आलम यह कि इन्हें स्वयं सिद्धि की अमर्यादित भाषा रास आती है। बेशक राजनीतिक तौर पर एक पक्ष कंगना के साथ रहता है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि वह दूसरे पक्ष पर नफरत का प्रहार करके प्रशंसनीय हो रही हैं। बयानों की एक ऐसी श्रृंखला मोहतरमा के गले से बंधी है जो लोकतांत्रिक छवि को गहरी चोट पहुंचा रही है।

चिंतन-मनन

इस तरह रामचरित मानस बना धर्म शास्त्र

करीब पांच सौ साल पहले तक कोई धर्म ग्रंथ हिंदी में नहीं था। सभी धर्म ग्रंथ संस्कृत में थे और चूंकि मध्य काल में शिक्षा दीक्षा का चलन काफी कम हो गया था, भक्ति भावना या धर्म श्रद्धा के लिए लोग संस्कृत विद्वानों की ओर ही ताकते थे। ऐसा कोई शास्त्र नहीं था, जो लोगों की अपनी भाषा में हो। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस लिख कर एक समाधान दिया था, लोकिन कठिनाई यह थी कि विद्वानों और धमार्चार्यों ने इसे मान्यता नहीं दी। इसलिए धर्म भावना से भरे लोगों के मन में यह फांस अटकी रहती थी कि वे राम कथा से तो प्रेरणा ले रहे हैं लेकिन उनकी जानकारी का जो स्त्रोत है, वह धर्म शास्त्र नहीं है। क्योंकि धर्मशास्त्र तो संस्कृत में ही हो सकता है। पुरानी मान्यता है कि कोई शास्त्र अथवा ग्रंथ लोकप्रिय होने से स्वीकार्य नहीं हो जाता। स्वीकार्य वह रचना होती है जिसे विद्वतजनों ने मान्यता दी हो। तुलसीदास के मन में मानस की शुरूआत करते ही यह बात आई थी। उन्होंने हिंदी में ही रामकथा की रचना शुरू की। दो वर्ष सात महीने और छब्बीस दिन में सन् 1576 में यह रचना पूरी हुई। कहते हैं कि रचना लेकर गोस्वामी जी काशी चले गए। वहां विश्वनाथ मंदिर में पहली बार इसका पाठ किया। वहां पंडितों ने रचना को सराहा तो सही लेकिन संस्कृत में नहीं होने की वजह से इसे काव्य की मान्यता नहीं दी। गोस्वामीजी इससे क्षुब्ध हो गए। मानस के संबंध में प्रचलित किवदंतियों के अनुसार काशी विश्वनाथ मंदिर में रखे जाने के बाद ग्रंथ पर सत्यम, शिवम सुंदरम के साथ भगवान शिव का नाम लिखा मिला। अनुश्रुति के अनुसार यह काशी विश्वनाथ की स्वीकृति थी। लेकिन इस कहानी को मनगढंत माना गया है। रामचरितमानस के संबंध में इस तरह की कितनी ही कहानियां प्रचलित है जो उसकी महिमा को व्यक्त करती है। जैसे एक तो यही कि रामचरित मानस को चुराने के लिए चोर गए, वहां तुलसी की कुटिया में राम और लक्ष्मण पहरा देते हुए दिखाई दिए। इस तरह की तमाम किवदंतियों के बावजूद मानस को शास्त्र की मान्यता नहीं मिली थी। उस समय के प्रसिद्ध रामभक्त संत नाभादास ने मानस के महत्व को समझा और इस ग्रंथ को लेकर विद्वानों के पास गए। स्वामी ज्ञानानंद, हरीराम तर्कवागीश, गदाधर भट्टाचार्य, विश्वेश्वर सरस्वती, माधव सरस्वती, नारायण तीर्थ आदि विद्वानों ने रामचरित मानस को देखा पढ़ा और सराहा, किंतु उसे शास्त्र की मान्यता देने में असमर्थता जताई। असमर्थता इसलिए कि इनमें से कोई भी विद्वान रामचरितमानस पर टिप्पणी करता तो यह उसकी अपनी राय होती। हरीराम तर्कवागीश ने राय दी कि प्रयाग पुंभ के समय सभी संतजन और विद्वान एकत्रित होंगे। ग्रंथ को उनके सामने रखा जाए, सभी संत और धमार्चार्य विचार करें फिर इस संबंध में सर्वसम्मति से इस विषय में कोई निर्णय लिया जाए।

श्री कृष्ण कोई व्यक्ति नहीं जिन्हें हम खोजें, कृष्ण तो वह चेतना हैं जिसे हमें अपने हृदय में महसूस करना है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बाहरी खोज और भीतर का आभास अनंत भागदौड़, सोशल मीडिया की चकाचौंध और भौतिक सुखों के पीछे अंधी दौड़ लगाते आज के समाज में इंसान लगातार कुछ अधूरा-सा महसूस करता है। हम शांति, प्रेम और ईश्वर को मंदिर के पत्थरों में, तीर्थयात्राओं में या बाहरी दुनिया में खोजने का प्रयास करते हैं। परंतु परम सत्य यह है कि *कृष्ण कोई केवल स्थूल शरीर या ऐतिहासिक पात्र मात्र नहीं हैं, कृष्ण तो सच्चिदानंदमयी 'चेतना' हैं। जब मनुष्य अपने अहंकार को पिघलाकर अपने हृदय की गहराइयों में झांकता है, तब उसे अनुभव होता है कि कृष्ण कहीं दूर नहीं हैं, बल्कि उसकी अपनी अंदर बहती सच्ची भावना और चेतना में ही विराजमान हैं। आज के समय में कृष्ण-भाव को हृदय में जगाने का अर्थ कोई संन्यास लेना या संसार छोड़ देना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ समाज में एक सजग और सकारात्मक नागरिक बनना है। आज के युग में अक्सर लोग समस्याओं या जिम्मेदारियों से भागने का प्रयास करते हैं। कृष्ण-चेतना हमें सिखाती है कि परिस्थिति चाहे कितनी भी विपरीत क्यों न हो, अपने कर्तव्य से भागना कायरता है। अपने व्यवसाय, कार्यक्षेत्र या परिवार के प्रति संपूर्ण निष्ठा दिखाना ही सच्ची कृष्ण पूजा है। आज के आधुनिक संबंधों में अपेक्षाएं और लेन-ेन बढ़ गया है। राधा-कृष्ण का प्रेम हमें सिखाता है कि प्रेम स्वामित्व (अधिकार) स्थापित करने का विषय नहीं है, बल्कि सामाजिक और आत्मिक स्तर पर एक-दूसरे के प्रति समर्पित होने की भावात्मक ऊंचाई है। श्री कृष्ण का पूरा जीवन संघर्षों से भरा हुआ था–जेल में जन्म, बचपन में राक्षसों का सामना, मथुरा छोड़ना और कुरुक्षेत्र का युद्ध। फिर भी, उनके मुख से वह मनमोहक मुस्कान कभी ओझल नहीं हुई। समाज के लिए संदेश यह है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन हों, मन की शांति और हंसी कभी खोनी नहीं चाहिए। कल्पना कीजिए कि एक डॉक्टर, एक शिक्षक या एक सामान्य सफाई कर्मचारी अपने काम को केवल पैसा कमाने का साधन न मानकर, उसे 'जगत् के कल्याण का माध्यम' मानता है। जब डॉक्टर मरीज की पीड़ा को अपनी समझकर उसका इलाज करता है, तब उस डॉक्टर के हृदय में 'कृष्ण-चेतना' कार्य कर रही होती है। कृष्ण होने का अर्थ कोई अलग से चमत्कार करना नहीं है, बल्कि अपने रोजमर्रा के व्यवहार में करुणा, प्रेम और न्याय का चमत्कार प्रकट करना है। 'जब तक मन में ईर्ष्या, अहंकार और स्वार्थ है, तब तक

कृष्ण केवल एक कहानी हैं। परंतु जब हृदय में प्रेम, करुणा और समर्पण जगता है, तभी कृष्ण का सच्चा अवतार होता है। 'मंदिर में स्थित मूर्ति हमें ईश्वर की याद दिलाती है, परंतु हमारे हृदय में स्थित चेतना हमें ईश्वर के होने का अहसास कराती है। 'कुरुक्षेत्र केवल बाहर नहीं है, रोज हमारे मन में सद्गुणों और दुर्गुणों के बीच युद्ध

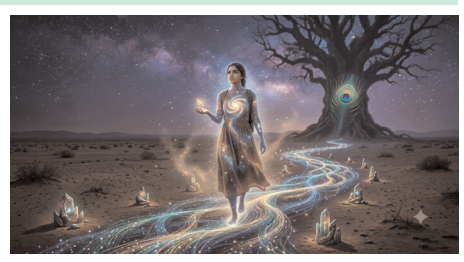

चलता है; और इस युद्ध में विवेक रूपी कृष्ण का साथ लेना ही विजय का मार्ग है। यदि हमें समाज को अधिक सुंदर, प्रेमपूर्ण और न्यायप्रिय बनाना है, तो हमें कृष्ण को केवल पूजाघर तक सीमित रखने के बजाय अपने विचारों और आचरण में लाना होगा। जब हम प्रत्येक मनुष्य में, प्रत्येक जीव में उसी एक चैतन्य का अनुभव करेंगे, तभी इस पृथ्वी पर सच्चे अर्थों में 'कृष्ण राज्य' और मानवता का कल्याण संभव होगा।

दर्शना पटेल
(नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित)
स्पोर्ट्स टीचर

पश्चिम एशिया में फिर युद्ध का खतरा; क्या दुनिया एक और महाविनाश की ओर बढ़ रही है?

सौरभ वार्ष्णेय

पश्चिम एशिया एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई दे रहा है, जहां एक छोटी-सी चिंगारी पूरे क्षेत्र को भीषण युद्ध की आग में झोंक सकती है। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार बढ़ता तनाव केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक शांति, ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और विश्व अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। यदि दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष शुरू होता है तो इसका प्रभाव केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया इसकी कीमत चुकाएगी।

हाल के दिनों में अमेरिका की ओर से दिए गए कड़े संकेत और ईरान की आक्रामक चेतावनियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों पक्ष अपने-अपने रुख से पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि यदि आवश्यक हुआ तो अमेरिका ईरान के ऊर्जा प्रतिष्ठानों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर कार्रवाई कर सकता है। वहीं ईरान ने भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि उसके रणनीतिक ठिकानों पर हमला हुआ तो उसकी प्रतिक्रिया केवल अपने भूभाग तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों और इजरायल को भी इसका सामना करना पड़ सकता है।

युद्ध की भाषा हमेशा विनाश की प्रस्तावना होती है। इतिहास बताता है कि जब राष्ट्र संवाद की बजाय सैन्य शक्ति पर भरोसा करने लगते हैं तो परिणाम केवल तबाही होता है। अमेरिका और ईरान के बीच वर्षों से सबसे बड़ा विवाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर रहा है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जबकि ईरान लगातार यह कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम केवल शांतिपूर्ण और ऊर्जा उत्पादन के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है।परमाणु कार्यक्रम पर अविश्वास ने दोनों देशों के संबंधों को लगातार खराब किया है। आर्थिक प्रतिबंध, तेल निर्यात पर रोक, वित्तीय प्रतिबंध और सैन्य दबाव ने स्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है। अब यदि यह विवाद खुले युद्ध में बदलता है तो उसके परिणाम केवल सैन्य नहीं बल्कि राजनीतिक, आर्थिक और मानवीय भी होंगे।

आधुनिक युद्धों में केवल सैनिकों पर हमला नहीं किया जाता बल्कि विरोधी देश की आर्थिक रीढ़ को कमजोर करने का प्रयास किया जाता है। ऊर्जा प्रतिष्ठान किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का आधार होते हैं। तेल रिफाइनरी, गैस संयंत्र, बिजलीघर और पाइपलाइन किसी राष्ट्र की जीवनरेखा हैं। यदि इन पर हमला होता है तो केवल ऊर्जा उत्पादन ही प्रभावित नहीं होता बल्कि उद्योग, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाएं, संचार व्यवस्था और आम नागरिकों का जीवन भी संकट में पड़ जाता है।ईरान दुनिया के प्रमुख तेल उत्पादक देशों में शामिल है। ऐसे में उसके ऊर्जा ढांचे पर किसी भी प्रकार का हमला वैश्विक तेल बाजार को तुरंत प्रभावित कर सकता है।

दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा का सबसे संवेदनशील बिंदु होर्मुज जलडमरूमध्य माना जाता है। विश्व के समुद्री मार्ग से होने वाले तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है।यदि युद्ध की स्थिति में यह मार्ग बाधित होता है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है। इसका सीधा असर भारत जैसे देशों पर पड़ेगा, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करते हैं।पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, विमान ईंधन और बिजली उत्पादन की लागत बढ? से महंगाई तेज होगी। परिवहन से लेकर खाद्य पदार्थों तक हर क्षेत्र प्रभावित होगा। भारत के पश्चिम एशिया के लगभग सभी देशों के साथ अच्छे संबंध हैं। लाखों भारतीय नागरिक खाड़ी देशों में कार्यरत हैं और भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा होता है।

भारत पहले भी पश्चिम एशिया के संकटों के दौरान अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए बड़े अभियान चला चुका है। इसलिए किसी भी नए संघर्ष की स्थिति में भारत को कूटनीतिक और मानवीय दोनों स्तरों पर तैयार रहना होगा। ईरान ने संकेत दिए हैं कि यदि उस पर हमला होता है तो वह केवल अपने क्षेत्र की रक्षा तक सीमित नहीं रहेगा। पश्चिम एशिया में अमेरिका के अनेक सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। कतर, बहरीन, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, जॉर्डन और अन्य क्षेत्रों में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति लंबे समय से बनी हुई है। यदि इन ठिकानों पर हमले होते हैं तो संघर्ष केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कई देश अनचाहे रूप से इसमें शामिल हो सकते हैं। यही किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष को वैश्विक संकट में बदलने का सबसे बड़ा कारण बनता है।

इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से गहरा तनाव रहा है। दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष और परोक्ष टकराव समय-समय पर सामने आते रहे हैं। यदि अमेरिका किसी सैन्य कार्रवाई में शामिल होता है तो इजरायल की सुरक्षा स्वतः एक बड़ा मुद्दा बन जाएगी। दूसरी ओर ईरान पहले भी संकेत देता रहा है कि वह इजरायल को अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखता है। ऐसी स्थिति में पूरा पश्चिम एशिया कई मोर्चों वाले युद्ध का मैदान बन सकता है।तनाव के बीच यह चर्चा भी तेज है कि रूस ईरान को विभिन्न प्रकार की तकनीकी या खुफिया सहायता उपलब्ध करा सकता है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित पक्षों की आधिकारिक प्रतिक्रियाएं भी सीमित रही हैं। फिर भी यदि बड़ी शक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसी संघर्ष में शामिल होती हैं तो क्षेत्रीय युद्ध का दायरा और व्यापक हो सकता है।

आज की दुनिया पहले जैसी नहीं रही। किसी भी क्षेत्रीय युद्ध का प्रभाव वैश्विक राजनीति, व्यापार और सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ता है। युद्ध कभी अचानक नहीं होता। उसके पहले वर्षों तक अविश्वास, आरोप-प्रत्यारोप, आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य तैयारियां और असफल वाताएं चलती रहती हैं।दुर्भाग्य यह है कि आज वैश्विक कूटनीति पहले की तुलना में अधिक कमजोर दिखाई देती है। संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं लगातार अपील तो करती हैं, लेकिन महाशक्तियों के सामने उनकी प्रभावशीलता सीमित नजर आती है। यदि संवाद की प्रक्रिया मजबूत नहीं होगी तो सैन्य विकल्प हमेशा अधिक आकर्षक प्रतीत होने लगेंगे। युद्ध का निर्णय नेता लेते हैं लेकिन उसकी कीमत आम नागरिक चुकाते हैं।बम सैनिक अड्डों पर ही नहीं गिरते, वे अस्पतालों, स्कूलों, घरों और बाजारों को भी प्रभावित करते हैं। लाखों लोग विस्थापित होते हैं, बच्चों की शिक्षा रुक जाती है, स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा जाती हैं और वर्षों तक समाज अस्थिर रहता है।इराक, सीरिया, यमन और अफगानिस्तान इसके बड़े उदाहरण हैं, जहां युद्ध समाप्त होने के बाद भी सामान्य जीवन लौटने में वर्षों लग गए। इतिहास का सबसे बड़ा सबक यही है कि सैन्य जीत हमेशा राजनीतिक समाधान नहीं बनती। अफगानिस्तान, इराक, लीबिया और सीरिया के उदाहरण बताते हैं कि युद्ध शुरू करना अपेक्षाकृत आसान होता है लेकिन शांति स्थापित करना बेहद कठिन।यदि उद्देश्य केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन रह जाए और राजनीतिक समाधान पीछे छूट जाए तो संघर्ष वर्षों तक चलता रहता है।भारत परंपरागत रूप से रणनीतिक स्वायत्तता और संतुलित विदेश नीति का समर्थक रहा है।भारत के अमेरिका से भी मजबूत संबंध हैं और ईरान के साथ भी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा ऊर्जा संबंध महत्वपूर्ण रहे हैं।

ऐसी स्थिति में भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए शांति, संवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून के पक्ष में प्रभावी भूमिका निभाए।संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही इसलिए हुई थी कि विश्व युद्ध जैसी त्रासदियां दोबारा न हों। आज आवश्यकता है कि संयुक्त राष्ट्र, सुरक्षा परिषद, यूरोपीय संघ, अरब लीग और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंच सक्रिय होकर दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने की दिशा में ठोस पहल करें। यदि कूटनीति विफल होती रही तो दुनिया बार-बार युद्ध के मुहाने पर खड़ी दिखाई देगी।

अमेरिका और ईरान दोनों शक्तिशाली राष्ट्र हैं। दोनों के पास सैन्य क्षमता है, लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण उनकी राजनीतिक जिम्मेदारी है। विश्व नेतृत्व का अर्थ केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं बल्कि संयम भी होता है।यदि दोनों देश वार्ता की मेज पर लौटते हैं तो न केवल पश्चिम एशिया बल्कि पूरी दुनिया राहत की सांस लेगी।पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल दो देशों का विवाद नहीं है; यह पूरी मानवता की चिंता का विषय है। ऊर्जा संकट, वैश्विक व्यापार, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और करोड़ों लोगों का भविष्य इस संघर्ष से प्रभावित हो सकता है। किसी भी सैन्य कार्रवाई से पहले यह याद रखना होगा कि युद्ध का अंत चाहे जिस रूप में हो, उसकी शुरूआत हमेशा मानवता की हार से होती है। दुनिया पहले ही अनेक संकटों से जूझ रही है। ऐसे समय में एक और व्यापक युद्ध किसी के हित में नहीं होगा। आज आवश्यकता शक्ति प्रदर्शन की नहीं, बल्कि धैर्य, संवाद, विश्वास और कूटनीतिक समाधान की है। यदि विश्व समुदाय समय रहते सक्रिय नहीं हुआ तो पश्चिम एशिया की यह आग सीमाओं को पार कर वैश्विक संकट का रूप ले सकती है। इतिहास गवाह है कि युद्ध जीतने वाले भी अंततः शांति की तलाश में ही लौटते हैं। इसलिए बुद्धिमानी इसी में है कि शांति का रास्ता युद्ध शुरू होने से पहले ही खोज लिया जाए।

राम मंदिर ट्रस्ट में बड़ा बदलाव! भैयाजी जोशी ने छोड़ा 'पालक' का पद, संघ-बीजेपी के बीच थे सबसे मजबूत कड़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आयोध्या। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता रहे भैयाजी जोशी ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के 'पालक' (संरक्षक) पद से इस्तीफा दे दिया है. आधिकारिक तौर पर इसकी वजह स्वास्थ्य बताई गई है. हालांकि ट्रस्ट के नए ढांचे और संगठनात्मक बदलावों के बीच उनके पद छोड़ने को लेकर कई तरह की चर्चाएं भी हैं. भैयाजी जोशी लंबे समय तक संघ और बीजेपी के बीच अहम समन्वयक माने जाते रहे हैं.

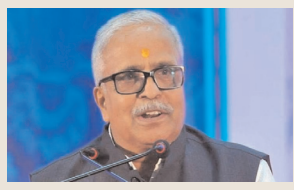

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में एक और बड़ा बदलाव हुआ है. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बीजेपी के बीच सबसे प्रभावशाली चेहरों में गिने जाने वाले भैयाजी जोशी ने राम मंदिर ट्रस्ट के 'पालक' (संरक्षक) पद से इस्तीफा दे दिया है. ट्रस्ट ने उन्हें इस दायित्व से मुक्त कर दिया है. आधिकारिक तौर पर इसकी वजह उनका स्वास्थ्य बताया जा रहा है, लेकिन ट्रस्ट के नए स्वरूप में उनकी भूमिका समाप्त होने को लेकर राजनीतिक और संगठनात्मक हलकों में कई तरह की चर्चाएं भी चल रही हैं. भैयाजी जोशी का यह फैसला इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि एक समय उन्हें संघ और बीजेपी के बीच संवाद की सबसे मजबूत कड़ी माना जाता था. लंबे समय तक संगठन में उनकी मजबूत पकड़ रही और बड़े फैसलों में उनकी भूमिका को अहम माना जाता था.

ताजमहल के पश्चिमी गेट पर कांवड़ लेकर पहुंचे हिंदू संगठन के लोग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। श्रावण मास के पहले सोमवार को ताजमहल के पश्चिमी गेट पर हाईवोल्टेज ड्रामा हुआ। कांवड़ लेकर जलाभिषेक करने पहुंचे अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं से पुलिस की झड़प हो गई। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में हिंदुत्ववादी कार्यकर्ताओं को ताजमहल परिसर की ओर बढ़ने से रोक दिया गया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। बाद में पुलिस सुरक्षा के बीच कांवड़ियों ने राजेश्वर महादेव मंदिर में कांवड़ ले जाकर गंगाजल चढ़ाया। हिंदू महासभा की जिलाध्यक्ष मीरा राठौर के नेतृत्व में कार्यकर्ता सोरों (कासगंज) से कांवड़ लेकर आए थे। श्रद्धालु कांवड़ में गंगाजल और बाबा अमरनाथ से लाए गए जल के साथ सुबह ताजमहल के पश्चिमी गेट पर पहुंचा गए। हिंदुत्व वादियों ने कहा कि ताजमहल को वे ' तेजो महालय ' (शिव मंदिर) मानते हैं। उन्होंने कहा कि जब यहां पर बिरयानी बांटी जाती हैं और कव्वालियां सुनाई जाती हैं तो वे यहां धतूरा और बेलपत्र भी चढ़ाएंगे।

पुलिस ने कांवड़ियों को रोक दिया

ताजमहल के गेट के पास तैनात पुलिस बल ने सभी हिंदुत्ववादी कार्यकर्ताओं और महिला कांवड़ियों को रोक दिया। इस दौरान हिंदू नेता अज्जू चौहान, मनीष पंडित, सौरभ शर्मा, विपिन राठौर, बबलू निषाद सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। कुछ देर तक पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच बहस होती रही। बाद में पुलिस प्रशासन ने सभी को राजेश्वर महादेव मंदिर ले जाकर गंगाजल चढ़वाया मीरा राठौर ने कहा कि संगठन का आंदोलन जारी रहेगा। उनका कहना है कि यदि ताजमहल परिसर में अन्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां हो सकती हैं तो भगवान शिव को धतूरा और बेलपत्र भी चढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदूवादी ताजमहल को शिव मंदिर मानते हैं और वे आने वाले सावन के अगले सोमवारों पर भी जलाभिषेक का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि इस बार उन्हें रोक दिया गया, लेकिन अगले सोमवार को फिर से कांवड़ लेकर आएंगे और जलाभिषेक करेंगे।

गाजियाबाद के मोदीनगर में बाइक की टायर से लिपटा मिला विशाल कोबरा, डर के बीच देखने के लिए जुटा पूरा मोहल्ला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। बारिश में वाहन का इस्तेमाल करने से पहले उसकी अच्छी तरह जांच करना कितना जरूरी है, इसका उदाहरण गाजियाबाद के मोदीनगर में सामने आया। यहां एक घर के बाहर खड़ी बाइक के टायर में विशाल कोबरा छिपा मिला। समय रहते परिवार की नजर सांप पर पड़ गई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। मामला कृष्णा नगर कॉलोनी का है। परिवार के लोग बाइक घर से बाहर निकाल रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर टायर में छिपे कोबरा पर पड़ी। सांप दिखाई देते ही घर में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग भी मौके पर जमा हो गए। किसी ने भी जोखिम उठाने के बजाय तुरंत स्नेक कैचर को सूचना दी। सूचना मिलने पर स्नेक कैचर मौके पर पहुंचा और काफी सावधानी के साथ रेस्क्यू अभियान चलाया। कुछ देर की मशक्कत के बाद कोबरा को सुरक्षित बाइक के टायर से बाहर निकाला गया। रेस्क्यू के दौरान लोगों की भीड़ जुटी रही और सभी ने राहत की सांस ली। बाद में कोबरा को सुरक्षित उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि बरसात के मौसम में सांप अक्सर सूखी और सुरक्षित जगहों की तलाश में वाहनों, टायरों, इंजन और घरों के कोनों में छिप जाते हैं।

शादी के 5 दिन बाद ही घर से भाग रही थी दुल्हन, खिड़की से लटकते ही रस्सी टूटी, दूसरी मंजिल से गिरने पर मौत

शादी के महज पांच दिन बाद वह आधी रात को रस्सी के सहारे घर से भागने की कोशिश कर रही थी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले से एक बेहद दर्दनाक और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां 2.6 लाख रुपये के कथित मानव तस्करी के सौदे के तहत ब्याही गई बिहार की एक युवती की भागने की कोशिश के दौरान मौत हो गई। शादी के महज पांच दिन बाद ही 23 वर्षीय दुल्हन ने आधी रात को घर से फरार होने के लिए अनोखा तरीका अपनाया। वह दूसरी मंजिल से लोहे के खंभे पर रस्सी बांधकर नीचे उतर रही थी, तभी अचानक रस्सी टूट गई और वह करीब 25 फीट नीचे आ गिरी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

दोगुनी उम्र के शख्स से हुई थी शादी

पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतका संध्या चौधरी, बिहार के रोहतास जिले के करवंढिया गांव की रहने वाली थी। उसकी शादी रतलाम के करमदी रोड इलाके में रहने वाले 45 वर्षीय वेलर मुकेश चौहान से तय की गई थी। आरोपी मुकेश ने पुलिस पूछताछ में कबूल किया है कि उसने उज्जैन जिले के बड़नगर के एक 'ब्रोकर' को दुल्हन तलाशने के लिए 2.6 लाख रुपये दिए थे। यह सौदा कथित तौर पर मानव तस्करी के तहत किया गया था, जिसमें युवती की मर्जी के खिलाफ उसकी उम्र से लगभग दोगुने उम्र के व्यक्ति से उसकी शादी करा दी गई थी। पुलिस के मुताबिक, यह घटना 31 जुलाई की रात करीब 2 बजे की है। पति मुकेश चौहान की नींद खुली तो उसने पाया कि उसकी नई नवेली दुल्हन बिस्तर से गायब है। पहले उसे लगा कि वह वॉशरूम गई होगी, लेकिन काफी देर तक जब वह नहीं लौटी तो उसने तलाश शुरू की। इसके बाद पड़ोसियों ने घर के पीछे रेत के ढेर पर संध्या को अवांछित हालत में पड़े देखा। उसे तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो पता चला कि संध्या ने घर से भागने के लिए निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाली एक पुरानी और घिसी हुई रस्सी का इस्तेमाल किया था, जिसे दो साल पहले खरीदा गया था। वह इस रस्सी के सहारे नीचे उतरने की कोशिश कर रही थी, लेकिन वजन और कमजोरी के चलते वह रस्सी बीच में ही टूट गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और इस पूरे मानव तस्करी रैकेट से जुड़े ब्रोकर की तलाश शुरू कर दी है। रतलाम के करमदी रोड इलाके में 26 जुलाई को हुई थी शादी, 31 जुलाई की रात हुआ हादसा। मृतका संध्या चौधरी की उम्र 23 साल थी, जबकि उसके पति मुकेश चौहान की उम्र 45 वर्ष है। उज्जैन के बड़नगर के एक ब्रोकर को दुल्हन के लिए 2.6 लाख रुपये दिए गए थे। दूसरी मंजिल से उतरते समय रस्सी टूटने से 25 फीट नीचे गिरने पर युवती की मौत हुई।

नीचे पानी का तेज बहाव और छलांग लगाकर पिलर को पार करते छात्र, शिवराज सिंह चौहान के संसदीय क्षेत्र में ऐसे स्कूल जा रहे बच्चे

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के संसदीय क्षेत्र विदिशा की बदहाली की तस्वीर सामने आई है। स्कूली बच्चे स्टॉप डैम के लिए बने पिलर को छलांग लगाकर पार करते हैं। इसके बाद स्कूल जाते हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश के विदिशा में बच्चे जान-जोखिम में डालकर स्कूल जा रहे हैं। विदिशा केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का संसदीय क्षेत्र है। लेकिन बच्चों को नदी पार करने के लिए पुल भी नहीं है। अधूरे पुल को पार कर बच्चे स्कूल जाते हैं। इसका वीडियो वायरल है। थोड़ी सी चूक में बच्चों की जान जा सकती है।

विदिशा के पाहो पड़रिया गांव का है वीडियो

दरअसल, वीडियो में दिख रहा है कि ब्रिज के लिए बने पिलकर फांदकर बच्चे स्कूल जा रहे हैं। यह वीडियो विदिशा जिले के पाहो पड़रिया गांव स्थित स्टॉप डैम का है। स्कूली बच्चे छलांग लगाकर स्टॉप डैम को पार करते हैं। इस दौरान हमेशा अनहोनी का डर बना रहता है। नीचे पानी का बहाव तेज है।

स्कूल बैग लेकर लगाते हैं छलांग

वीडियो में दिख रहा है कि बच्चे स्कूल बैग लेकर छलांग लगा रहे हैं। स्टॉप डैम के लिए बने पिलर के बीच फासला भी अधिक है। कभी अगर किसी बच्चे से चूक होती है तो बड़ा खतरा हो सकता है। इन सबके बावजूद प्रशासन की तरफ से कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है।

प्रशासन की तरफ से नहीं आई है सफाई

वहीं, इस घटना को लेकर प्रशासन की तरफ से कोई सफाई नहीं आई है। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि इसे लेकर कई बार शिकायत की गई लेकिन स्टॉप डैम का निर्माण पूरा नहीं हुआ है। इसकी वजह ग्रामीणों के परेशानी झेलनी पड़ रही है। बारिश के दिनों में लोगों की मुश्किलें ज्यादा बढ़ जाती हैं। गौरतलब है कि विदिशा शिवराज सिंह चौहान का संसदीय क्षेत्र है। वे केंद्र में कृषि मंत्री हैं। उनसे पहले भी बीजेपी के कई कद्दावर नेता यहां से सांसद रह चुके हैं। लेकिन यह वीडियो क्षेत्र की बदहाली को उजागर कर रहा है।

समाज के डर से कुंवारी बेटी के नवजात को गोबर के ढेर में दफनाया

पोल खुलते ही नाना ने की आत्महत्या की कोशिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बालाघाट। एक बेहद शर्मनाक और झकझोर देने वाली घटना सामने यहां आई है। एक अविवाहित युवती द्वारा जन्मे नवजात शिशु को उसके ही अपने नाना ने समाज के डर से कथित तौर पर जिंदा दफना दिया। इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने के बाद जब सच्चाई सामने आने लगी, तो आरोपी नाना धरम सिंह मडावी ने कीटनाशक खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की, जिसकी हालत फिलहाल अस्पताल में गंभीर बनी हुई है। पुलिस इस पूरे मामले की गहराई से छानबीन कर रही है।

रोने की आवाज से खुला राज

यह सनसनीखेज मामला बालाघाट जिले के नंदगांव का है। पुलिस को इस घटना की सूचना 31 जुलाई को मिली थी, लेकिन भारी बारिश और अंधेरे की वजह से बचाव दल और पुलिस तुरंत शव को बाहर नहीं निकाल सके। इसके बाद अगले दिन 1 अगस्त को भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में कार्रवाई को अंजाम दिया गया। ग्रामीणों के मुताबिक, बीती रात अचानक एक नवजात के रोने की आवाज सुनाई दी थी, जिसके बाद पड़ोसियों को शक हुआ। जब आसपास के लोगों ने परिवार से पूछताछ की, तो वे टालमटोल भरे जवाब देने लगे। बात बढ़ती देख मामला गांव के सरपंच तक पहुंचा, जिन्होंने तुरंत एक पंचायत बुलाई। इस चर्चा के दौरान एक आशा कार्यकर्ता ने खुलासा किया कि परिवार की अविवाहित बेटी कुछ समय से गर्भवती थी। सच्चाई सामने आते ही ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दे दी।

मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में निकाला गया शव

प्रशासनिक अमले ने मजिस्ट्रेट, डॉक्टरों और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में गांव के ही एक गोबर के ढेर से नवजात के शव को बाहर निकाला। शुरुआती जांच में पुलिस को बच्चे के मुंह और गले पर कपड़ा बंधा हुआ मिला, जिससे यह अंदेशा लगाया जा रहा है कि दफनाने से पहले बच्चे का दम घोंटा गया था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौत की असली वजह का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी नाना के ठीक होने का इंतजार किया जा रहा है।

अमेजन-फ्लिपकार्ट के डिलीवरी में खेलः असली सामान पार कर भर देते थे रद्दी, 75 लाख के माल संग 5 गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। पुलिस और एसओजी ने ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों के ऑर्डर बदलकर चोरी करने वाले गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है. आरोपी फ्लिपकार्ट-अमेजन के महंगे सामान निकालकर घटिया सामान रख देते थे. पुलिस ने इनके पास से 75 लाख रुपये का सामान बरामद किया है, जबकि 2 आरोपी फिलहाल फरार हैं. नोएडा के थाना सेक्टर-20 पुलिस और एसओजी टीम ने फ्लिपकार्ट, अमेजन समेत अन्य ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों के ऑर्डर में हेराफेरी कर महंगे सामान की चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है. पुलिस ने गिरोह के पांच शातिर सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 75 लाख रुपये कीमत का चोरी किया गया सामान भी बरामद किया है. मामले में दो आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है डीसीपी साद मियां खान ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वारिस खान, सुनील कुमार, विजय सिंह, धर्मेंद्र और सूरज सिंह के रूप में हुई है। वहीं भूपेंद्र और असलम उर्फ राजू खान फरार हैं. पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह के सदस्य पिछले तीन से चार महीने से फ्लिपकार्ट, अमेजन और अन्य ई-कॉमर्स कंपनियों के महंगे ऑर्डर की डिलीवरी के दौरान सामान बदल देते थे. आरोपियों द्वारा असली सामान निकालकर उसकी जगह सस्ता या दूसरा सामान रख दिया जाता था, जिससे ग्राहक और विक्रेता ई कॉमर्स कंपनी दोनों को नुकसान होता था.

चलती ट्रेन से कूदकर यात्रियों ने बचाई जान उज्जैन में टला बड़ा रेल हादसा, इंजन में शार्ट सर्किट के बाद उठीं आग की लपटें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। महिदपुर रोड रेलवे स्टेशन पर रविवार(2 अगस्त) सुबह एक बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया. रतलाम-कोटा पैसेंजर मेमू ट्रेन के इंजन पर अचानक 25 हजार केवी की हाई-वोल्टेज ओवरहेड बिजली लाइन टूटकर गिर गई. तार गिरते ही इंजन में शॉर्ट सर्किट हुआ और देखते ही देखते आग लग गई. आग लगने के बाद ट्रेन में करंट फैलने का खतरा पैदा हो गया. मौके पर मौजूद यात्रियों ने ट्रेन से कूदकर अपनी जान बचाई. इंजन से उठती आग की लपटें देखकर यात्रियों में चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई. इस घटना के कारण कुछ देर के लिए रेल यातायात भी बाधित हुआ. बताया जा रहा है कि मेमू ट्रेन महिदपुर रोड रेलवे स्टेशन पहुंची ही थी, तभी ट्रेन के इंजन पर 25 हजार केवी की हाई-वोल्टेज ओवरहेड बिजली लाइन टूटकर गिर गई. तार गिरते ही इंजन में शॉर्ट सर्किट हुआ और उसके ऊपरी हिस्से में आग लग गई. वहां मौजूद लोग इस घटना से घबरा गए और चीख-पुकार मचने लगी. देखते ही देखते पूरी ट्रेन खाली हो गई और लोग डरकर इधर-उधर छिप गए. इंजन से उठती आग की लपटें देखकर यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई. मौके पर मौजूद यात्रियों ने ट्रेन से कूदकर अपनी जान बचाई. सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया. इस घटना के कारण कुछ देर के लिए रेल यातायात भी प्रभावित हुआ. फिलहाल सभी यात्रियों के सुरक्षित होने की बात कही गई है. मामले में रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यह एक हादसा था और इसकी जांच करवाई जा रही है. वहीं, यात्रियों का आरोप है कि इस क्षेत्र में पिछले दो महीनों में तीन से चार बार ऐसे हादसे हो चुके हैं, लेकिन बार-बार शिकायत के बावजूद रेलवे प्रबंधन और जिम्मेदार अधिकारी बेपरवाह बने हुए हैं. फिलहाल सभी यात्री सुरक्षित हैं, लेकिन इस घटना ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

'मेरे लिए मर चुकी हो...' फिरोजाबाद में पति ने पत्नी का किया 'जीते जी पिंडदान'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

फिरोजाबाद। थाना लाइनपार क्षेत्र में एक पति द्वारा अपनी पत्नी का जीते जी पिंडदान करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने का मामला सामने आया है. पीड़ित महिला दीपा स्वर्णकार ने अपने पति जितेंद्र प्रकाश और ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है. 2 अगस्त को पति द्वारा व्हाट्सएप स्टेटस पर पिंडदान का वीडियो लगाने के बाद पीड़िता ने थाना लाइनपार पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर सुरक्षा और एफआईआर की मांग की है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. नगला विष्णु निवासी दीपा स्वर्णकार का विवाह 26 अगस्त 2014 को जितेंद्र प्रकाश के साथ हुआ था. दीपा का आरोप है कि शादी के बाद से ही पति जितेंद्र, सास मंजू वर्मा, ननद शालनी और देवर नकुल उसे मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं. 30 जुलाई को भी उसके साथ मारपीट की गई, जिससे बचने के लिए उसने कमरे में छुपकर अपनी जान बचाई. पीड़िता के अनुसार, 2 अगस्त को पति ने उसका जीते जी पिंडदान करने का वीडियो व्हाट्सएप स्टेटस पर पोस्ट कर दिया. जब दीपा ने इसका विरोध किया तो पति ने कहा कि वह उसके लिए मर चुकी है और अब वह उसके साथ नहीं रहेगा. दीपा का दावा है कि उसके पास जान से मारने की धमकियों की ऑडियो रिकॉर्डिंग भी मौजूद है.

गोमांस मिलने पर हंगामा, बजरंग दल के धरने के बाद मटन मार्केट पर चला JCB

भारी पुलिस बंदोबस्त के बीच मार्केट को ध्वस्त कर दिया गया.

हानगर मेट्रो ब्यूरो

जालना। महाराष्ट्र के जालना जिले के पुराने जालना इलाके में मटन मार्केट से कथित तौर पर गोमांस बरामद होने के बाद विवाद खड़ा हो गया. गोवंश की हत्या किए जाने की सूचना मिलने पर बजरंग दल और गौरक्षक कार्यकर्ता पुलिस के साथ संबंधित दुकान पर पहुंचे. मामले की जानकारी मिलते ही इलाके में लोगों की भीड़ जुटने लगी और माहौल तनावपूर्ण हो गया. बताया गया कि पुलिस की मौजूदगी में ही बजरंग दल कार्यकर्ताओं और कुछ नागरिकों के बीच कहासुनी हो गई. इसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट होने का आरोप लगाया गया. बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि पुलिस के सामने ही उनके साथ हमला किया गया. इतना ही नहीं, धारदार हथियार से हमला करने की कोशिश किए जाने का भी आरोप लगाया गया. घटना के बाद हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया. उन्होंने संबंधित लोगों के खिलाफ

तत्काल कार्रवाई की मांग शुरू कर दी. कार्यकर्ताओं का कहना था कि गोवंश की हत्या और कथित तौर पर उसके मांस की बिक्री को लेकर प्रशासन को सख्त कदम उठाने चाहिए. इसी मांग को लेकर कार्यकर्ता कथित गोमांस लेकर सीधे जालना महानगरपालिका परिसर पहुंच गए. मनपा कार्यालय के सामने बजरंग दल का धरना महानगरपालिका परिसर में पहुंचकर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया. इस दौरान अवैध मटन मार्केट के खिलाफ कार्रवाई और गोवंश की हत्या रोकने की मांग को लेकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई. प्रदर्शनकारियों ने संबंधित मार्केट के संचालन को लेकर महानगरपालिका प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए. कार्यकर्ताओं का आरोप था कि जिस जगह पर मटन मार्केट संचालित हो रहा है, वह महानगरपालिका की जमीन है. ऐसे में मनपा की जमीन पर मार्केट चलाए जाने के बावजूद पहले कार्रवाई क्यों नहीं की गई, इसे लेकर प्रदर्शनकारियों ने सवाल उठाए. उन्होंने संबंधित निर्माण को तत्काल हटाने और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की. धरने और लगातार बढ़ते विरोध के बाद महानगरपालिका प्रशासन हरकत में आया. पुराने जालना इलाके में स्थित संबंधित मटन मार्केट के खिलाफ अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई. मनपा अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी में कार्रवाई आगे बढ़ी और निर्माण को हटाने का काम शुरू हुआ. कार्रवाई के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए मौके पर भारी पुलिस बंदोबस्त तैनात किया गया. प्रशासन ने संवेदनशील स्थिति को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी. मनपा की कार्रवाई के दौरान पुलिस अधिकारी और जवान मौके पर मौजूद रहे, ताकि किसी भी पक्ष की ओर से स्थिति बिगाड़ने की कोशिश न हो. घटना की सूचना मिलने के बाद उपविभागीय पुलिस अधिकारी अनंत कुलकर्णी और कदीम जालना पुलिस थाने के पुलिस निरीक्षक जनार्दन शेवाले समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे. पुलिस अधिकारियों ने हालात का जायजा लिया और स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया. मनपा की कार्रवाई के दौरान संबंधित मटन मार्केट को ध्वस्त कर दिया गया. प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद इलाके में तनाव तो बना रहा, लेकिन पुलिस की मौजूदगी में स्थिति को संभालने की कोशिश की गई.

बॉलिवुड के कई कलाकार होंगे शामिलदिल्ली में 11 अक्टूबर से शुरू होगी लव कुश रामलीला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। लाल किला मैदान में 11 अक्टूबर से होने वाली लव कुश रामलीला में इस बार दर्शकों को काफी कुछ नया देखने को मिलेगा। इस साल रामलीला का पंडाल मीनाक्षी मंदिर की थीम पर सजाया जाएगा। यहां आने वाले लोगों को ऐसा महसूस होगा कि वह मीनाक्षी मंदिर में घूम रहे हैं। यही नहीं, इस साल रामलीला के लिए तैयार मंच चार मंजिला और भव्य होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने अलग-अलग कार्यक्रमों में आने की सहमति भी दी है। लव कुश रामलीला कमेटी ने बताया, बॉलीवुड के कई कलाकार होंगे शामिल रविवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में लव कुश रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने बताया कि रामलीला का मंचन 21 अक्टूबर तक होगा। रामलीला के पंडाल में एलईडी भी बड़ी लगाई जाएंगी। सीता हरण के दृश्य को हवा में होते हुए दिखाया जाएगा। उन्होंने कहा, इस वर्ष की रामलीला में नई तकनीकें एआई और कंप्यूटर ग्राफिक्स, एनीमेशन, डिजिटल, हाइटेक, थ्री-डी मैपिंग, विजुअल इफेक्ट, 8ट्रैक डिजिटल साउंड सिस्टम के माध्यम फिल्म इंडस्ट्री के नामचीन टेक्निशियन की टीम की देख-रेख में मंचन होगा। इस साल बॉलीवुड के 20 नामी फिल्म स्टार्स के अलावा टीवी और रंगमंच के 160 से ज्यादा कलाकार मंचन में विभिन्न किरदारों में नजर आएंगे। पिछले साल की तरह इस साल भी सांसद मनोज तिवारी, सिंगर शंकर साहनी समेत कई महत्वपूर्ण किरदार निभाएंगे।

दिल्ली में 2023 जैसी बाढ़ रोकने की तैयारी, नीली छतरी पर बनेगी सुरक्षा दीवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। 2023 जैसी विनाशकारी बाढ़ के खतरे से दिल्ली को बचाने का प्लान तैयार हो रहा है। इस प्लान में नीली छतरी क्षेत्र में रिटेनिंग वॉल बनाने, यमुना के लिए वैज्ञानिक मॉडल तैयार करने और ड्रेनेज व्यवस्था को मजबूत करने की योजना शामिल है। सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग ने एनजीटी में इस प्लान की पूरी जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 की बाढ़ का प्रमुख कारण 9 से 13 जुलाई के बीच यमुना के कैचमेंट में हुई अत्यधिक बारिश थी। विश्लेषण में बताया गया कि 2023 में ओल्ड दिल्ली रेलवे ब्रिज क्षेत्र में 5 दिन की संचयी बारिश 1978 की तुलना में 23.8' अधिक थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 की बाढ़ के दौरान केवल नीली छतरी क्षेत्र में तटबंध के ऊपर से पानी बहने की स्थिति बनी थी। इसी वजह से मैगजीन ड्रेन से ओल्ड रेलवे ब्रिज तक रिंग रोड के किनारे आरसीसी रिटेनिंग वॉल बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। यमुना की बाढ़ क्षमता और भविष्य के जोखिम का आकलन करने के लिए केंद्रीय जल एवं विद्युत अनुसंधान केंद्र, पुणे को हाइब्रिड मॉडल स्टडी सौंपी गई है। मसौदा रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

एमपी के पूर्व मंत्री पारस जैन का निधन, बीजेपी नेताओं ने जताया शोक, उज्जैन उत्तर से पांच बार रहे हैं विधायक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री और भाजपा नेता पारस जैन का सोमवार को निधन हो गया। उनका इंदौर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था, जहां उन्होंने आखिरी सांस ली। उन्हें 'पारस पहलवान' के नाम से जाना जाता था। पारस जैन ने वन, स्कूल शिक्षा, खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण व ऊर्जा मंत्री के रूप में प्रदेश में सक्रिय भूमिका निभाई थी। पारस जैन ने 6 विधानसभा के चुनाव लड़े, जिसमें से एक चुनाव में उन्हें हार मिली थी और पांच बार विधायक चुने गए। हालांकि, साल 2023 के विधानसभा चुनाव में उन्हें टिकट नहीं मिला था। पारस जैन के निधन पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शोक व्यक्त किया। शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर लिखा कि मध्य प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री, उज्जैन उत्तर के पूर्व विधायक, वरिष्ठ राजनेता और मेरे आत्मीय साथी पारस चंद्र जैन नहीं रहे। पारस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समर्पित स्वयंसेवक और भारतीय जनता पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता रहे हैं। उनके निधन का समाचार सुनकर दुखी और स्तब्ध हूं।

पारस पहलवान के नाम से थी पहचान

शिवराज सिंह चौहान ने पोस्ट में आगे लिखा कि पारस जी ने मध्यप्रदेश और उज्जैन की जनता की समर्पित भाव से सेवा की है। वे कुशल संगठक और सफल प्रशासक के साथ-साथ योग तथा व्यायाम के बड़े प्रेरक रहे हैं। उन्हें 'पारस पहलवान' के नाम से जाना जाता था। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारजनों के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक-संतप्त परिजनों को यह अपार दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। जपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भी पारस जैन के निधन पर दुख जताया। उन्होंने लिखा कि वरिष्ठ भाजपा नेता औ प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री पारस चंद्र जैन के निधन का समाचार अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। शोकमय परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। जनसेवा और संगठन की विचारधारा के प्रति उनका समर्पित जीवन नए कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा है। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें व शोकाकुल परिजनों व शुभचिंतकों को यह असीम दुख सहन करने की शक्ति दें। उज्जैन-आलोट से भाजपा सांसद अनिल फिरोजिया ने पोस्ट किया कि उज्जैन उत्तर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक और मध्य प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री पारस जैन के निधन का समाचार अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। बाबा महाकाल से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।

मैं कोई संत या स्पिरिचुअल फिगर नहीं, दूध से पैर धुलवाने पर महाराष्ट्र कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नाना पटोले की सफाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नाना पटोले का एक विवादित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें उन्हें दूध से पैर धुलवाते हुए देखा जा सकता है। इस क्लिप ने पटोले के खिलाफ गुस्से की लहर पैदा कर दी है। सोशल मीडिया पर आलोचना और बीजेपी के द्वारा निशाना साधे जाने पर नाना पटोले ने इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है, हालांकि इसके बाद नाना पटोले के दूध से पैर धुलवाने को कांग्रेस की विचारधारा के उलट माना जा रहा है।

क्या है पूरा विवाद

सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है वायरल वीडियो में पटोले सोफे पर बैठे हैं और दो लोग उनके पैर धो रहे हैं, उन पर फूलों की पंखुड़ियां डाल रहे हैं और रस्म के हिस्से के तौर पर पास में फल रख रहे हैं। वीडियो पर प्रतिक्रिया देते

हुए महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री और बीजेपी नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने कांग्रेस पर निशाना साधा और दावा किया कि यह घटना पार्टी के कल्चर को दर्शाती है। बावनकुले ने कहा कि कांग्रेस नेताओं की ऐसी हरकतें करने की आदत है। उन्हें ऐसी घटनाओं से सबक लेना चाहिए। ऐसी हरकतें क्यों करनी जिनसे सिर्फ आलोचना और बदनामी ही मिले, और कुछ नहीं?

नाना पटोल ने किया पलटवार

मुझे नहीं लगता कि इस मामले पर कोई सवाल उठाया जाना चाहिए। उस दिन गुरु पूजा थी, और मेरे परिवार के दो युवा सदस्य वहां मौजूद थे। उन्होंने ज़िद की कि वे मुझे अपना गुरु मानते हैं और सम्मान के तौर पर यह काम करना चाहते थे। मैं इसमें सहज नहीं था क्योंकि मैं खुद को संत या आध्यात्मिक व्यक्ति नहीं मानता, और मुझे किसी का मेरे पैर छूना ठीक नहीं लगा। पटोले ने आलोचना को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने किसी को भी यह रस्म निभाने के लिए न तो कहा और न ही बढ़ावा दिया। विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए पटोले ने कहा कि उस दिन गुरु पूर्णिमा थी। मेरे परिवार के दो युवा सदस्य वहां मौजूद थे। उन्होंने जिद की कि वे मुझे अपना गुरु मानते हैं और सम्मान के तौर पर ऐसा करना चाहते हैं। मैंने किसी से ऐसा करने के लिए नहीं कहा था। नाना पटोले ने राम मंदिर चंदे की चोरी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जो लोग चंदे का पैसा लूटते हैं, उन्हें हमें संस्कृति और परंपराओं के बारे में उपदेश देने का कोई अधिकार नहीं है। यह टिप्पणी अयोध्या राम मंदिर में चंदे के कथित दुरुपयोग को लेकर चल रहे विवाद के संदर्भ में की गई थी।

दिल्ली में बीजेपी ने शुरू किया Gen-Z सम्मेलन, युवा-छात्राओं को साधने का क्या है प्लान?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलन का सियासी असर दिखने लगा है. बीजेपी ने युवाओं और छात्रों पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखने के लिए दिल्ली से त्तद्दठ्ठ-ँ सम्मेलन शुरू किया है. इस सम्मेलन के जरिए बीजेपी युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम शुरू किया है. पेपर लीक के मुद्दे पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलन हुआ. विरोध प्रदर्शन के चलते ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा. छात्र आंदोलन और युवा वर्ग के बीच बदलते सियासी मिजाज को भांपते हुए बीजेपी ने एक बड़ा रणनीतिक कदम उठाया है. बीजेपी ने दिल्ली में 'त्तद्दठ्ठ-ँ सम्मेलन' की शुरुआत कर दी है, जिसके जरिए युवा और छात्राओं को अपने पाले में जोड़े रखने की प्लानिंग मानी जा रही है. बीजेपी के युवा मोर्चा के द्वारा दक्षिणी दिल्ली के तुगलकाबाद डीडीए ग्राउंड में त्तश्वह्र-ँ सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद और मुख्य वक्ता के तौर पर पूर्व सांसद दक्षिणी दिल्ली के रमेश बिधूड़ी ने शिरकत किया. Gen-Z सम्मेलन के जरिए बीजेपी ने युवाओं की नब्ज टटोलने के लिए संवाद का एक नया कार्यक्रम शुरू किया है. इस दौरान युवाओं को 'त्तद्दठ्ठ-ँ' होने का असली मतलब समझाया गया ताकि उनके भीतर बीजेपी सरकार और पार्टी की नीतियों को लेकर सकारात्मक माहौल बना रहे. बीजेपी युवा मोर्चा ने रविवार को दक्षिण दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके में 'Gen-Z सम्मेलन' का आगाज किया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र और युवा शामिल हुए. ताकि युवा पीढ़ी को सकारात्मक रूप से पार्टी के साथ जोड़े रखा जा सके.

जबरन धर्म परिवर्तन पर 10 साल तक सजा, महाराष्ट्र में धर्मांतरण विरोधी कानून लागू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी के बाद 'महाराष्ट्र धर्म की स्वतंत्रता अधिनियम, 2026' को लागू कर दिया है. ये कानून जबरन, धोखाधड़ी, लालच या शादी के झांसे से धर्मांतरण को रोकने के लिए बनाया गया है. दोषी पाए जाने पर 7 से 10 साल तक की जेल हो सकती है. महाराष्ट्र में जबरन, धोखाधड़ी, लालच या शादी के झांसे से कराए जाने वाले धर्मांतरण पर रोक लगाने के लिए नया कानून लागू हो गया है. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मंजूरी मिलने के बाद राज्य सरकार ने 'महाराष्ट्र धर्म की स्वतंत्रता अधिनियम, 2026' को ऑफिशियल गैजेट में प्रकाशित कर दिया है. महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों ने इस साल मार्च में बजट सत्र के दौरान 'महाराष्ट्र धर्म की स्वतंत्रता विधेयक, 2026' पारित किया था. राष्ट्रपति की सहमति मिलने के बाद 30 जुलाई को इसे राज्य के राजपत्र में नोटिफाई कर दिया गया. इसके साथ ही अब राज्य में ये कानून प्रभावी हो गया है. नए

कानून के प्रावधानों के मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति अपनी मर्जी से दूसरा धर्म अपनाना चाहता है, तो उसे धर्मांतरण से कम से कम 60 दिन पहले जिला मजिस्ट्रेट को लिखित सूचना देनी होगी. इसके साथ ही धर्मांतरण के बाद की तय प्रक्रियाओं का पालन करना भी अनिवार्य किया गया है अधिनियम के तहत बल, दबाव, धोखाधड़ी, अनुचित प्रभाव, प्रलोभन, गलत बयानी या शादी से जुड़े धोखे के जरिए कराए गए धर्म परिवर्तन को दंडनीय अपराध बनाया गया है. इसके तहत पहली बार अपराध करने पर आरोपी को 7 साल तक की जेल हो सकती है. दोबारा अपराध करने पर सजा को बढ़ाकर 10 साल तक किया जा सकता है. कानून में ये भी कहा गया है कि पीड़ित व्यक्ति के अलावा उसके माता-पिता, भाई-बहन या करीबी रिश्तेदार भी पुलिस में शिकायत दर्ज करा सकते हैं.

स्वैच्छिक विवाह या धर्म परिवर्तन पर रोक नहीं

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पहले बताया था कि इस कानून का असल मकसद जबरन और धोखाधड़ी से होने वाले धर्मांतरण पर लगाम लगाना है. राज्य सरकार ने दोहराया है कि ये कानून अपनी मर्जी से किए जाने वाले धर्म परिवर्तन या अंतरधार्मिक विवाहों के खिलाफ नहीं है. इस कानून के लागू होने के साथ ही महाराष्ट्र अब उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश जैसे उन राज्यों की लिस्ट में शामिल हो गया है, जहां धर्मांतरण विरोधी कानून पहले से लागू हैं.

16 साल बाद आपदा प्रबंधन कर्मियों की सैलरी दोगुनी, जेल में अप्राकृतिक मौत पर 7.5 लाख मुआवजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने 16 साल बाद दिल्ली राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (DSDMA) के कर्मचारियों के मानदेय में 100 फीसदी तक बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। इस आदेश के तहत ष्ठस्ष्ठ्रूमें काम कर रहे प्रोजेक्ट ऑफिसर, डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट ऑफिसर और प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर के मानदेय में 100 फीसदी तक इजाफा होगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि साल 2009 के बाद पहली बार इन कर्मचारियों के मानदेय में बदलाव किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि साल 2009 में सयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के सहयोग से इन पदों की शुरुआत हुई थी। तब से प्रोजेक्ट ऑफिसर और डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट ऑफिसर का मासिक मानदेय 25 हजार रुपये, जबकि प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर का 20 हजार रुपये था। इस दौरान महंगाई बढ़ी, जिम्मेदारियां बढ़ीं लेकिन मानदेय में कोई बदलाव नहीं किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में समान जिम्मेदारियां निभाने वाले अधिकारियों को करीब 45 से 50 हजार रुपये या उससे अधिक मानदेय मिलता है। सरकार के कई विभागों में भी समान स्तर के संविदा पदों की सैलरी इससे अधिक है। ऐसे में DSDMA कर्मचारियों का मानदेय बढ़ाना जरूरी था। सरकार का मकसद केवल मानदेय बढ़ाना नहीं बल्कि दिल्ली की आपदा प्रबंधन व्यवस्था को आधुनिक और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार बनाना है। 2009 के बाद पहली बार बदलाव, नए सैलरी सिस्टम को सरकार की मंजूरी 100' तक की बढ़ोतरी दिल्ली सरकार ने सैलरी में की है इसका मकसद आपदा प्रबंधन को मजबूत करनाः CM समान लेवल के संविदा पदों की सैलरी इनसे थी अधिक मुख्यमंत्री के अनुसार ये कर्मचारी आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत जरूरी जिम्मेदारियां निभाते हैं। इनमें जिला आपदा प्रबंधन योजना तैयार करना, जोखिम का आकलन करना, संवेदनशील इलाकों की पहचान करना, विभागों के बीच तालमेल बैठाना शामिल है। ये ट्रेनिंग प्रोग्राम और मॉक ड्रिल भी कराते हैं। सरकारी अस्पतालों की व्यवस्थाओं का जमीनी हाल जानने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मयूर विहार फेज-2 स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने अधिकारियों की रिपोर्ट पर भरोसा करने के बजाय सीधे मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर इलाज, दवाइयों और अस्पताल की सुविधाओं का फीडबैक लिया। दिल्ली सरकार ने राजधानी की जेलों में हिरासत के दौरान होने वाली अप्राकृतिक मौत के मामलों में कैदी के निकटतम परिजन या कानूनी वारिस को मुआवजा देने की योजना लागू कर दी है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकी, Delhi के कारोबारी के बेटे से मांगे 3 करोड़ रुपये

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। गांधी नगर इलाके में कपड़े के कारोबारी के बेटे से लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम लेकर 3 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। रंगदारी नहीं देने पर कारोबारी के बेटे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित की शिकायत पर गांधी नगर थाना पुलिस ने 28 जुलाई को मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी की पहचान और तलाश में जुटी है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं हो सका है कि धमकी देने वाला असल में लॉरेंस गैंग से जुड़ा है या उसके नाम का इस्तेमाल कर रहा है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, 20 साल के लक्ष्य गर्ग मॉडल टाउन इलाके में रहते हैं। उनके पिता का मॉडल टाउन और गांधी नगर में कपड़ों का कारोबार है। लक्ष्य ने पुलिस को बताया कि 1 जुलाई की सुबह एक शख्स ने कॉल कर खुद को अनिल पंडित बताते हुए अगले दिन में 3 करोड़ नहीं देने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी। 2 घंटे बाद उसी नंबर से वॉयस मैसेज आया। इसमें अनिल पंडित ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से

होने का दावा किया।

पुलिस जांच में क्या सामने आया?

पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिस मोबाइल नंबर से कॉल और वॉयस मैसेज भेजे गए, उसकी जांच की जा रही है। अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि धमकी देने वाला व्यक्ति वास्तव में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा है या फिर गैंग के नाम का इस्तेमाल कर रंगदारी वसूलने की कोशिश कर रहा था। फिलहाल आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें काम कर रही हैं

'चोर के भाई को घंटी देना' दांता-हदद तालुका की आंगनवाड़ियों में THR बांटने में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

क्रम	લાભાર્થી	THR નો પ્રકાર વિશિષ્ટ પેકેટ	આપવામાં આવતા પેકેટ/ રાશનની સંખ્યા અને વજન
૧	૬ માસ થી ૩ વર્ષના સામાન્ય બાળકો	બાલ શક્તિ	૭ પેકેટ (૧ પેકેટનું વજન ૧૦૦ ગ્રામ)
૨	૬ માસથી ૩ વર્ષના અતિ કુપોષિત બાળકો	બાલ શક્તિ	૧૦ પેકેટ (૧ પેકેટનું વજન ૧૦૦ ગ્રામ)
૩	૩ વર્ષથી ૬ વર્ષના અતિ કુપોષિત બાળકો	બાલ શક્તિ	૪ પેકેટ (૧ પેકેટનું વજન ૧૦૦ ગ્રામ)
૪	સગર્ભા માતા	માતૃ શક્તિ	૪ પેકેટ (૧ પેકેટનું વજન ૧ કિલો)
૫	ધાત્રી માતા	માતૃ શક્તિ	૪ પેકેટ (૧ પેકેટનું વજન ૧ કિલો)
૬	૧૧ થી ૧૪ વર્ષની શાળાએ ન જતી કિશોરી	પુષ્ટી શક્તિ	૪ પેકેટ (૧ પેકેટનું વજન ૧ કિલો)
૭	૧૫ થી ૧૮ વર્ષની શાળાએ જતી, ન જતી કિશોરી	પુષ્ટી શક્તિ	૪ પેકેટ (૧ પેકેટનું વજન ૧ કિલો)

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। 'कुपोषण मुक्त गुजरात' और 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के बड़े-बड़े दावे करती है। कागजों पर बच्चों के पोषण के लिए करोड़ों रुपये भी दिखाए जाते हैं। लेकिन बनासकांठा जिले के दांता और हदद तालुका की आंगनवाड़ियों में बिल्कुल उलटी तस्वीर सामने आई है। 6 महीने से 6 साल के बच्चों, गर्भवती और दूध पिलाने वाली माताओं और 11 से 18 साल के किशोरों के लिए सरकार द्वारा दिए जाने वाले 'टेक होम राशन के बांटने में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी, भ्रष्टाचार और सेटिंग के गंभीर आरोप लगे हैं। सरकारी नियमों के मुताबिक, हर लाभार्थी को हर महीने THR मिलना ज़रूरी है लेकिन स्थानीय लोगों और माता-पिता के आरोपों के मुताबिक, पिछले कई सालों से दांता-हदद तालुका की ज़्यादातर आंगनवाड़ियों में, खासकर दूर-दराज के इलाकों में, यह राशन बच्चों तक नहीं पहुंचा है। कागज़ पर 100' राशन बांटा जाता है, लेकिन असल में लाभार्थियों को आधे पैकेट भी नहीं मिलते। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि कुछ समय पहले, सतलासना के अंधरिया के पास एक गाड़ी आंगनवाड़ी का सामान बेचते हुए पकड़ी गई थी। उस समय जो आदमी उसे तोड़ने आया था, उसी को अब THR बांटने की ज़िम्मेदारी दी गई है। इसे ही लोग 'चोर के भाई को घंटी' कहते हैं। आंगनवाड़ियों को खोजने के लिए अधिकारियों की एक लाइन मीडिया में आ गई है। क्या यही हमारा 'करप्शन-फ्री गुजरात' है?

कॉमनवेल्थ जीतने वाले एथलीट नई पीढ़ी को प्रेरित करेंगे: खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया

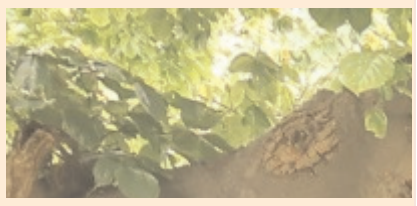

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने सोमवार को ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के भारत के वेटलिफ्टिंग मेडल विजेताओं को सम्मानित किया, और उनके ऐतिहासिक प्रदर्शन की तारीफ़ की। भारतीय वेटलिफ्टरों ने 11 वेट कैटेगरी में हिस्सा लिया और आठ मेडल जीते - एक गोल्ड, छह सिल्वर और एक ब्रॉन्ज़। भारतीय दल ने कई कॉमनवेल्थ गेम्स और कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड बनाए, जबकि कुछ एथलीटों ने पर्सनल बेस्ट लिफ्ट भी हासिल कीं। मिनिस्टर ने कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार कामयाबी के लिए गोल्ड मेडलिस्ट को ?30 लाख, सिल्वर मेडलिस्ट को ?20 लाख और ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट को ?10 लाख का कैश अवॉर्ड दिया। इन गेम्स में इंडियन वेटलिफ्टर्स ने देश में सबसे मज़बूत कैंपेन में से एक दिखाया। लिफ्टर्स को बधाई देते हुए, डॉ. मंडाविया ने कहा कि पूरे देश ने उनकी कामयाबी का जश्न मनाया है। उन्होंने कहा, 'यहां तक कि पार्लियामेंट में भी, जब भी आपने मेडल जीता, अनाउंसमेंट की गई। उन पलों ने हर इंडियन को गर्व महसूस कराया। मिनिस्टर ने सोमवार को सम्मान समारोह में मौजूद द्रोणाचार्य अवॉर्डी विजय शर्मा समेत कोचों को दिल से श्रद्धांजलि दी और चैंपियन बनाने में उनकी ज़रूरी भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने आगे कहा, 'एक एथलीट के सफ़र में एक गुरु सबसे बड़ा रोल निभाता है। एक चैंपियन बनाने में कोच के योगदान से बड़ा कुछ नहीं है।' ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई चानू ने लगातार तीन कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली इंडियन वेटलिफ्टर बनकर इतिहास रच दिया, जबकि ऋषिकांत सिंह और वल्लूरी अजय बाबू ने स्नैच में नए कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड बनाए। ज्ञानेश्वरी यादव और हरजिंदर कौर समेत कई लिफ्टर्स ने पर्सनल बेस्ट रिकॉर्ड बनाए। मुकाबला कर रहे 11 वेटलिफ्टर्स में से छह खेलो इंडिया एथलीट हैं। मेडलिस्ट में ज्ञानेश्वरी खेलो इंडिया एथलीट हैं, जबकि बिंदियारानी देवी, हरजिंदर और दूसरे पटियाला में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ट्रेनिंग लेते हैं, जो इंडिया के ग्रासरूट और एलीट एथलीट डेवलपमेंट इकोसिस्टम की सफलता में अहम भूमिका निभाता है। एथलीट्स से स्पोर्ट्स का एंबेसडर बनने की अपील करते हुए, मिनिस्टर ने वेटलिफ्टर्स से स्कूल और कॉलेज जाकर युवाओं को स्पोर्ट्स अपनाने के लिए इंस्पायर करने की भी रिक्वेस्ट की। उन्होंने कहा, 'आपकी कहानियां हजारों बच्चों को बड़े सपने देखने के लिए इंस्पायर कर सकती हैं। हम सब मिलकर एक सच्चा स्पोर्ट्स-लविंग देश बनाने की दिशा में अहम कदम उठा रहे हैं।' डॉ. मंडाविया ने वेटलिफ्टर्स से उनके संघर्षों, पोडियम तक के सफर और भविष्य के कॉम्पिटिशन, खासकर एशियन गेम्स 2026 के लिए उनकी उम्मीदों के बारे में बात की। एथलीटों ने मुश्किलों से उबरने, नेशनल कोचिंग कैंप, इंटरनेशनल एक्सपोजर और साइंटिफिक ट्रेनिंग से मिले सपोर्ट और देश को गर्व महसूस कराते रहने के अपने पक्के इरादे की कहानियां शेयर कीं। जो एथलीट पोडियम पर जगह बनाने से चूक गए थे, उन्हें संबोधित करते हुए, डॉ. मंडाविया ने उन्हें हिम्मत न हारने के लिए हिम्मत दी। 'एक खिलाड़ी सच में कभी हारता नहीं है। बेहतर होते रहने का जोश ज़रूरी है। मेरा मानना ??है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आशीर्वाद और 140 करोड़ भारतीयों का सपोर्ट हमेशा आपके साथ है। भारतीय खेलों के लिए सरकार के लंबे समय के विजन पर रोशनी डालते हुए, डॉ. मंडाविया ने कहा कि खेलो इंडिया जैसी साइंटिफिक सपोर्ट और कॉम्पिटिटिव एक्सपोजर देता है।

दिल्ली के बाद अब झारखंड में जंतर-मंतर जैसी लामबंदी

छात्रों का अनिश्चितकालीन अनशन और मशाल जुलूस

रांची (एजेंसी)। दिल्ली में भले ही छात्र आंदोलन शांत हो गया हो, लेकिन झारखंड की राजधानी रांची में छात्रों का गुस्सा अब जंतर-मंतर जैसी लामबंदी का रूप ले चुका है। कचहरी चौक स्थित जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में भारी संख्या में छात्र-छात्राएं एकजुट हो रहे हैं। जेपीएससी और जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच के बैनर तले जारी इस आंदोलन को सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। सोनम वांगचुक के अनशन की तर्ज पर अब छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने अपनी मांगों के समर्थन में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है।

रविवार को दिनभर चले प्रदर्शन के बाद शाम को बड़ी संख्या में छात्रों ने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक विशाल मशाल जुलूस निकाला। प्रदर्शनकारी छात्र हाथों में मशालें थामे और शरीर पर बैनर-पोस्टर चिपकाए हुए थे। पूरे रास्ते छात्रों

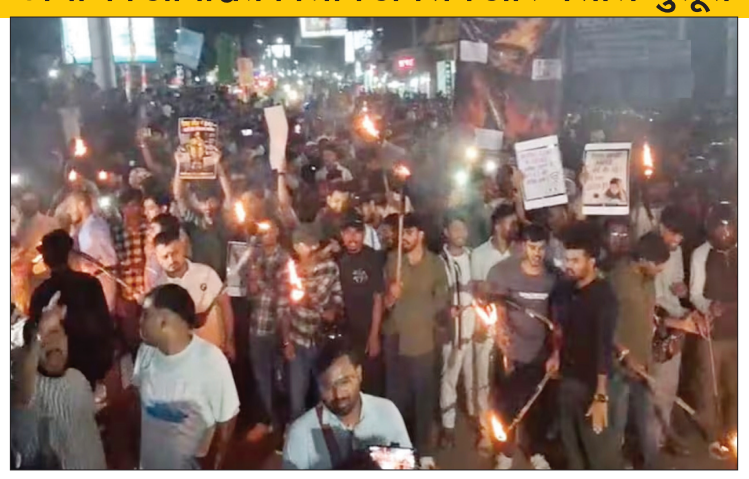

ने परीक्षाओं में हो रही धांधली के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। छात्रों का सीधा आरोप है कि राज्य सरकार लंबे समय से पेपर लीक और परीक्षा घोटालों के संवेदनशील मुद्दों पर गंभीरता नहीं दिखा रही है। छात्रों की मुख्य मांग है कि जिन जेएसएससी परीक्षाओं पर अनियमितता और गड़बड़ी के आरोप लगे हैं, उन्हें तत्काल रद्द किया जाए। इसके अलावा टीडीपीएल कंपनी, अभय तिवारी और विवादित एजेंसियों से जुड़े परीक्षा मामलों की निष्पक्ष सीबीआई जांच कराई जाए। साथ ही 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा को रद्द कर पूरी चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। सत्याग्रह के नौवें दिन अनशन पर बैठे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि विवादित 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम जारी हुए एक महीना बीत चुका है, लेकिन सरकार की ओर से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इससे अभ्यर्थियों में निराशा और आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्र हितों को लेकर राज्य सरकार की मंशा में खोट है। देवेंद्र ने स्पष्ट किया कि जब तक सभी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक यह सत्याग्रह और भूख हड़ताल जारी रहेगी।

हिंदू संगठन ने सांसद पप्पू यादव का पुतला फूंका, सदस्यता खत्म करने की मांग

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के पुतले फूंके गए। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। संगठन ने संसद परिसर में साधु-संतों और सनातन धर्म का अपमान करने का आरोप लगाते हुए उनकी सदस्यता खत्म करने और गिरफ्तारी की मांग की। इस मांग को लेकर डीएम के जरिए ज्ञापन सौंपा जाएगा। संगठन ने चेतावनी दी कि कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि पप्पू यादव ने भगवान राम की तस्वीर और सनातन का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि संगठन डीएम को ज्ञापन देने के साथ जल्द ही थाने में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कराने की मांग करेगा।

दो साल बाद सार्वजनिक रूप से सामने आएंगी शेख हसीना

-5 अगस्त को वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस को करेंगी संबोधित

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना लगभग दो साल के लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर सार्वजनिक रूप से दुनिया के सामने आने जा रही हैं। वह 5 अगस्त 2026 को नई दिल्ली स्थित फॉरेन कॉरेस्पॉन्डेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया के सर मार्क टुली ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाली एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगी। यह कार्यक्रम शाम 6 बजे से 7:30 बजे तक चलेगा और इसे क्लब के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लाइव प्रसारित किया जाएगा। यह तारीख इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि ठीक दो साल पहले, 5 अगस्त 2024 को देशव्यापी हिंसक छात्र आंदोलन के बीच उन्हें बांग्लादेश छोड़कर भारत शरण लेनी पड़ी थी।

इस बहुप्रतीक्षित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शेख हसीना द्वारा अगस्त 2024 के छात्र आंदोलन, अपनी सरकार के पतन और बांग्लादेश के मौजूदा राजनीतिक हालात पर खुलकर विचार व्यक्त करने की संभावना है। इसके साथ ही वह वर्तमान बांग्लादेश सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना कर सकती हैं। सूत्रों के अनुसार, शेख हसीना दिसंबर 2026 के आसपास अपनी स्वेच्छा से बांग्लादेश वापस लौटने की भावी योजनाओं का खुलासा कर सकती हैं, जहाँ वह अदालत के समक्ष प्रस्तुत होकर अपनी पार्टी अवामी लीग पर लगाए गए प्रतिबंधों को कानूनी रूप से चुनौती देने की रणनीति साझा करेंगी।

उल्लेखनीय है कि 5 अगस्त 2024 को लाखों प्रदर्शनकारियों द्वारा प्रधानमंत्री आवास का घेराव करने के बाद सैन्य सलाह पर इस्तीफा देकर शेख हसीना अपनी बहन शेख रेहाना के साथ सैन्य विमान से गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पहुंची थीं और तब से वे भारत में कड़ी सुरक्षा के बीच रह रही हैं। इस बीच, बांग्लादेश के युद्ध अपराध न्यायाधिकरण ने नवंबर 2025 में छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा के मामले में उनकी अनुपस्थिति में उन्हें मौत की सजा सुनाई थी, जिसे शेख हसीना ने पूरी तरह असंवैधानिक और राजनीति से प्रेरित करार देकर खारिज कर दिया है। बांग्लादेश सरकार द्वारा भारत से उनके प्रत्यर्पण की मांग भी की गई है, जिस पर भारतीय विदेश मंत्रालय द्विपक्षीय कानूनी संधियों के तहत समीक्षा कर रहा है। दो साल के मौन के बाद होने जा रही शेख हसीना की इस पहली सार्वजनिक उपस्थिति और प्रेस कॉन्फ्रेंस पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय यह देखने के लिए उत्सुक है कि वह बांग्लादेश के मौजूदा राजनीतिक संकट, अपनी स्वदेश वापसी और अपने भावी राजनीतिक कदमों को लेकर क्या नया संदेश देती हैं।

राजनीति नहीं, गांव की सेवा करना चाहते हैं अभिजीत दीपके

विधायक या सांसद बनने का नहीं है लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में हाल ही में हुए विशाल छात्र आंदोलन की अगुवाई करने वाले अभिजीत दीपके ने स्पष्ट किया है कि उनकी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं है और वे किसी मुख्यधारा की राजनीति में शामिल नहीं होना चाहते। हालांकि, वे अपने गृह गांव के विकास के लिए जमीनी स्तर पर काम करने के इच्छुक हैं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब देश के बड़े नेता और मंत्री उनसे लगातार मुलाकात करने पहुंच रहे हैं। अमेरिका में अपनी पढ़ाई के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की शुरुआत करने वाले दीपके का कहना है कि अगर उन्हें राजनीति करनी होती तो वे उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका नहीं जाते।

अभिजीत दीपके महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में स्थित अपने गांव सांतुक पिंपरी के सरपंच बनकर गांव की सूरत बदलना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि

वे हर साल गर्मियों में दो-तीन महीने अपने गांव में बिताते हैं। अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद उन्होंने देखा कि उनके रिश्तेदारों के बच्चे आज भी टूटे-फूट स्कूलों में बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। इसी स्थिति को बदलने के लिए वे अपने गांव में बेहतर स्कूल, सड़कें, नालियां और एक आधुनिक अस्पताल बनवाना चाहते हैं। भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करते हुए सीजेपी के संस्थापक दीपके ने बताया कि वे और उनके वॉलंटियर्स का समूह मिलकर एक पॉलिटिकल प्रेशर ग्रुप (राजनीतिक दबाव समूह) की तरह काम करेगा। उनका मानना है कि लोकतंत्र में जितने ज्यादा दबाव समूह होंगे, जनता के मुद्दों को उतनी ही मजबूती मिलेगी। वे चाहते हैं कि समय के साथ नए युवा सामने आएं और जनहित के आंदोलनों को आगे बढ़ाएं।

इस बीच, दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में एक महीने तक चले आंदोलन के बाद संगठन अब अपनी अगली रणनीति तय करने में जुट गया है। आगामी 5 अगस्त को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित दीपके के आवास पर सीजेपी के प्रमुख सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। इस बैठक में देशभर के कार्यकर्ताओं और विद्यार्थियों से मिले सुझावों पर गहन मंथन किया जाएगा। बैठक के बाद आयोजित होने वाली प्रेसवार्ता में संगठन की भविष्य की कार्ययोजना और आगे की रणनीति की औपचारिक घोषणा की जाएगी।

तमिलनाडु सरकार ने कर्नाटक सीएम डीके शिवकुमार पर साधा निशाना

-कावेरी जल विवाद पर बातचीत टली

चेन्नई (एजेंसी)। कावेरी जल विवाद को लेकर तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच सीधी बातचीत के जरिए समाधान की कोशिश अब तीखी राजनीतिक बहसबाजी में बदल गई है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय द्वारा कर्नाटक के साथ सीधे संवाद की पहल टलने के बाद, तमिलनाडु सरकार के वरिष्ठ मंत्री और प्रमुख प्रवक्ता आर निर्मल कुमार ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि डीके शिवकुमार अपनी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व की सुनने के बजाय तमिलनाडु के मुख्य विपक्षी दल डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन के इशारों पर काम कर रहे हैं।

पत्रकारों से बातचीत में निर्मल कुमार ने कहा कि अगर स्टालिन या उनका परिवार कुछ कहता है, तो कर्नाटक के मुख्यमंत्री उसे तुरंत मान लेते हैं, क्योंकि दोनों के बीच का रिश्ता बेहद मजबूत है।

मंत्री का यह बयान सरकार का आधिकारिक रुख माना जा रहा है। इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि तमिलनाडु सरकार अब आपसी बातचीत को विकल्प नहीं मान रही है और कावेरी जल विवाद का निपटारा एक बार फिर अदालतों तथा ट्रिब्यूनल के फैसलों पर ही निर्भर रहेगा। दरअसल, पिछले हफ्ते मुख्यमंत्री विजय ने कावेरी मुद्दे पर शिवकुमार से मुलाकात की पेशकश की थी। हालांकि, कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के आदेशों के खिलाफ कर्नाटक में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद यह प्रस्तावित बैठक स्थगित कर दी गई। टीवीके के रणनीतिकारों का मानना है कि बातचीत की इस पहल से सरकार को कोई राजनीतिक फायदा नहीं हुआ, इसलिए अब सॉफ्ट अप्रोच छोड़कर आक्रामक रुख अपनाने का फैसला किया गया है। निर्मल कुमार ने मुख्य विपक्षी दलों डीएमके और एआईएडीएमके की नीयत पर भी सवाल उठाते हुए पूछा कि बीते 5 वर्षों में सत्ता में रहते हुए डीएमके ने कावेरी मुद्दे पर प्रभावी कानूनी कदम क्यों नहीं उठाए।

क्या है विवाद?

कावेरी नदी के जल बंटवारे की शर्तें दोनों राज्यों के बीच पहले से तय हैं, लेकिन कम बारिश के कारण उत्पन्न जल संकट की वजह से कर्नाटक तय हिस्से का पानी छोड़ने में असमर्थता जता रहा है। इसके अलावा, कर्नाटक सरकार मेकेदातू में बेंगलुरु के लिए पेयजल आपूर्ति हेतु विशाल बांध बनाना चाहती है। तमिलनाडु इस परियोजना का कड़ा विरोध कर रहा है, क्योंकि उसका मानना है कि बांध बनने से नदी के निचले हिस्से में पानी का प्रवाह कर्नाटक के नियंत्रण में आ जाएगा, जिससे तमिलनाडु के डेल्टा क्षेत्र के लाखों किसानों की आजीविका और खेती पूरी तरह तबाह हो जाएगी।

सपा का राम मंदिर चढ़ावा, नीट लीक और अन्य मुद्दों पर जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले सोमवार को मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायकों और विधान परिषद सदस्यों ने विधान भवन परिसर में जमकर हंगामा किया। सपा ने अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक सहित कई गंभीर मुद्दों पर योगी सरकार की घेराबंदी की।

विधानसभा में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के सामने बड़ी संख्या में सपा सदस्यों ने तख्तियां, बैनर और पोस्टर लेकर अपना विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान, सपा सदस्यों ने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी, बीते दस वर्षों में 26 हजार से अधिक सरकारी विद्यालयों को बंद करने, नीट पेपर लीक, बिगड़ती कानून-व्यवस्था और विभिन्न जनसरोकारों से जुड़े मुद्दे उठाए। कुछ सदस्यों ने विरोध के प्रतीकात्मक रूप से अपने सिर पर 'चंदा पेटिका' लिखे दानपात्र भी रखे थे।

सपा विधायक रागिनी सोनकर ने आरोप लगाया कि बीजेपी की ''डबल इंजन'' सरकार ने प्रदेश में 26 हजार से अधिक सरकारी विद्यालय बंद किए हैं, जिससे 18 हजार बेटियों को अपनी पढ़ाई

छोड़नी पड़ी है। उन्होंने भाजपा पर केवल ''जुमलेबाजी'' करने और लोगों की आस्था से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। सपा विधायक अतुल प्रधान ने भाजपा पर राम मंदिर चढ़ावे की चोरी जैसा ''पाप'' करने का आरोप लगाकर कहा कि एसआईटी रिपोर्ट सौंपे जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। सिर पर दानपात्र रखे प्रधान ने कहा, ''आज हम यहां चंदा चोरों के खिलाफ अभियान लेकर आए हैं।'' इस दौरान ''चंदा चोरों, गद्दी छोड़ो'' के नारे लगाए गए।

सपा सदस्य कमाल अख्तर ने बेरोजगारी, लगातार प्रश्नपत्र लीक होने, किसानों को खाद न मिलने, राज्य में बाढ़ के गंभीर हालात और बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं जैसे मुद्दों को उठाया। उन्होंने सरकार पर जनता और विपक्ष के सवालों से बचने के लिए सत्र की अवधि कम करने का आरोप लगाया। तीन से छह अगस्त तक चलने वाले इस सत्र को आगामी विधानसभा चुनावों से पहले संभवतः अंतिम सत्र माना जा रहा है, जिसमें सरकार चार अगस्त को पहला अनुपूरक बजट प्रस्तुत करेगी।

छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल की कार्रवाई पर स्पष्टीकरण दें अमित शाह

-'इंडिया' गठबंधन की बैठक के बाद खड़गे ने एक्स पर पोस्ट कर कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को संसद में आकर प्रदर्शनकारी छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर स्पष्टीकरण देना चाहिए। खड़गे ने यह भी कहा कि पीएम मोदी को बताना चाहिए कि राम मंदिर में चढ़ावे की ''चोरी'' कैसे हुई। खड़गे ने संसद भवन स्थित अपने कक्ष में 'इंडिया' गठबंधन में शामिल दलों के नेताओं की बैठक के बाद एक्स पर पोस्ट किया, ''मोदी सरकार को 'इंडिया' को जवाब देना होगा। मीडिय रिपोर्ट के मुताबिक गृह मंत्री संसद में आएं और छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल की कार्रवाई पर स्पष्टीकरण दें। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी यह बताएं कि राम मंदिर को

श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाया गया चंदा और चढ़ावा कैसे चोरी हो गया, जबकि ट्रस्ट प्रधानमंत्री की निगरानी में था। विपक्ष बीते 20 जुलाई को प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री से संसद में बयान देने की मांग कर रहा है। विपक्ष ने इस मुद्दे पर अमित शाह के इस्तीफे की भी मांग की है। विपक्षी दलों की बैठक में खड़गे के अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश और के सी वेणुगोपाल, सपा सांसद धर्मेंद्र यादव, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और सागरिका घोष, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सुप्रिया सुले, शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत और अरविंद सावंत, झारखंड मुक्ति मोर्चा की महुआ माजी, माकपा के जॉन ब्रिटास और कई अन्य नेता शामिल हुए।

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की सुरक्षा बढ़ी, अब बुलेटप्रूफ वाहन का करेंगे इस्तेमाल

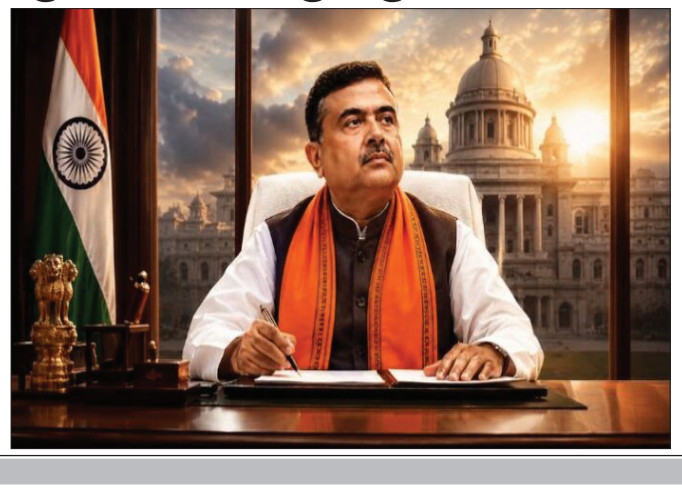

-जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े दो संदिग्धों की गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

-मुख्यमंत्री की गतिविधियों से जुड़े दस्तावेज बरामद होने का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से कथित खतरे की सूचना और हाल ही में हुई गिरफ्तारियों के बाद मुख्यमंत्री ने बुलेटप्रूफ वाहन का नियमित रूप से उपयोग शुरू कर दिया है। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट में पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) से जुड़े सूत्रों के हवाले से सामने आई है।

एसटीएफ ने हाल ही में जैश-ए-मोहम्मद से कथित रूप से जुड़े संदिग्ध हमीम मंडल और उसकी सहयोगी अर्पिता सरकार को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, दोनों के पाकिस्तान स्थित कथित आतंकी-अपराधी नेटवर्क शहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीएन) से भी संबंध होने की बात सामने आई है। हमीम मंडल को पूर्वी बर्दवान जिले के बर्दवान शहर से गिरफ्तार किया गया था। जांच के दौरान उसके पास से मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के दैनिक कार्यक्रम और आवाजाही से जुड़े कुछ दस्तावेज मिलने का दावा किया गया है, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां और अधिक सतर्क हो गई हैं।

सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री ने रविवार शाम से नई बुलेटप्रूफ गाड़ी का उपयोग शुरू कर दिया। उन्होंने पूर्वी मिदनापुर जिले के कांथी स्थित अपने पैतृक निवास से कोलकाता तक की यात्रा इसी वाहन से की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस वर्ष की शुरुआत में मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद से ही उनके काफिले में एक बुलेटप्रूफ वाहन शामिल कर दिया गया था। हालांकि, मुख्यमंत्री आम लोगों से सहज संपर्क बनाए रखने के उद्देश्य से सामान्य वाहन में यात्रा करना अधिक पसंद करते थे। लेकिन मौजूदा सुरक्षा परिस्थितियों और संभावित खतरे को देखते हुए अधिकारियों ने उन्हें बुलेटप्रूफ वाहन का नियमित उपयोग करने की सलाह दी है।

गौरतलब है कि 6 मई को मुख्यमंत्री के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमलावरों ने उनकी कार को रोककर नजदीक से फायरिंग की थी, जिसमें उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अतिरिक्त एहतियाती कदम उठाने की सिफारिश की थी।

ऑनलाइन धोखाधड़ी का मामला, एसबीआई को 1.64 लाख लौटाने का आदेश

चंडीगढ।

पंजाब के एक उपभोक्ता आयोग ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को एक ग्राहक के खाते से हुए अनधिकृत ऑनलाइन लेनदेन के 1.64 लाख रुपये वापस करने का आदेश दिया है। ग्राहक ने तुरंत धोखाधड़ी की जानकारी बैंक शाखा, एसबीआई हेल्पलाइन, नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल और पुलिस को दी थी, लेकिन बैंक ने राशि वापस नहीं की। मामला उपभोक्ता आयोग पहुंचने पर, कमीशन ने बार-बार अनुरोध के बावजूद मामले को हल न करने को सेवा में कमी माना। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि उसने कभी अपनी कोई गोपनीय जानकारी साझा नहीं की। बैंक ने ग्राहक की लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि लेनदेन उसके यूजरनेम, पासवर्ड और ओटीपी के बिना संभव नहीं था। मगर, आयोग ने पाया कि एसबीआई ग्राहक की लापरवाही साबित करने के लिए कोई ठोस तकनीकी साक्ष्य (जैसे सर्वर लॉग या फोरेंसिक रिपोर्ट) पेश नहीं कर सका। भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों का हवाला देते हुए, आयोग ने स्पष्ट किया कि यदि ग्राहक अनधिकृत लेनदेन की समय पर सूचना देता है, तो ग्राहक की लापरवाही साबित करने की जिम्मेदारी बैंक की होती है।

वन मोबिक्विक सिस्टम्स ने पहली तिमाही में दर्ज किया 7.6 करोड़ का लाभ

नई दिल्ली ।

वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन मोबिक्विक सिस्टम्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 7.6 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी को 419.2 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में परिचालन आय 3.7 प्रतिशत बढ़कर 281.48 करोड़ रुपये हो गई जो एक वर्ष पहले की समान अवधि में 271.36 करोड़ रुपये थी। तिमाही आधार पर कंपनी का लाभ 73.7 प्रतिशत बढ़ा जबकि राजस्व 2.5 प्रतिशत घटा। मोबिक्विक के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे इस बात की पुष्टि करते हैं कि लाभप्रदता हमारे कारोबारी मॉडल का अभिन्न हिस्सा है। लगातार तीन तिमाहियों

सेबी के प्रतिबंध से जी एंटरटेनमेंट के शेयर 13 फीसदी लुढ़के

मानद चेयरमैन सुभाष चंद्रा व एमडी पुनीत गोयनका एक साल के लिए प्रतिबंधित

नई दिल्ली ।

जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जेडईईएल) के शेयरों में सोमवार को 13 प्रतिशत तक की भारी गिरावट दर्ज की गई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा कंपनी और उसके शीर्ष अधिकारियों पर प्रतिभूति बाजार में प्रतिबंध लगाने के बाद यह गिरावट आई। सेबी ने हैदराबाद स्थित कंपनी की जमीन को एस्सेल समूह के ऋणों के लिए अनधिकृत रूप से गिरवी रखने के मामले में यह कार्रवाई की है। नियामक ने जेडईईएल पर दो महीने, जबकि मानद चेयरमैन सुभाष चंद्रा और प्रबंध निदेशक व सीईओ पुनीत गोयनका पर एक साल के लिए प्रतिभूति बाजार में कारोबार करने से प्रतिबंधित कर दिया है। इस प्रतिबंध की खबर के बाद सोमवार को बीएसई में कंपनी का शेयर 13 प्रतिशत टूटकर 100.40 रुपये पर आ गया, वहीं एनएसई पर भी इसमें 12.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 100.37 रुपये पर कारोबार हुआ। सेबी ने अपने 150 पृष्ठ के अंतिम आदेश में यह भी कहा कि इन पर कुल 1.48 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। यह कार्रवाई कंपनी के भीतर कॉर्पोरेट गवर्नेंस में कथित अनियमितताओं को लेकर हुई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 544, निफ्टी 390 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी बढ़ने से आई है। इसके अलावा पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीद और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 544.39 अंक बढ़कर 78,639.03 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 390.70 अंक की तेजी के साथ ही 24,774.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में सबसे ज्यादा उछाल इंडिगो, इन्फोसिस और टीसीएस के शेयरों में रहा। वहीं व्यापक बाज़ार में, निफ्ट मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर भी तेजी के साथ बंद हुए। क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी आईटी, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई, जबकि निफ्टी मीडिया के शेयर गिरे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि ईरान के साथ

बातचीत सोमवार को शुरू होगी। इससे भी कच्चे तेल की कीमतें गिरीं है जिससे भी बाजार में उत्साह का माहौल है। वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 586.57 अंकों की बढ़त के साथ 78,681.21 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी भी 161.40 अंक फीसदी चढ़कर 24,545.00 पर कारोबार कर रहा था।

रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.28 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह पहले कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में 31 पैसे की मजबूती के साथ 95.12 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर हमले टालने के फैसले के बाद डॉलर के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश, देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के समर्थन से भी स्थानीय मुद्रा को मजबूती मिली। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 95.15 पर खुला। बाद में 95.12 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 31 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में बढ़त में रहा और सात पैसे मजबूत होकर 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत टूटकर 99.74 पर रहा।

वेदांत का 20,000 करोड़ कर्ज घटाने और 10 अरब डॉलर एबिटा का लक्ष्य

जून तिमाही के रिकॉर्ड प्रदर्शन के बाद शीर्ष नेतृत्व का बढ़ा आत्मविश्वास

नई दिल्ली।

धातु और खनन क्षेत्र की दिग्गज वेदांत समूह ने वित्त वर्ष 2026-27 तक 10 अरब डॉलर एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई) हासिल करने और चालू वित्त वर्ष में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक कर्ज घटाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। कंपनी के शीर्ष नेतृत्व ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया कि जून तिमाही के रिकॉर्ड प्रदर्शन के बाद यह अनुमान निरंतर वृद्धि के प्रति उसके बढ़ते आत्मविश्वास को दर्शाता है। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी के अनुसार ऋण घटाने की प्रक्रिया तेज हुई है; जून तिमाही में वेदांत रिसोर्सेज लिमिटेड (वीआरएल) ने 1.1 अरब डॉलर का ऋण कम किया। उधारी के पुनर्वित्तपोषण से फंडिंग लागत में 280 आधार अंकों की कमी आई, जिससे सालाना ब्याज पर 1,000 करोड़ रुपए से अधिक की बचत होगी। यह प्रदर्शन उच्च उत्पादन, कम परिचालन लागत और मजबूत ब्रेंट क्रूड व एलएमई कीमतों जैसी अनुकूल व्यापक आर्थिक परिस्थितियों का परिणाम है।

एचडीएफसी बैंक ने महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए लॉन्च किए दो नए सेविंग्स अकाउंट

मैक्स फॉर हर और मैक्स फॉर सीनियर्स में साइबर कवर, हेल्थ बेनिफिट्स और प्रीमियम बैंकिंग सुविधाएं

मुंबई।

एचडीएफसी बैंक ने महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए दो नए सेविंग्स अकाउंट वेरिएंट मैक्स फॉर हर और मैक्स फॉर सीनियर्स लॉन्च किए हैं। बैंक ने इन्हें अपने सेविंग्स मैक्स अकाउंट पोर्टफोलियो के तहत पेश किया है। दोनों अकाउंट्स में साइबर सुरक्षा, बीमा, हेल्थ और लाइफस्टाइल से जुड़े विशेष लाभ दिए गए हैं।

मैक्स फॉर सीनियर्स में 25 हजार रुपये तक का साइबर इंश्योरेंस, एफडी पर 0.5 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज, ऑटो स्वीप सुविधा, डोरस्टेप बैंकिंग, एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस, हेल्थ चेकअप, लाइफस्टाइल वाउचर और डेबिट कार्ड पर 3.19 करोड़ रुपये तक का व्यक्तिगत दुर्घटना मृत्यु कवर मिलेगा। वहीं मैक्स फॉर हर में ऑटो स्वीप सुविधा, एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस, 10 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा, लॉकर शुल्क में 50 प्रतिशत तक की छूट तथा डेबिट कार्ड पर 3.19 करोड़ रुपये तक का व्यक्तिगत दुर्घटना मृत्यु कवर शामिल है।

बैंक के ग्रुप हेड आशीष पार्थसारथी ने कहा कि बदलती जीवनशैली और ग्राहकों की जरूरतों को देखते हुए बैंक विशेष ग्राहक वर्गों के लिए अनुकूलित बैंकिंग समाधान विकसित कर रहा है। नए उत्पाद सुरक्षा, सुविधा और दीर्घकालिक वित्तीय संरक्षण को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

पीआईबी के अनुसार, वर्ष 2036 तक देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या 23 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं कुल बैंक खातों में करीब 39.2 प्रतिशत महिलाओं के नाम हैं और जमा राशि में उनकी हिस्सेदारी 39.7 प्रतिशत है। इन्हीं बदलते रुझानों को देखते हुए बैंक ने दोनों नए अकाउंट पेश किए हैं।

कॉफी मशीन्स ने सेडना होरेका से जुटाए 50 करोड़, विस्तार की तैयारी

- उत्पाद पोर्टफोलियो, विनिर्माण और सेवा ढांचे के विस्तार पर होगा खर्च

नई दिल्ली।

कॉफी उपकरण और सेवा प्रदाता कंपनी कॉपी मशीन्स ने अपने इक्विटी दौर में बिजनेस-टु-बिजनेस होरेका (होटल, रेस्तरां और कैफे/कैटरिंग) समाधान प्रदाता सेडना होरेका से 50 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई है। यह कॉपी मशीन्स के लिए बाहरी निवेशकों से जुटाई गई पहली फंडिंग है, जो अब तक प्रवर्तकों के निवेश पर निर्भर थी।

कंपनी इस रकम का उपयोग अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करने, विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने और अपनी प्रौद्योगिकी, वेयरहाउसिंग तथा सेवा के ढांचे में सुधार करने की योजना बना रही है। कॉपी मशीन्स के ग्राहकों में बड़ी कैफे श्रृंखलाएं, होटल, खुदरा विक्रेता और कॉफी वेंडिंग कारोबार शामिल हैं। उसके कुछ प्रमुख ग्राहकों में स्टारबक्स, ब्लू टोकाई, मैकडॉनल्ड्स, अराकु, बर्गर किंग और बूजी के साथ-साथ आईटीसी होटल्स तथा ओबेरॉय जैसे अतिथि-सत्कार क्षेत्र के बड़े ब्रांड शामिल हैं। कापी मशीन्स के एक अ धिकारी ने बताया कि, 'हमने ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय कॉफी उपकरणों के आयातक के रूप में शुरुआत की थी, जब भारतीय कॉफी एक व्यापारिक फसल से उपभोक्ता उत्पाद में बदल रही थी और कैफे संस्कृति उभर रही थी।

हमने वैश्विक स्तर पर अग्रणी कंपनियों के साथ साझेदारी की ताकि भारत में उच्च गुणवत्ता वाले कॉफी उपकरण ला सकें, उन्हें स्थापित कर सकें और बिक्री बाद उत्कृष्ट सेवा प्रदान कर सकें। यह निवेश कंपनी को भारतीय कॉफी बाजार में अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत करने में मदद करेगा।

पर्सिस्टेंट सिस्टम्स का पहली तिमाही में मुनाफा 13.7 प्रतिशत बढ़कर 483 करोड़

नई दिल्ली ।

पुणे स्थित आईटी सेवा प्रदाता पर्सिस्टेंट सिस्टम्स ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में शानदार वित्तीय नतीजे पेश किए हैं। कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 13.67 प्रतिशत बढ़कर 483.04 करोड़ रुपये हो गया, जबकि परिचालन आय में 29 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जो 4,303.22 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। यह वृद्धि मुख्य रूप से 1.15 अरब डॉलर के रिकॉर्ड तिमाही कुल अनुबंध मूल्य (टीसीवी) और बड़े ग्राहकों के साथ रणनीतिक साझेदारियों से समर्थित थी। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 424.93 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ और 3,333.58 करोड़ रुपये की परिचालन आय दर्ज की थी। हालांकि, तिमाही-दर-तिमाही आधार पर, विदेशी मुद्रा विनिमय नुकसान के कारण शुद्ध लाभ 8.7 प्रतिशत घटा, जबकि राजस्व में छह प्रतिशत की वृद्धि हुई। कंपनी ने कहा कि इस प्रदर्शन को 1.15 अरब अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड तिमाही टीसीवी से बल मिला, जिसमें एक अग्रणी वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी के साथ 65 करोड़ डॉलर से अधिक का साढ़े छह वर्ष का रणनीतिक सेवा समझौता भी शामिल है। सॉफ्टवेयर, हाई-टेक और उभरते उद्योग क्षेत्र 40.7 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े राजस्व योगदानकर्ता बने रहे, जिसमें सालाना 15.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र की हिस्सेदारी 34 प्रतिशत रही और इसमें 16.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 30 जून 2026 तक कंपनी में कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 28,640 हो गई।

घरेलू ईवी ट्रक उद्योग सशक्त बनाने की तैयारी, आयात शुल्क 40 फीसदी करने का प्रस्ताव

सियाम ने विदेशी इलेक्ट्रिक प्राइम मूवर्स के बढ़ते आयात पर जताई चिंता

नई दिल्ली ।

घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और विदेशी उत्पादों की डंपिंग रोकने के उद्देश्य से, भारी उद्योग मंत्रालय ने वित्त मंत्रालय से ट्रक-ट्रैक्टरों पर आयात शुल्क को मौजूदा 10 प्रतिशत से चार गुना बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने का अनुरोध किया है।

सोसाइटी ऑफ ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरस (सायम) ने विशेष रूप से इलेक्ट्रिक ट्रक-ट्रैक्टरों के बढ़ते आयात पर गहरी चिंता व्यक्त की है, जिसे विदेशी ब्रांडों द्वारा बाजार में कम शुल्क का दुरुपयोग बताया जा रहा है।

सियाम ने पिछले साल 28 नवंबर को भारी उद्योग मंत्रालय को भेजे पत्र में बताया था कि वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में चीन से 400 और यूरोप से 100 इलेक्ट्रिक ट्रक का आयात किया गया। सियाम का कहना है कि मौजूदा 10 फीसदी आयात शुल्क विदेशी इलेक्ट्रिक ट्रक निर्माताओं को उनके भारतीय प्रतिस्पर्धियों पर 40-50 फीसदी का मूल्य लाभ दे रहा है।

उद्योग निकाय ने चेतावनी दी है कि यदि यह शुल्क जारी रहता है, तो 2027 तक आयातित इलेक्ट्रिक प्राइम मूवर्स की संख्या 1,000-3,000 इकाई तक बढ़ सकती है, जो भारतीय बाजार का 20-25 फीसदी हिस्सा हो सकता है।

भारत सरकार प्रधानमंत्री इलेक्ट्रिक ड्राइव रेवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना के तहत घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन दे रही है। ब्लू एनर्जी मोटर्स, मोंट्रा इलेक्ट्रिक, टाटा मोटर्स और अशोक लीलैंड जैसे प्रमुख खिलाड़ियों ने इलेक्ट्रिक प्राइम मूवर्स के विकास और विनिर्माण में भारी निवेश किया है। सायम ने भारतीय निर्माताओं के इस निवेश की सुरक्षा के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों और शुल्क वृद्धि की आवश्यकता पर बल दिया है ताकि विदेशी ब्रांड बिना किसी ठोस परिचालन के सस्ते आयातित इकाइयों से भारतीय बाजार में प्रवेश न कर सकें।

कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट

ब्रेंट 4 फीसदी से ज्यादा और डब्ल्यूटीआई 5 फीसदी से ज्यादा

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच सोमवार को वैश्विक कच्चे तेल बाजार को बड़ी राहत मिली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर प्रस्तावित बड़े सैन्य हमले को टालने और बातचीत का रास्ता चुनने के फैसले के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। इस कदम से पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और तेल आपूर्ति पर मंडरा रहा खतरा टलने की उम्मीद जगी, जिसके चलते ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई क्रूड दोनों में 4 से 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। सोमवार को बाजार खुलने के साथ ही ब्रेंट क्रूड 4 फीसदी से ज्यादा गिरकर 84 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 5 फीसदी से ज्यादा टूटकर 81 डॉलर प्रति बैरल के नीचे कारोबार करने लगा। ट्रंप ने कहा कि सऊदी अरब सहित कई सहयोगी देशों ने सैन्य कार्रवाई के बजाय बातचीत को प्राथमिकता देने की अपील की थी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने पर जल्द प्रगति होती है, तो कूटनीतिक प्रयास जारी रहेंगे। इस खबर ने बाजार में यह उम्मीद जगाई कि पश्चिम एशिया में तनाव कम हो सकता है और वैश्विक तेल आपूर्ति पर खतरा भी टलेगा, जिसके परिणामस्वरूप कीमतों में तेज गिरावट आई। हालांकि, बाजार में अभी भी उतार-चढ़ाव बना हुआ है। जुलाई में ब्रेंट क्रूड में करीब 25 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई थी, जो बड़े मासिक उतार-चढ़ाव का संकेत है। तेल की कीमतों में शुरुआती गिरावट के बाद कुछ रिकवरी भी दिखी, जिसकी वजह ओमान के तट के पास हुए एक तेल टैंकर विस्फोट की खबर रही। यह घटना बताती है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास सुरक्षा चिंताएं अभी भी बरकरार हैं, जो दुनिया की लगभग 20 फीसदी कच्चे तेल और एलएनजी आपूर्ति का महत्वपूर्ण मार्ग है। इस बीच ओपेक के प्रमुख देशों ने उत्पादन बढ़ाने की अपनी योजना को आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी है, जिससे भविष्य में वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति बढ़ सकती है। वहीं इराक और तुर्की ने भी अपनी तेल पाइपलाइन समझौते को एक साल के लिए बढ़ाया है, जिससे प्रतिदिन करीब 7.5 लाख बैरल तेल का निर्यात संभव होगा। ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े नए शिपिंग रूट पर बातचीत भी अंतिम चरण में है, जो क्षेत्र में तनाव कम करने के कूटनीतिक प्रयासों को बल दे रही है।

यूपीआई सुरक्षा घेरा हुआ मजबूत, संदिग्ध पेमेंट पर आएगा हां/नहीं अलर्ट

बढ़ते ऑनलाइन फ्रॉड के बीच बैंकों ने आरबीआई और एनपीसीआई को सुझाया नया सुरक्षा तंत्र

नई दिल्ली ।

भारत में तेजी से बढ़ते यूपीआई साइबर फ्रॉड पर लगाम कसने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। बैंकों ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के सामने यूपीआई पेमेंट के लिए एक नया सुरक्षा मॉडल प्रस्तावित किया है। इस मॉडल के तहत, संदिग्ध या हाई-रिस्क ट्रांजैक्शन पर यूजर्स को हां या नहीं का कंफर्मेशन अलर्ट मिलेगा, जिससे अनजाने में होने वाले धोखे को रोका जा सकेगा। वर्तमान में, करोड़ों लोग हर दिन यूपीआई के जरिए डिजिटल पेमेंट कर रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही ऑनलाइन ठगी, फर्जी कस्टमर केयर कॉल और नकली रिफंड स्कैम जैसे साइबर फ्रॉड के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए बैंकों ने एक नया सुरक्षा मॉडल सुझाया है। प्रस्तावित सिस्टम के अनुसार, यदि कोई यूपीआई ट्रांजैक्शन संदिग्ध पाया जाता है, तो पेमेंट पूरा होने से पहले ग्राहक की स्क्रीन पर हां/नहीं का अलर्ट दिखाई देगा। हाँ चुनने पर पेमेंट आगे बढ़ेगा, जबकि नहीं दबाने पर ट्रांजैक्शन रद्द हो जाएगा। यदि यूजर कोई प्रतिक्रिया नहीं देता है, तो पेमेंट तुरंत क्रेडिट होने के बजाय कुछ समय बाद पूरा हो सकता है। यह नया नियम हर पेमेंट पर लागू नहीं होगा, बल्कि केवल उन्हीं ट्रांजैक्शन पर दिखेगा जिनमें असामान्य गतिविधि, जैसे देर रात बड़ा पेमेंट, पहली बार किसी नए व्यक्ति को पैसा भेजना या हाल ही में खुले खाते में ट्रांसफर करना, शामिल हो। बैंकों ने कुछ ट्रांजैक्शन में एक घंटे की देरी वाले आरबीआई के सुझाव पर भी अपनी चिंता जताई है, उनका मानना है कि इससे डिजिटल पेमेंट की गति धीमी हो सकती है। हालांकि, 10,000 रुपये से अधिक के हर लेनदेन पर अलर्ट दिखाने के बजाय, बैंक केवल संदिग्ध मामलों पर ही इसे लागू करने के पक्ष में हैं।

एमएंडएम वित्त वर्ष 27 तक बढ़ाएगी मासिक ईवी उत्पादन क्षमता

चाकण और नागपुर में नए प्लांट, ब्रोकरेज ने दिया बाय का कॉल

नई दिल्ली।

महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) इलेक्ट्रिक वाहनों के बाजार में एक मजबूत पकड़ बनाने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारी कर रही है। कंपनी सिर्फ नई गाड़ियां लॉन्च करने तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपनी उत्पादन क्षमता, प्लांट और तकनीकी प्लेटफॉर्म पर भारी निवेश कर रही है। यह रणनीति ब्रोकरेज हाउसेस को भी पसंद आ रही है, जो एमएंडएम के ईवी कारोबार को कंपनी की अगली बड़ी ग्रोथ ड्राइवर मान रहे हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा इलेक्ट्रिक गाड़ियों के बाजार में लंबी रेस का घोड़ा बनने को तैयार है। कंपनी का फोकस केवल नए इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल लॉन्च करने पर ही नहीं है, बल्कि वह अपनी फैक्ट्री की क्षमता बढ़ाने, नए प्लांट तैयार करने और आने वाले सालों की मांग को ध्यान में रखकर भारी निवेश कर रही है। यही वजह है कि ब्रोकरेज फर्म्स मान रहे हैं कि एमएंडएम ्का इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कारोबार आने वाले समय में कंपनी की कमाई और समग्र ग्रोथ दोनों को नई रफ्तार दे सकता है। एमएंडएम का कहना है कि उसे अपने इलेक्ट्रिक वाहनों, विशेषकर एक्सईवी 9एस के लिए बाजार से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है। जून तिमाही में एमएंडएम की इलेक्ट्रिक एसयूवी की बाजार हिस्सेदारी 12 फीसदी रही, जो पूरे उद्योग के औसत 9 फीसदी से कहीं बेहतर प्रदर्शन है। इसी भरोसे के दम पर कंपनी अब अपने ईवी पोर्टफोलियो को और मजबूत करने में जुटी है। वर्तमान में एमएंडएम हर महीने लगभग 64,500 एसयूवी बना सकती है, जिसमें 8,000 इलेक्ट्रिक एसयूवी शामिल हैं।

कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 के आखिर तक कुल क्षमता बढ़ाकर 82,000 यूनिट प्रति महीना करना है। इसमें इलेक्ट्रिक एसयूवी की क्षमता बढ़कर 12,000 यूनिट प्रति महीना हो जाएगी। इसके बाद वित्त वर्ष 28 में चाकण प्लांट में हर महीने 10,000 यूनिट की अतिरिक्त क्षमता जोड़ी जाएगी। भविष्य में, नागपुर में एक नया ग्रीनफील्ड प्लांट भी वित्त वर्ष 30 और 31 में दो चरणों में बड़ी क्षमता जोड़ेगा, जिससे नए इलेक्ट्रिक मॉडल का उत्पादन बढ़ाना आसान होगा।

कंपनी ने बताया है कि उसके आगामी नए मॉडल एनयू-आईक्यू प्लेटफॉर्म पर आधारित होंगे, जिसके जरिए एमएंडएम उन सेगमेंट में भी प्रवेश करेगी जहां अभी उसकी मौजूदगी कम है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने एमएंडएम के शेयर पर बाय रेटिंग बरकरार रखते हुए 4,100 रुपए का टारगेट दिया है।

ब्रोकरेज का मानना है कि मजबूत एसयूवी मांग और बढ़ती उत्पादन क्षमता आगे ग्रोथ को सहारा देगी, हालांकि कच्चे माल की बढ़ती कीमतें और ईवी अपनाने की धीमी रफ्तार कुछ चुनौतियां पेश कर सकती हैं।

डस्की स्किन वाली महिलाओं जरूर ट्राई करें ये मेकअप हैक्स, बढ़ जाएगी चेहरे की खूबसूरती

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनका इस्तेमाल करने से आप आसानी से डस्की स्किन को खूबसूरत बना सकती हैं। हम आपको डस्की स्किन पर मेकअप करने के लिए आप कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

हर महिला खूबसूरत दिखना चाहती हैं, जिसके लिए वह काफी प्रयास भी करती हैं। डस्की स्किन को खूबसूरत बनाने के लिए महिलाएं महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। अगर आपकी स्किन भी डस्की है, तो आप भी अपने चेहरे को खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए मेकअप करती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनका इस्तेमाल करने से आप आसानी से डस्की स्किन को खूबसूरत बना सकती हैं। हम आपको डस्की स्किन पर मेकअप करने के लिए आप कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

सही फाउंडेशन

मेकअप करने से पहले सही फाउंडेशन का चुनाव करना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में आप ऑरेंज या ब्राउन टोन फाउंडेशन का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह डस्की स्किन के लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है।

कोरल शेड ब्लश

डस्की स्किन वाली लड़कियां कोरल शेड ब्लश का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह इस स्किन टोन वाली लड़कियों के लिए फायदेमंद हो सकता है। वहीं आंखों का मेकअप करने के लिए आप ब्लैक कलर के लाइनर का यूज कर सकती हैं। वहीं आप आईशैडो भी लाइट कलर को चुनें।

वॉर्म टोन लिपस्टिक

अगर आप लिपस्टिक के कलर को चुनने में कंफ्यूज हो रही हैं, तो डस्की स्किन वाली लड़कियां वॉर्म टोन वाली लिपस्टिक चुन सकती हैं। यह शेड्स आपके चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने में सहायता करते हैं।

न्यूड शेड कंपैक्ट पाउडर

मेकअप के समय जब भी आप कंपैक्ट पाउडर का इस्तेमाल करें, तो इसका शेड न्यूड ही रखें। यह कंपैक्ट पाउडर मेकअप को खास बनाने में मदद करेगा। डस्की स्किन वाली लड़कियों के लिए यह मेकअप टिप्स बहुत काम आएंगे।

रात में सोने से पहले चेहरे पर लगाएं एलोवेरा जेल, त्वचा को मिलेंगे ये जबरदस्त फायदे

दादी-नानी के जमाने से एलोवेरा जेल को त्वचा के लिए फायदेमंद माना जाता रहा है। आइए एलोवेरा जेल लगाने के कुछ कमाल के स्किन बेनिफिट्स के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

त्वचा के लिए फायदेमंद एलोवेरा जेल

क्या आप जानते हैं कि एलोवेरा जेल त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं से छुटकारा दिलाने में कारगर साबित हो सकता है? अगर आप सही तरीके से एलोवेरा जेल को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करते हैं, तो आप अपनी स्किन को फ्लॉलेस बना सकते हैं। हर रोज रात में सोने से पहले फेस वॉश कीजिए और फिर साफ चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाइए। महज कुछ ही हफ्तों के अंदर आपको खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर दिखाई देने लगेगा।

सुधारे चेहरे की रंगत

एलोवेरा जेल में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी त्वचा की डीप क्लीनिंग करने में मददगार साबित हो सकते हैं। हर रोज एलोवेरा जेल यूज करने से त्वचा की रंगत काफी हद तक सुधर सकती है। अगर आप अपनी डल स्किन से छुटकारा पाना चाहते हैं और अपनी स्किन को ग्लोइंग बनाना चाहते हैं, तो हर रोज एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करना शुरू कर दीजिए।

दूर हो जाएंगे दाग-धब्बे

क्या आपके चेहरे पर अक्सर दाग-धब्बे या फिर मुंहासे निकल आते हैं? अगर हां, तो आपको अपने स्किन केयर रूटीन में एलोवेरा जेल को जरूर शामिल करना चाहिए। औषधीय गुणों से भरपूर एलोवेरा जेल दाग-धब्बे और मुंहासे की समस्या को दूर करने में असरदार साबित हो सकता है। इसके अलावा एलोवेरा जेल टैनिंग की समस्या से छुटकारा दिलाने में भी कारगर साबित हो सकता है।

त्वचा के लिए वरदान

रेगुलरली एलोवेरा जेल यूज करके झुर्रियों और फाइन लाइन्स को कम किया जा सकता है। जलन और खुजली जैसी स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स से छुटकारा पाने के लिए भी एलोवेरा जेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। एलोवेरा जेल में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट्स समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है, जो आपकी त्वचा के लिए वरदान साबित हो सकती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए ध्यान रहे कि एलोवेरा जेल फ्रेश और केमिकल फ्री होना चाहिए।

दीवार और छत की काई हटाने का आसान तरीका, ये 4 घरेलू नुस्खे हैं फायदेमंद

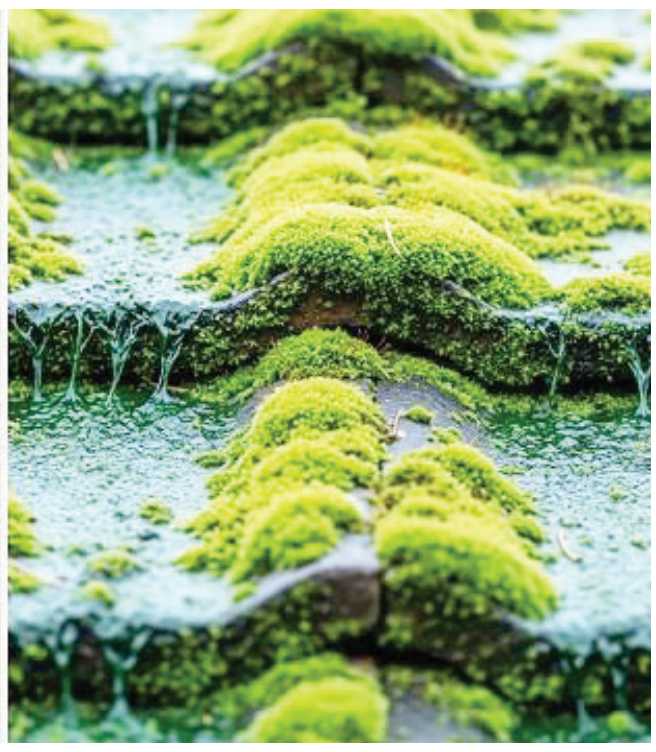

जब बारिश का मौसम आता है तो ठंडी हवा और हरियाली से हर कोई खुश हो जाता है। बारिश की वजह से वातावरण में सुकून और ताजगी भी महसूस होती है। लेकिन कुछ ही दिनों में यही बारिश कई तरह की परेशानियां लेकर आती है। उन परेशानियों में से एक बड़ी समस्या है घर की दीवारों और छतों पर काई लगना। हरे रंग की काई न केवल देखने में खराब लगती है, बल्कि दीवारों को नुकसान भी पहुंचाती है। इसके अलावा काई फिसलन भरी होती है, जिससे गिरने का खतरा भी बढ़ जाता है। अक्सर लोग इस समस्या से निजात पाने के लिए नींबू और नमक का देसी नुस्खा इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इसके अलावा भी कुछ और घरेलू उपाय हैं जिनकी मदद से आप घर की दीवारों और छतों की काई आसानी से साफ कर सकते हैं।

नींबू और नमक का देसी नुस्खा

नींबू और नमक का पेस्ट बनाना बहुत आसान है। सबसे पहले एक कटोरे में नींबू का रस लें और उसमें नमक डालकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सीधे काई वाली जगह पर अच्छी तरह लगाएं। इसे 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें ताकि नींबू का एसिड और नमक का खुरदुरापन काई को ढीला कर सके। अब एक कड़े ब्रश या स्क्रबर की मदद से अच्छी तरह रगड़कर काई को साफ करें। इसके बाद पानी से धो लें। यह तरीका बहुत प्रभावी होता है क्योंकि नींबू का एसिड और नमक मिलकर काई को हटाने में मदद करते हैं।

बेकिंग सोडा और विनेगर का पेस्ट

अगर आप कोई और तरीका अपनाना चाहते हैं तो बेकिंग सोडा और विनेगर का पेस्ट भी बहुत अच्छा काम करता है। इसके लिए बेकिंग सोडा और विनेगर को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। यह पेस्ट लगाने पर झाग बनेगा, जो सामान्य है। इसे काई वाली जगह पर 30 मिनट से 1 घंटे तक लगा रहने दें। फिर एक ब्रश की मदद से रगड़कर पानी से साफ कर लें। विनेगर में मौजूद एसिटिक एसिड और बेकिंग सोडा के क्षारीय गुण मिलकर काई को असरदार तरीके से हटाते हैं।

ब्लीच और पानी का घोल

ब्लीच काई और फंगस को मारने के लिए सबसे तेज़ और असरदार तरीका है। लेकिन इसका इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतनी बहुत जरूरी है। एक बाल्टी में 1 हिस्सा ब्लीच और 3-4 हिस्से पानी मिलाकर घोल तैयार करें। इसे स्प्रे की मदद से या ब्रश से काई वाली जगह पर लगाएं। 15-20 मिनट के बाद ब्रश से रगड़कर पानी से धो लें। ध्यान रखें कि ब्लीच लगाते समय दस्ताने और मास्क जरूर पहनें ताकि आपकी त्वचा और सांस सुरक्षित रहे।

टी ट्री ऑयल और पानी का स्प्रे

टी ट्री ऑयल एक प्राकृतिक एंटी-फंगल है, जो हल्की काई के लिए बहुत कारगर है। इसे इस्तेमाल करना भी बहुत आसान है। एक स्प्रे बोतल में एक कप पानी लें और उसमें 10-15 बूंदें टी ट्री ऑयल डालें। इसे अच्छी तरह मिलाएं और फिर इस मिश्रण को काई वाली जगह पर छिड़क दें। छिड़काव के बाद इसे सूखने दें। इस प्रक्रिया में रगड़ने या धोने की जरूरत नहीं होती। टी ट्री ऑयल धीरे-धीरे काई को बढ़ने से रोकता है और खत्म भी कर देता है।

डिटर्जेंट और गर्म पानी

अगर काई मामूली हो तो डिटर्जेंट और गर्म पानी का घोल भी एक आसान और असरदार उपाय है। एक बाल्टी में गर्म पानी लें और उसमें कोई भी लॉन्ड्री डिटर्जेंट या डिशवॉश लिक्विड डालकर घोल बनाएं। इस घोल को काई वाली जगह पर स्प्रे करें या ब्रश से लगाएं। 15-20 मिनट बाद ब्रश से रगड़कर साफ करें और फिर पानी से धो लें। डिटर्जेंट गंदगी और चिकनाई को ढीला करने में मदद करता है, जिससे काई आसानी से हट जाती है।

सावधानियां और सुझाव

काई साफ करते समय हमेशा दस्ताने पहनें ताकि हाथों को नुकसान न पहुंचे।

ब्लीच या विनेगर जैसे तेज़ रसायनों का इस्तेमाल खुली हवा में करें।

अगर दीवारें बहुत ज्यादा खराब हो गई हैं तो पेशेवर मदद लेना बेहतर होता है।

नियमित सफाई से भी काई लगने से बचाव हो सकता है।

बारिश के मौसम में काई की समस्या को नजरअंदाज न करें। ऊपर बताए गए ये घरेलू नुस्खे आजमाकर आप अपने घर की दीवारों और छत को साफ और सुरक्षित रख सकते हैं। इससे आपका घर सुंदर दिखेगा और गिरने-फिसलने का खतरा भी कम होगा।

अलसी है बालों के लिए बेहद फायदेमंद

एक साथ देती है कई फायदे, बस जान लें इस्तेमाल का सही तरीका

अगर आप तेज़ी से बाल बढ़ाना चाहते हैं, तो अलसी के बीज आपके लिए कमाल कर सकते हैं। इनमें विटामिन बी, मैग्नीशियम, मैंगनीज, सेलेनियम और ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं। ये सभी पोषक तत्व बालों को झड़ने से रोकते हैं और उन्हें बढ़ने में मदद करते हैं।

अलसी है बालों के लिए बेहद फायदेमंद

अगर आप तेज़ी से बाल बढ़ाना चाहते हैं, तो अलसी के बीज आपके लिए कमाल कर सकते हैं। इनमें विटामिन बी, मैग्नीशियम, मैंगनीज, सेलेनियम और ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं। ये सभी पोषक तत्व बालों को झड़ने से रोकते हैं और उन्हें बढ़ने में मदद करते हैं। सबसे खास बात, अलसी के बीजों से बना जेल बालों की कोशिकाओं को खोलकर उनके विकास को बढ़ावा देता है। आइए, जानते हैं इसके फ़ायदे और इसे बनाने का तरीका।

बालों के लिए अलसी के जेल के फ़ायदे

झड़ते बालों में फ़ायदेमंद : अलसी के बीज विटामिन ई का एक बड़ा स्रोत हैं, जो बालों के विकास में मदद करता है। इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण बालों को झड़ने से रोकते हैं और स्कैल्प को नुकसान से बचाते हैं।

बालों को पोषण देता है : अलसी ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर होती है। ये फैटी एसिड बालों के विकास को बढ़ावा देते हैं। सबसे पहले, ये फैटी एसिड बालों के रोमछिद्रों को पोषण देते हैं और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इससे बाल कम खराब होते हैं और स्वस्थ रहते हैं। पीएच स्तर को संतुलित रखता है : तेज़ी से बाल बढ़ाने के लिए स्कैल्प के पीएच स्तर को संतुलित रखना बहुत ज़रूरी है। अलसी का जेल इसमें आपकी मदद कर सकता है और स्कैल्प को शांत करता है। यह तेल बनाने वाली ग्रंथियों को प्रभावित करता है, जिससे सही मात्रा में तेल बनता है और बाल स्वस्थ रहते हैं। इससे बाल तेज़ी से बढ़ने लगते हैं।

अलसी का जेल कैसे बनाएं?

बालों के लिए अलसी का यह जेल आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। बस इन बातों का ध्यान रखें। एक बर्तन में 2 कप साफ़ पानी और आधा कप अलसी के बीज डालकर, गाढ़ा होने तक उबालें। जब यह गाढ़ा होने लगे, तो 1-2 टेबलस्पून नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। जब यह जेल जैसा दिखने लगे, तो आंच बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें। ठंडा होने पर यह और गाढ़ा हो जाएगा। ठंडा होने के बाद, आप इस जेल को एक कंटेनर में स्टोर कर सकते हैं। इस अलसी के हेयर जेल को बालों में लगाएं।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम का भारत दौरा

भारतीय मूल के नील पटेल को 16 सदस्यीय टीम में मिली जगह

नईदिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अगले महीने होने वाले भारत दौरे के लिए 16 सदस्यीय अंडर-19 पुरुष टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में भारतीय मूल के न्यू साउथ वेल्स के खिलाड़ी नील पटेल को भी शामिल किया गया है। यह टीम भारत के खिलाफ राजकोट और अहमदाबाद में पांच मैचों की मल्टी-फॉर्मेट सीरीज खेलेगी। न्यू साउथ वेल्स के रहने वाले नील पटेल यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट क्लब से खेलते हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के उभरते युवा खिलाड़ियों में गिना जाता है।

- **राजकोट और अहमदाबाद में खेले जाएंगे मैच** – यह दौरा चार सप्ताह तक चलेगा। इसमें ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत के खिलाफ तीन 50-ओवर के मैच और दो चार-दिवसीय मैच खेलेगी।ये मुकाबले 13 सितंबर से 9 अक्टूबर 2026 के बीच राजकोट और अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे। इस टीम का चयन यूथ नेशनल सिलेक्शन पैनल ने किया है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के सबसे होनहार युवा खिलाड़ियों को जगह दी गई है।
- **टिम नील्सन होंगे हेड कोच** – ऑस्ट्रेलियाई टीम के हेड कोच पूर्व क्रिकेटर टिम नील्सन होंगे। नील्सन फिलहाल डार्विन में बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन प्रोग्राम की देखरेख कर रहे हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की नेशनल डेवलपमेंट हेड सोन्या थॉम्पसन ने कहा कि यह दौरा युवा खिलाड़ियों के विकास के लिए एक बेहतरीन मौका है। उन्होंने कहा कि भारत की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में खेलने से खिलाड़ियों की तकनीकी और मानसिक क्षमता का परीक्षण होगा।टीम नील्सन फिलहाल डार्विन में बांग्लादेश के खिलाफ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन प्रोग्राम की देखरेख कर रहे हैं।
- **ऑस्ट्रेलियाई टीम में ये खिलाड़ी शामिल** – टीम में केसी बार्टन (तस्मानिया), हेडन बारबुलोविक (साउथ ऑस्ट्रेलिया), एली ब्रेन (क्वींसलैंड), विल बायरोम (न्यू साउथ वेल्स), ब्लेक कैटल (न्यू साउथ वेल्स), जैक जोस्नेक (विक्टोरिया), स्पेंसर ग्रीन (क्वींसलैंड), कॉनर ग्रेगरी (साउथ ऑस्ट्रेलिया), चार्ली हेंडरसन (क्वींसलैंड), जेड होलिक (वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया), मैथ्यू लॉफ (वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया), नील पटेल (न्यू साउथ वेल्स), जैकब पिट्ज (विक्टोरिया), पैट्रिक सुलिवन (विक्टोरिया), थियो त्सिंगोस (क्वींसलैंड) और थॉमस वासेओ (क्वींसलैंड) शामिल हैं।

टीम इंडिया की बढ़ती चोटों पर बीसीसीआई सख्त

सपोर्ट स्टाफ और हेड फिजियो की होगी समीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट टीम में लगातार बढ़ रही खिलाड़ियों की चोटों ने अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रीलंका टेस्ट सीरीज के बाद बोर्ड टीम इंडिया के मेडिकल और सपोर्ट स्टाफ की समीक्षा करेगा। खासतौर पर हेड फिजियो कमलेश जैन की भूमिका जांच के दायरे में है। कप्तान शुभमन गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर भी खिलाड़ियों की लगातार चोटों से संतुष्ट नहीं बताए जा रहे हैं।

लगातार चोटों ने बढ़ाई बीसीसीआई की चिंता– हाल के महीनों में टीम इंडिया के कई अहम खिलाड़ी चोटिल हुए हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण श्रीलंका दौरे से बाहर हो गए हैं। इससे पहले हर्षित राणा और नितीश कुमार रेड्डी भी चोट के चलते दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं।वहीं स्टार ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट से बाहर हैं और दूसरे टेस्ट में भी उनके खेलने पर संशय बना हुआ है। लगातार बढ़ती इन चोटों ने चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

बाय-बाय ग्लास्गो 2026

भारत को मिली कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी, सौंपी मिशाल

नीरज, पीटी ऊषा को ध्वज मिला, क्लोजिंग सेरेमनी में शंकर महादेवन, मानुषी छिल्लर की शानदार प्रस्तुति ग्लास्गो (स्कॉटलैंड): 11 दिनों तक चले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की रविवार को रंगारंग समाप्ति हो गई। इस इवेंट में भारत ने 39 मेडल के साथ ओवरऑल मेडल स्टैंडिंग में चौथा स्थान हासिल किया. बता दें, नई बॉक्सिंग चैंपियन बनी जैस्मिन लैम्बोरिया को क्लोजिंग सेरेमनी के लिए देश का फ्लैग-बेयरर बनाया गया।

जानकारी के मुताबिक अगले कॉमनवेल्थ गेम्स (2030) का शताब्दी संस्करण बनाया जाएगा, जिसकी मेजबानी भारत को सौंपी गई है. कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे. क्लोजिंग सेरेमनी के दौरान कॉमनवेल्थ गेम्स के आधिकारिक ध्वज और बैटन भारत को सौंपे गए हैं. इस दौरान भारत की तरफ से ओलंपिक गोल्ड मेडल विजेता नीरज चोपड़ा, भारतीय ओलंपिक संग की अध्यक्ष पीटी उषा और गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष सिंघवी मौजूद रहे।

भारत ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 122 खिलाड़ियों के ग्रुप से 13 गोल्ड, 17 ??सिल्वर और नौ ब्रॉन्ज मेडल जीते. यह चार साल पहले बर्मिंघम में मिली चौथी जगह की बराबरी है, जबकि इस बार उसने एक बहुत छोटे प्रोग्राम में हिस्सा लिया था, जिसमें कई ऐसे खेल शामिल नहीं थे जिनमें देश पारंपरिक रूप से मेडल जीतता है. भारत के मेडल की संख्या 2022 में बर्मिंघम में जीते गए 61 मेडल से कम थी, लेकिन हालात कुछ और ही कहानी बताते हैं. उनमें से तीस मेडल ऐसे खेलों में आए थे, जिन्हें ग्लासगो प्रोग्राम से हटा दिया गया था।

चार साल पहले 210 की तुलना में सिर्फ 122 एथलीट के साथ, भारत फिर भी अपना चौथा स्थान बनाए रखने में कामयाब रहा, जबकि मेडल कन्वर्जन रेट और भी बेहतर रहा, जिसमें 38 एथलीट मेडल के साथ घर लौटे. लंबी दूरी के रनर गुलवीर सिंह दो मेडल जीतने वाले अकेले भारतीय थे. ऑस्ट्रेलिया ने 70 गोल्ड मेडल समेत कुल 171 मेडल जीतकर गेम्स में अपना दबदबा बनाया, जबकि इंग्लैंड 110 मेडल के साथ दूसरे और कनाडा 62 मेडल के साथ तीसरे नंबर पर रहा. भारत 39 मेडल के साथ मेजबान स्कॉटलैंड के बराबर रहा, लेकिन ज्यादा गोल्ड मेडल जीतने की वजह से चौथे नंबर पर रहा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की रंगारंग समाप्ति

2030 कॉमनवेल्थ गेम्स अहमदाबाद में होंगे, जिससे ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत दूसरा ऐसा देश बन जाएगा जिसने एक से ज्यादा बार इस मल्टी-स्पोर्ट इवेंट की मेजबानी की है। भारत ने इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में ये गेम्स होस्ट किए थे. क्लोजिंग सेरेमनी स्कॉटलैंड की रिच कल्चरल हेरिटेज के सेलिब्रेशन के साथ शुरू हुई, जिसके बाद भारत की कल्चरल डायवर्सिटी और सदियों पुरानी परंपराओं का एक रंगीन शोकेस हुआ।
सेरेमनी की एक खास बात एक अनोखा इंडो-स्कॉटिश कल्चरल कोलैबोरेशन था, जिसमें दोनों देशों के म्यूजद्धशियन और डांसर एक जबरदस्त 'जुगलबंदी' के लिए एक साथ आए, जो ग्लासगो से अहमदाबाद बैटन के ट्रांसफर का प्रतीक था. सेरेमोनियल हैंडओवर पूरा होने के साथ, अब फोकस अहमदाबाद पर है, जो 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स के सौवें एडिशन को होस्ट करेगा।

आकिब नबी पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में

बुमराह की जगह श्रीलंका दौरे पर जाएंगे, टीम इंडिया में आने वाले जम्मू-कश्मीर के तीसरे प्लेयर

नईदिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में बड़ा बदलाव हुआ है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह आकिब नबी को टीम में शामिल किया गया है। नबी टीम इंडिया में चुने जाने वाले जम्मू-कश्मीर के सिर्फ तीसरे क्रिकेटर हैं। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी।

जसप्रीत बुमराह रविवार को टीम इंडिया से बाहर हो गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वे घुटने की चोट से नहीं उबर पाए हैं। टीम मैनेजमेंट और बीसीसीआई ने उनके लंबे करियर को देखते हुए कोई जोखिम नहीं लेने का फैसला किया है।

नबी टेस्ट टीम में चुने जाने वाले जम्मू-कश्मीर के पहले क्रिकेटर – 23 साल के आकिब नबी ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 में शानदार प्रदर्शन किया था। अब उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में मौका मिला है। वे टेस्ट टीम में चुने जाने वाले जम्मू कश्मीर के पहले क्रिकेटर हैं। वैसे, यहां के परवेज रसूल और उमरान मलिक भी भारतीय टीम में चुने जा चुके हैं लेकिन उन्हें सिर्फ वनडे और टी20 टीम में मौका मिला है।

दो रणजी सीजन में कुल 104 विकेट चटकाए – 29 साल आकिब ने 2025-26 रणजी ट्राफी में मात्र 10 मैचों में 60 विकेट लिए, जिनमें सात बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल है। पिछले दो रणजी सीजन में आकिब नबी ने कुल 104 विकेट लिए हैं। इनमें 2025-26 में 60 और पिछले सीजन में 44 विकेट शामिल हैं। इन आंकड़ों ने आकिब नबी का लाल गेंद क्रिकेट में देश के सबसे प्रभावशाली गेंदबाजों में शुमार कर दिया है।आकिब का नाकआउट मुकाबलों में प्रदर्शन विशेष रूप से शानदार रहा। आकिब ने क्वार्टरफाइनल में मध्य प्रदेश, सेमीफाइनल में बंगाल और फाइनल में कर्नाटक के विरुद्ध निर्णायक गेंदबाजी की। इन प्रदर्शनों ने न केवल जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्राफी का खिताब दिलाया बल्कि दबाव में उनके धैर्य को भी प्रदर्शित किया। बीसीसीआई ने टीम में बदलाव की पुष्टि की है। हालांकि, बोर्ड ने बुमराह को टीम से बाहर करने या आकिब नबी को शामिल करने का कारण नहीं बताया है।

हाल ही में इंडिया ए के साथ श्रीलंका दौरे पर थे नबी – आकिब नबी हाल ही में इंडिया ए टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर भी गए थे। वहां उन्होंने दो प्रथम श्रेणी मैचों में छह विकेट लिए थे।

वेस्टइंडीज ने पहले दिन बनाए 239/5

ग्रीव्स-चेज की नाबाद साझेदारी, पाकिस्तान के स्पिनर्स को मिली सफलता, पेसर्स रहे बेअसर

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच पोर्ट ऑफ स्पेन के क्वीन्स पार्क ओवल में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन मेजबान टीम ने मजबूत शुरुआत की। बारिश और खराब रोशनी से प्रभावित दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 5 विकेट पर 239 रन बनाए। जस्टिन ग्रीव्स अर्धशतक लगाकर नाबाद लौटे। उनके साथ कप्तान रोस्टन चेज भी क्रीज पर मौजूद हैं। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी हो चुकी है। पाकिस्तान की ओर से स्पिनरों ने शुरुआती सफलता दिलाई, लेकिन निचले क्रम ने टीम की वापसी नहीं होने दी।

अब्बास को बाहर रखने पर उठे सवाल, ओपनर्स ने दिलाई तेज शुरुआत – मैच से पहले पाकिस्तान ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास को प्लेइंग-11 में शामिल नहीं किया। इस फैसले पर पूर्व खिलाड़ियों और विशेषज्ञों ने सवाल उठाए।

वेस्टइंडीज के ओपनर्स ने इसका फायदा उठाते हुए 9.5 ओवर में 49 रन जोड़ दिए। हालांकि, बारिश से पहले आखिरी गेंद पर मोहम्मद अली ने तागेनरायन चंद्रपॉल को फाइन लेग पर कैच कराकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई।

बारिश के बाद स्पिनर्स ने बदला मैच का रुख – बारिश के बाद पिच से स्पिनरों को मदद मिलने लगी। कप्तान बाबर आजम ने अली उस्मान और साजिद खान को आक्रमण पर लगाया।अली उस्मान ने ब्रैंडन किंग को एलबीडब्ल्यू आउट कर टेस्ट करियर का पहला विकेट हासिल किया। इसके बाद साजिद खान ने कावेम हॉज को विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच कराया। दोनों फैसलों में पाकिस्तान ने सफल डीआरएस लिया। किंग ने 46 रन बनाए।

उबेद शाह को मिला पहला टेस्ट विकेट – शाई होप और अमिर जांगू ने चौथे विकेट के लिए तेजी से रन जोड़े और पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखा। होप ने कवर के ऊपर शानदार छक्का भी लगाया।इसके बाद डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज उबेद शाह ने अमिर जांगू को विकेटकीपर रिजवान के हाथों कैच कराकर टेस्ट क्रिकेट का पहला विकेट लिया। हालांकि, वह पूरे दिन महंगे साबित हुए।

ग्रीव्स और चेज ने पाकिस्तान की उम्मीदों पर फेरा पानी – चायकाल के बाद मोहम्मद अली ने शाई होप को बोल्ड कर पाकिस्तान को पांचवीं सफलता दिलाई। इसके बाद लगा कि पाकिस्तान जल्द पारी समेट सकता है, लेकिन जस्टिन ग्रीव्स और कप्तान रोस्टन चेज ने संभलकर बल्लेबाजी की।

ग्रीव्स ने शानदार अर्धशतक लगाया और चेज के साथ छठे विकेट के लिए 66 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम का स्कोर 239/5 तक पहुंचाया। पहले दो सत्र में असरदार दिखे पाकिस्तान के स्पिनर्स दिन के अंत तक पिच से कम मदद मिलने के कारण ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके।

धवन के ऑलराउंड प्रदर्शन से भारत ने पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हराया

लुसाका, ज़ाम्बिया (एजेंसी)। एशियन लीजेंड्स लीग में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए हाई-वोल्टेज मुकाबले में इंडियन रॉयल्स ने शानदार वापसी करते हुए पाकिस्तान पैंथर्स को दो विकेट से हरा दिया। 168 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने 17.3 ओवर में 8 विकेट खोकर 169 रन बनाए और रोमांचक जीत दर्ज की। इस जीत के सबसे बड़े हीरो ऋषि धवन रहे, जिन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने बनाए 167 रन – टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान पैंथर्स ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 167 रन बनाए। भारतीय गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में रन गति पर लगाम लगाई, जिससे पाकिस्तान बड़ा स्कोर नहीं बना सका। भारतीय टीम के सामने जीत के लिए 168 रन का लक्ष्य था।

44 रन पर 4 विकेट गिरने के बाद संकट में फंसी भारतीय टीम – लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडियन रॉयल्स की शुरुआत बेहद खराब रही। मोहम्मद इरफान ने नमन ओझा (4) को जल्दी पवेलियन भेज दिया। अभिषेक जलोटा ने 19 गेंदों में 30 रन की तेज पारी खेली, लेकिन उनके आउट होते ही भारतीय बल्लेबाजी लड़खड़ा गई।

30 अगस्त से शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग शुरू

मोहाली में खेलते दिखेंगे शुभमन गिल और अर्शदीप सिंह, 6 टीमों के बीच होंगे 27 मुकाबले

मोहाली (एजेंसी)। क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह समेत कई स्टार क्रिकेटर अब इसी महीने मोहाली के पीसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेलते नजर आएंगे। शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग का रविवार को भव्य आगाज हुआ। टूर्नामेंट 30 अगस्त से 13 सितंबर तक चलेगा।

पीसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) के सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर और अध्यक्ष अमरजीत सिंह महिता ने लीग का औपचारिक शुभारंभ किया। इस मौके पर भारतीय कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे।

9 अगस्त को होगी खिलाड़ियों की नीलामी– टूर्नामेंट में छह फ्रेंचाइजी टीमें कुल 27 मुकाबले खेलेंगी। क्रिकेट प्रेमियों को शुभमन गिल, अर्शदीप सिंह, अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह, गुरनूर बराड़ और रमनदीप सिंह जैसे स्टार खिलाड़ियों को एक्शन में देखने का मौका मिलेगा। खिलाड़ियों की नीलामी 9 अगस्त को होगी।

छह फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी – लीग में अमृतसर, फाजिल्का, जालंधर, लुधियाना, मोहाली और बठिंडा की छह फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी। प्रत्येक फ्रेंचाइजी के पास 45 लाख रुपए का पर्स होगा और वह अधिकतम 20 खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल कर सकेगी। मार्की खिलाड़ी की कीमत 10 लाख रुपए तय की गई है, जबकि आइकन खिलाड़ी की बेस प्राइस 1.50 लाख रुपए रखी गई है।

प्रथम श्रेणी, अंडर-23, अंडर-19 और जिला स्तर के खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग बेस प्राइस निर्धारित की गई है। पीसीए सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा कि यह लीग मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी सोच का परिणाम है।

इसका उद्देश्य पंजाब के घरेलू खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और पेशेवर माहौल में सीखने का अवसर देना है। कार्यक्रम के दौरान टूर्नामेंट का आधिकारिक लोगो लॉन्च किया गया। इस अवसर पर पीसीए के पदाधिकारियों ने फ्रेंचाइजी मालिकों और प्रमुख क्रिकेटरों को सम्मानित भी किया।

तीसरा गोल्ड जीतने वाली मीराबाई चानू ने केंद्रीय मंत्री से की मुलाकात, भेंट की साइन की हुई जर्सी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने के बाद भारतीय स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात की। इस दौरान मीराबाई और भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम के मुख्य कोच विजय शर्मा ने रिजिजू को पूरी भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम के खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली जर्सी भेंट की। किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, कॉमनवेल्थ गेम्स, ग्लासगो में शानदार जीत के बाद स्वागत है मीराबाई चानू। आपने एक बार फिर वेटलिफ्टिंग में गोल्ड मेडल जीतकर भारत का नाम रोशन किया। सभी वेटलिफ्टरों के हस्ताक्षर वाली टी-शर्ट भेंट करने के लिए धन्यवाद।

मीराबाई ने रचा इतिहास – टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने स्नैच में 85 किलोग्राम वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स रिकॉर्ड बनाया, जबकि क्लीन एंड जर्क में 105 किलोग्राम वजन उठाकर एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने लगातार तीसरी बार कॉमनवेल्थ गेम्स का गोल्ड मेडल जीतने का कारनामा किया।

चौथा सीडब्लयूजी पदक, लगातार तीसरा गोल्ड – मीराबाई के करियर का यह चौथा कॉमनवेल्थ गेम्स पदक है। उन्होंने 2014 ग्लासगो खेलों में रजत पदक जीता था, जबकि 2018 गोल्ड कोस्ट, 2022 बर्मिंघम और अब 2026 ग्लासगो में लगातार तीन स्वर्ण पदक अपने नाम किए। वह कॉमनवेल्थ गेम्स में लगातार तीन गोल्ड जीतने वाली दुनिया की पहली महिला वेटलिफ्टर भी बन गई हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत – ग्लासगो से लौटने के बाद रविवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मीराबाई चानू का जोरदार स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में प्रशंसक, परिवार के सदस्य और समर्थक उनका स्वागत करने पहुंचे।

प्रीति मेरे करियर का सबसे यादगार किरदार...

कुछ किरदार सिर्फ पर्दे पर नहीं रहते, कलाकार के भीतर भी बस जाते हैं। अभिनेत्री महिमा मकवाना के लिए 'मुसाफिर कैफे' की 'प्रीति' ऐसा ही किरदार रही। महिमा कहती हैं कि इस रोल ने उन्हें खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना सिखाया। बातचीत में उन्होंने अपने करियर, इंटीमेट सीन्स, टीवी से फिल्मों तक के सफर और मसूरी में अपने डॉग के नाम पर 'परिंदा कैफे' खोलने के सपने पर खुलकर बात की।

स्क्रिप्ट पढ़ते ही प्रीति के किरदार से हो गया था प्यार

महिमा कहती हैं कि 'मुसाफिर कैफे' की स्क्रिप्ट पढ़ते ही उन्हें लगा कि वह प्रीति का किरदार निभाना चाहती हैं। 'जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तभी मुझे लगा कि मुझे प्रीति ही बनना है। वह बहुत एस्पिरेशनल है। सोलो ट्रैवल करती है, अपने आसपास के लोगों को अपनापन महसूस कराती है, बहुत अच्छी लिस्नर है और बेहद इमोशनली इंटेलिजेंट है। अगर मुझे कभी असल जिंदगी में प्रीति मिले, तो मैं उससे दोस्ती जरूर करना चाहूंगी। वह ऐसी इंसान है, जो आपको रास्ता भी दिखाएगी और यह भी महसूस कराएगी कि आप अकेले नहीं हैं।'

इस किरदार ने मुझे खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना सिखाया

महिमा के लिए 'प्रीति' सिर्फ एक रोल नहीं रही। वह मानती हैं कि इस किरदार ने उनकी निजी जिंदगी पर भी असर डाला ..'मुझे पहले खुद को स्वीकार करना बहुत मुश्किल लगता था। आसपास का शोर और लोगों की बातें कहीं न कहीं असर करती थीं। लेकिन प्रीति ने मुझे खुद को एक्सेप्ट करना सिखाया। उसने मुझे खुद से प्यार करना सिखाया। मुझे एहसास हुआ कि जब तक आप खुद को आजादी नहीं देंगे... तब तक आप अपने आसपास के लोगों को भी आजादी महसूस नहीं करा पाएंगे। मेरे लिए इससे बड़ा गिफ्ट कोई नहीं हो सकता। मैं यह सिर्फ फिल्म प्रमोट करने के लिए नहीं कह रही हूं। मुझे सच में लगता है कि प्रीति मेरे करियर का सबसे यादगार किरदार रहेगी।'

25 की उम्र तक लगा था, जिंदगी के सारे जवाब मिल जाएंगे

जिंदगी और करियर के इस सफर ने महिमा का नजरिया भी बदला है। वह कहती हैं कि उम्र के साथ हर सवाल का जवाब नहीं मिलता, लेकिन सोच जरूर बदल जाती है 'मुझे लगता था कि 25-26 साल की उम्र तक सब कुछ समझ आ जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं होता। जिम्मेदारियां बढ़ती रहती हैं। जिंदगी में शोर हमेशा रहेगा। फर्क सिर्फ इतना है कि अब मैंने उसके बीच खुद को संभालना सीख लिया है। डर और इंसिक्योरिटी कई बार हमारे दिमाग में ऐसी कहानियां बना देते हैं, जो असल में होती ही नहीं हैं। इसलिए उन विचारों को ज्यादा ताकत नहीं देनी चाहिए। यह सुनने में थोड़ा फिलॉसॉफिकल लगता है, लेकिन यही मेरी रोज की प्रैक्टिस है।' 'मेडिटेशन ने मुझे जिंदगी के शोर से बाहर निकलना सिखाया'।

इंटीमेट सीन से नहीं, डायरेक्टर के नजरिए से फर्क पड़ता है

ओटीटी पर इंटीमेट सीन्स को लेकर चल रही बहस पर भी महिमा अपनी बात बेबाकी से रखती हैं 'मेरे पास ऐसे ऑफर्स आए हैं, जिनमें मैं सहज नहीं थी। लेकिन मैंने हमेशा खुद से पूछा कि क्या यह सीन कहानी के लिए जरूरी है? क्या इससे कहानी आगे बढ़ती है? अगर जवाब हां है, तभी मैं उसका हिस्सा बनना चाहूंगी। मेरे लिए स्क्रिप्ट से ज्यादा जरूरी डायरेक्टर का नजरिया है। हर फैसला आसान नहीं होता, लेकिन वही करना चाहिए, जिसमें आप सहज हों।'

एक जैसे किरदार नहीं करना चाहती, अच्छे काम को देती हूं प्राथमिकता

करियर के फैसलों को लेकर भी महिमा जल्दबाजी में यकीन नहीं रखतीं 'बहुत सारी चीजें हमारे कंट्रोल में नहीं होतीं। लेकिन मेरे फैसले हमेशा सोच-समझकर होते हैं। आखिर में मैं अपने इंस्टिंक्ट की सुनती हूं। मेरी क्लैरिटी बस इतनी है कि मुझे अच्छे लोगों के साथ अच्छा काम करना है। प्लेटफॉर्म मेरे लिए मायने नहीं रखता। अगर दर्शक आपसे जुड़ जाते हैं, तो वही सबसे बड़ी बात है। सीरीज 'शो टाइम' के बाद मेरे पास कई एक जैसे ऑफर आए, लेकिन मैं खुद को दोहराना नहीं चाहती थी। मैं ऐसे किरदार करना चाहती हूं, जिनमें कुछ नया हो और कुछ मीनिंग हो। जब तक मैं खुद किसी किरदार पर भरोसा नहीं करूंगी, उसे ईमानदारी से निभा भी नहीं पाऊंगी।'

अफेयर की अटकलों के बीच शहनाज ने राघव जुयाल पर कही बड़ी बात

इन दिनों राघव जुयाल फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' की वजह से चर्चा में हैं। वहीं शहनाज गिल भी पंजाबी और बॉलीवुड फिल्मों में सक्रिय हैं। इन दोनों कलाकारों के बीच इश्क पनप रहा है, ऐसी अटकलें लग रही हैं। हाल ही में अपने रिश्ते को लेकर शहनाज गिल खुलकर बोली हैं। जानिए, उन्होंने राघव को लेकर क्या कहा?

शहनाज गिल ने राघव को बताया अपना सहारा

शहनाज गिल ने अपने करियर और जिंदगी को लेकर कई बातें साझा की हैं। इस दौरान जब उनसे राघव जुयाल को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'वो मेरा सबसे अच्छा दोस्त है। मुंबई में मेरा एक ही सहारा है, वो है राघव। वह मुंबई में मेरे लिए मम्मी-पापा की तरह है। अगर मुझे कुछ हो जाता है तो वो ही मुझे हॉस्पिटल लेकर जाएगा।' शहनाज आगे कहती हैं, 'राघव ने ही मुझे एक्टिंग लाइन में आगे जाने के लिए मोटिवेट किया। वैसे आप देख लेना राघव जुयाल एक दिन शाहरुख खान बनेगा।'

राघव ने भी रखा था अपना पक्ष

राघव जुयाल ने भी शहनाज के बारे में बहुत कुछ कहा था। वह कहते हैं, 'देखिए पर्सनल लाइफ की चर्चा तो होगी। हम शोबिज में हैं। हम लोग फेमस हैं। आगे भी ऐसी बातें होंगी। लेकिन हम सब दोस्त हैं। शहनाज भी मेरी दोस्त है। मैं उसका बहुत अच्छा दोस्त हूं। वह मेरे लिए परिवार जैसी है। मैं अपने दोस्तों और परिवार की हमेशा हिफाजत करता हूं और हमेशा उनके साथ खड़ा रहूंगा। यह तो तय है।'

कब उड़ी थी डेटिंग की अफवाहें

राघव जुयाल और शहनाज गिल ने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में साथ काम किया था। फिल्म के प्रमोशन के दौरान सलमान खान ने दोनों की केमिस्ट्री को लेकर मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की थी। इसके बाद दोनों के डेटिंग की खबरों ने जोर पकड़ लिया था। हालांकि, बाद में राघव जुयाल ने इन चर्चाओं पर सफाई देते हुए कहा था कि सलमान खान ने सिर्फ मजाक किया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनके और शहनाज के बीच ऐसा कोई रिश्ता नहीं था। हाल ही में दोनों राघव की बर्थ डे पार्टी में साथ दिखे। यहां पर जिस तरह से राघव ने शहनाज का ख्याल रखा, उसे देखकर फैंस को लगा कि इनके बीच जरूर कोई खिचड़ी पक रही है। लेकिन राघव और शहनाज एक-दूसरे को बस अच्छा दोस्त बताते हैं।

अच्छे लोगों के साथ काम करो, हार्डी संधू की इस सलाह ने बदला रेवती महुरकर का नजरिया

पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री और बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर हार्डी संधू न सिर्फ अपनी आवाज और एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अपने प्रोफेशनल व्यवहार के लिए भी फेमस हैं। उनके साथ काम करने वाले हर कलाकार अक्सर उनकी तारीफ करते नजर आते हैं। अब एक्ट्रेस रेवती महुरकर ने भी हार्डी के साथ अपने अनुभव को शेयर किया। रेवती ने बताया कि 'तेवर' म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के दौरान हार्डी ने उन्हें एक ऐसी सलाह दी, जिसे वो आज भी अपनी जिंदगी का हिस्सा मानती हैं। रेवती महुरकर ने बताया कि हार्डी संधू ने उन्हें इंडस्ट्री में टिके रहने का सबसे जरूरी मंत्र दिया। उन्होंने कहा, ''शूट के बीच में हार्डी ने कहा, 'अपने काम को लेकर बहुत सोच-समझ कर फैसला लिया करो। 'हमेशा अच्छे कलाकारों और अच्छी टीम के साथ ही काम करना', इस एक सलाह ने मेरे काम चुनने का पूरा तरीका बदल दिया।''

उन्होंने कहा, ''हार्डी के साथ काम करने के बाद मुझे असल में समझ आया कि आप किन लोगों के साथ काम करते हैं, ये कितना मायने रखता है। अक्सर हम सिर्फ प्रोजेक्ट देखते हैं, लेकिन टीम और माहौल को इग्नोर कर देते हैं। हार्डी के साथ शूट पर मुझे महसूस हुआ कि एक अच्छा प्रोडक्शन कैसा होता है। उनके सेट पर हर चीज प्रोफेशनल थी। उनका प्रोडक्शन बहुत बड़े लेवल का था।'' रेवती ने टीम के व्यवहार की भी बात की। उन्होंने कहा, ''सबसे खास बात ये थी कि उनकी पूरी टीम ने मेरे साथ बहुत सम्मान से बात की। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं नई हूं। मुझे हर फैसले में बराबर की अहमियत मिली। शूट के दौरान हम अच्छे दोस्त बन गए और इसकी सबसे बड़ी वजह हार्डी हैं। वो दिल के बहुत अच्छे इंसान हैं। उनका दिमाग बहुत क्रिएटिव है और वो हर चीज को नए तरीके से सोचते हैं। उनके साथ बैठकर बात करना भी बहुत कुछ सिखाता है।''

रेवती ने हार्डी के व्यक्तित्व के बारे में आगे कहा, ''वह इंडस्ट्री की राजनीति से दूर रहते हैं। वह सिर्फ अपने काम से मतलब रखते हैं। इसी वजह से 'तेवर' का फाइनल रिजल्ट आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। ये अब तक का मेरा सबसे पसंदीदा काम है। जब भी मैं वो वीडियो देखती हूं तो मुझे गर्व महसूस होता है।'' रेवती ने शूटिंग के आखिरी दिन की एक बहुत प्यारी याद भी साझा की। उन्होंने बताया कि शूट 48 घंटे तक लगातार चला था। इतनी लंबी शूट के बाद भी टीम में एक अलग ही एनर्जी थी।

रेवती ने याद करते हुए कहा, ''48 घंटे नॉन-स्टॉप शूट करने के बाद हम सब बहुत थक गए थे, लेकिन जब पैकअप हुआ तो हार्डी ने कहा रुको, अभी नहीं। फिर हार्डी, हमारे कोरियोग्राफर, मेरे मैनेजर और मैं हम चारों ने फैसला किया कि हम थोड़ी देर और साथ बैठेंगे। हमें सुबह मुंबई की फ्लाइट पकड़नी थी, लेकिन उससे पहले तक हम सब साथ रहे। हमने खूब बातें कीं, खाना खाया, म्यूजिक सुना और हंसे। उस रात जो बॉन्ड बना वो आज तक है। ये दिखाता है कि अगर टीम अच्छी हो तो काम बोझ नहीं लगता।' अब बात करते हैं हार्डी संधू के आने वाले प्रोजेक्ट की। हार्डी जल्द ही पंजाबी फिल्म 'रांझेया' में लीड रोल में नजर आएंगे। ये फिल्म एक लव स्टोरी है। इस फिल्म में उनके साथ सिमरत कौर रंधावा और अंगद बेदी जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं।

आदित्य चोपड़ा और शाहरुख खान के विश्वास ने मुझे डायरेक्टर बनाया

मशहूर निर्देशक-निर्माता करण जौहर ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सोशल मीडिया के जरिए अभिनेता शाहरुख खान और निर्देशक आदित्य चोपड़ा का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि वे आज जो कुछ भी हैं, इन दोनों की बदौलत हैं। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर शाहरुख और आदित्य चोपड़ा के साथ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्होंने लिखा, 'दो बातों ने मेरी पूरी जिंदगी को बदलकर रख दिया।' करण ने पहली बात को समझाते हुए लिखा, 'रात के लगभग 1 बजे आदित्य चोपड़ा ने मुझे फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में साथ काम करने के लिए कहा। साथ ही, सुझाव दिया कि मुझे निर्देशन में जाना चाहिए और अगर मैंने इस रास्ते को नहीं चुना, तो मैं बहुत बड़ी गलती करूंगा। उस समय मेरी जिंदगी हमेशा एक भागदौड़ जैसी चल रही थी और मैं आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाला था।'

करण ने बताया कि आदित्य की बात ने उन्हें पूरी रात सोने नहीं दिया और अगली सुबह वे अपने पिता के पास एक साल की मोहलत मांगने के लिए गए। उन्होंने लिखा, 'आदित्य की बात ने मुझे इस कदर प्रभावित किया कि मैं अगली सुबह अपने पिता जी के पास गया और उनसे अपनी जिंदगी का एक साल मांगा। मैंने कहा कि मैं एक साल फिल्म के सेट पर काम करना चाहता हूं। मेरे पिता ने मेरी आंखों में देखा और पूछा, 'बेटा, क्या तुम्हें पता है कि फिल्म के सेट पर क्या करना होता है?'' मैंने साफ कहा, 'नहीं।' फिर उन्होंने पूछा, 'क्या तुम वादा करोगे कि तुम बहुत मेहनत करोगे और हर निर्देश को ध्यान से मानोगे?' इसके बाद उन्होंने कहा, 'यह तुम्हें एक अच्छा प्रोड्यूसर बना सकता है लेकिन डायरेक्टर बनने के लिए सिर्फ और सिर्फ जुनून की जरूरत होती है।'

करण जौहर ने बताया कि उस समय उनके अंदर काम करने का जुनून था, लेकिन भरोसा नहीं था। वो भरोसा आदित्य चोपड़ा को था। उन्होंने अपना दूसरा वाक्य साझा करते हुए लिखा, 'मैं स्विट्जरलैंड की पहाडों को देख रहा था और ऐसा लग रहा था कि जैसे मुझे अपने घर की याद आ रही है और मुझे थोड़ी सहानुभूति चाहिए। तभी शाहरुख खान मेरे पास आए और उन्होंने कहा, 'तू डायरेक्टर बनेगा और तेरी पहली फिल्म मैं करूंगा। मैंने मन ही मन सोचा कि शायद इतनी ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन की वजह से वह ऐसा कह रहे हैं और शायद उन्हें पूरी तरह एहसास नहीं है कि वह क्या बोल रहे हैं।'

करण ने बताया कि शाहरुख इस बात को लेकर इतने गंभीर थे कि भारत लौटने के बाद उन्होंने करण के पिता से बात की थी। करण ने लिखा, 'मेरे पिता को भी शाहरुख की बात पर यकीन नहीं था लेकिन शाहरुख खान अपनी बात को लेकर पूरी तरह गंभीर थे। मैं आदित्य और शाहरुख खान से बहुत प्यार करता हूं। आज मैं अपनी खूबियों और कमियों, अपनी खुशियों और मुश्किलों, अपनी जीत और हार के साथ जो भी हूं, वह सिर्फ आप दोनों की वजह से हूं। उन्होंने आगे लिखा, 'आज मैं कहानियां सुना पा रहा हूं, तो इसके पीछे सिर्फ आप दोनों का विश्वास और साथ है। गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं और उन सभी गुरुओं को भी सलाम, जिन्होंने बिना किसी स्वार्थ के दूसरों को आगे बढ़ाया और उनके करियर बनाने में मदद की।'

आमिर-शाहरुख के विज्ञापन से 'महारानी' तक, हुमा कुरैशी ऐसे बनीं बॉलीवुड की दमदार एक्ट्रेस

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। यहां तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं था। कभी वह दिल्ली में थिएटर करती थीं। उन्होंने शुरुआत विज्ञापनों से की और एक समय ऐसा भी आया, जब वह आमिर खान और शाहरुख खान जैसे बड़े सितारों के साथ स्क्रीन शेयर करने लगीं। यही सफर आगे चलकर उन्हें 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' तक ले आया और फिर 'महारानी' से नई ऊंचाई तक पहुंचा दिया। हुमा का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के गार्गी कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। कॉलेज के दिनों में ही उनका झुकाव एक्टिंग की तरफ बढ़ा और उन्होंने थिएटर ग्रुप 'एक्ट 1' के साथ काम करना शुरू किया। उन्होंने थिएटर के दौरान अभिनय की बारीकियां सीखीं और यहीं से उनके अंदर एक्ट्रेस बनने का सपना मजबूत हुआ। साल 2008 में हुमा सपनों को पूरा करने के लिए मुंबई पहुंचीं। शुरुआत में उन्हें फिल्मों में काम नहीं मिला, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने विज्ञापनों में काम करना शुरू किया। इसी दौरान वह कई बड़े ब्रांड्स के विज्ञापनों में नजर आईं। उन्होंने आमिर खान के साथ मोबाइल और शाहरुख खान के साथ एक पेंट ब्रांड के विज्ञापन में काम किया। इन विज्ञापनों ने पहचान दिलाई और उनकी एक्टिंग को लोगों ने नोटिस किया। हुमा की किस्मत तब बदली जब एक विज्ञापन की शूटिंग के दौरान निर्देशक अनुराग कश्यप की नजर उन पर पड़ी। अनुराग कश्यप ने उनकी एक्टिंग देखकर अपनी फिल्म में मौका देने का फैसला किया। इसके बाद साल 2012 में हुमा ने फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म में उन्होंने मोहसीना हमीद का किरदार निभाया था। छोटे शहर की लड़की के किरदार में हुमा ने ऐसी जान डाली कि दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने उनकी तारीफ की।

'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के बाद हुमा के करियर ने तेजी पकड़ ली। उन्हें इस फिल्म के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड में बेस्ट फीमेल डेब्यू और बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस कैटेगरी में नामांकन मिला। इसके बाद उन्होंने 'लव शव ते चिकन खुराना', 'एक थी डायन', 'डेढ़ इश्किया', 'बदलापुर' और 'जॉली एलएलबी 2' जैसी फिल्मों में काम किया। हर फिल्म में उन्होंने अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी अभिनय क्षमता साबित की। हुमा ने सिर्फ हिंदी फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने मराठी फिल्म 'हाइवे', तमिल फिल्म 'काला' और 'वलिमाई' जैसे प्रोजेक्ट्स में भी काम किया। साल 2021 में उन्होंने हॉलीवुड फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' से इंटरनेशनल सिनेमा में भी कदम रखा। अलग-अलग भाषाओं और इंडस्ट्री में काम करके उन्होंने खुद को एक बहुमुखी कलाकार के रूप में साबित किया।

संक्षिप्त समाचार

रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने 'एक्सेल म्यूजिक' लॉन्च किया, म्यूजिक की दुनिया में एक नए सफर की शुरुआत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अपना नया म्यूजिक लेबल 'एक्सेल म्यूजिक' लॉन्च किया है। इसके साथ ही कंपनी ने अपने क्रिएटिव सफर में एक और अहम कदम उठाया है। यूनिवर्सल म्यूजिक ग्रुप इस लेबल में एक स्ट्रेटेजिक पार्टनर है और मार्केटिंग और डिस्ट्रीब्यूशन भी संभालेगा। एक्सेल म्यूजिक की पहली रिलीज 'मिर्जापुर द मूवी' का साउंडट्रैक एल्बम होगा। यह फिल्म 4 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस एल्बम का पहला गाना पॉपुलर हरियाणवी म्यूजिक आर्टिस्ट ढांडा के साथ होगा, जो इस गाने से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। यह गाना इसी हफ्ते रिलीज होगा। पिछले दो दशकों में, एक्सेल एंटरटेनमेंट ने भारतीय सिनेमा को कई यादगार फिल्में दी हैं। दिल चाहता है, लक्ष्य, रॉक ऑन कार्तिक कॉलिंग कार्तिक, जिंदगी ना मिलेगी दोबारा, दिल धड़कने दो, बार बार देखो, रईस और गली बॉय जैसी फिल्मों का म्यूजिक आज भी लोगों के बीच काफी पॉपुलर है। एक्सेल एंटरटेनमेंट की फिल्मों के ओरिजिनल साउंडट्रैक और बैकग्राउंड स्कोर के अलावा, दूसरे जाने-माने फिल्ममेकर्स और प्रोडक्शन हाउस की फिल्मों का म्यूजिक भी एक्सेल म्यूजिक के तहत पेश किया जाएगा। 'म्यूजिक हमेशा से हमारे सफर का एक अहम हिस्सा रहा है। एक्सेल म्यूजिक की शुरुआत हमारे इसी पैशन का एक नया रूप है। हम ऐसा म्यूजिक बनाना चाहते हैं जो हर पीढ़ी के लोगों के दिलों को छू जाए, साथ ही बेस्ट आर्टिस्ट्स भी हों। 'यूनिवर्सल म्यूजिक ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर (इंडिया और साउथ एशिया) सानुजीत भुजबल ने कहा, 'एक्सेल एंटरटेनमेंट ने पिछले दो दशकों में अपनी फिल्मों के जरिए हिंदी सिनेमा में अपनी एक खास जगह बनाई है। हम एक्सेल म्यूजिक की शुरुआत में उनके साथ जुड़कर बहुत खुश हैं। यूनिवर्सल म्यूजिक के ग्लोबल आर्टिस्ट बेस, बड़े म्यूजिक कैटलॉग और मजबूत मार्केटिंग और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क की मदद से, हम एक्सेल म्यूजिक को न सिर्फ भारत में बल्कि दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचाने के लिए उत्साहित हैं।

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सोशल मीडिया कंपनी ट्रुथ सोशल ने वॉल स्ट्रीट के हाई-फ्रीक्वेंसी ट्रेडर्स के लिए ट्रुथ एपीआई नाम की पेड सर्विस शुरू की है। इसके तहत कस्टमर मंथली फीस देकर ट्रम्प और दूसरे अकाउंट्स के पोस्ट तक तेज तकनीकी पहुंच हासिल कर सकेंगे, ताकि वे बाजार में तेजी से ट्रेड कर सकें। आलोचकों का कहना है कि ट्रम्प के टैरिफ, युद्ध, ब्याज दर और दूसरे नीतिगत फैसलों से शेयर, बॉन्ड और मुद्रा बाजार प्रभावित होते हैं, ऐसे में यह व्यवस्था इनसाइडर ट्रेडिंग और सार्वजनिक पद के निजी लाभ के लिए इस्तेमाल जैसे गंभीर सवाल खड़े करती है। वहीं ट्रम्प मीडिया का कहना है कि पोस्ट सभी के लिए एक ही समय पर जारी किए जाएंगे और सर्विस में कोई अनुचित लाभ नहीं है।

ट्रम्प बोले- ईरान पर हमला फिलहाल टाला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमला फिलहाल टाल दिया गया है। उनके मुताबिक, ईरान और कुछ मिडिल ईस्ट देशों की ओर से समझौते का प्रस्ताव आने के बाद यह फैसला लिया गया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि अमेरिका ईरान पर बड़े सैन्य हमले के लिए पूरी तरह तैयार था। उन्होंने दावा किया कि समझौते की रूपरेखा पर सहमति बनी है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत खोलना और ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना शामिल है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि इजराइल भी इस फैसले में अमेरिका के साथ है। इससे पहले एक्सियोस की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रम्प से फोन पर बात कर ईरान पर संभावित बड़े हमले को टालने और संयम बरतने की अपील की थी। ईरान पर हमला टालने के ट्रम्प के फैसले के बावजूद संकट अभी खत्म नहीं हुआ है। मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट के सीनियर फेलो रॉस हैरिसन का मानना है कि अगले कुछ दिन तय करेंगे कि तनाव कम होगा या फिर जंग दोबारा भड़क सकती है।

मॉस्को रेस्टोरेंट में होममेड बम से भीषण धमाका, तीन लोगों की मौत और 21 घायल, जांच जारी

मॉस्को, एजेंसी। रूस की राजधानी मॉस्को में शनिवार शाम को एक बहुत ही भयंकर और खौफनाक हादसा सामने आया है। कुद्रिंस्काया स्क्वायर स्थित एक बहुमंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर बने मशहूर इटैलियन रेस्टोरेंट बाल्जी रोसी में भीषण धमाका हुआ। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि 21 अन्य लोग बहुत बुरी तरह से घायल हुए हैं। रूस की सरकारी मीडिया और स्थानीय मॉस्को पुलिस ने इस बड़े और भयंकर हादसे की पूरी तरह से आधिकारिक पुष्टि कर दी है।

शुरुआती रिपोर्टों में प्रशासन द्वारा यह आशंका जताई जा रही थी कि यह भयंकर धमाका गैस सिलेंडर फटने की वजह से हुआ है। लेकिन जांच के बाद यह बड़ा खुलासा हुआ कि एक महिला होममेड बम लेकर इस रेस्टोरेंट में पहुंची थी, जिसके फटने से यह भीषण विस्फोट हुआ। घटना में घायल हुए सभी 21 लोगों का नजदीकी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक इन घायलों में से कई लोगों की हालत इस समय बेहद नाजुक और बहुत गंभीर बनी हुई है।

रिमोट से किया गया था धमाका : रूसी समाचार पत्र 'कोमर्सेंट' ने अपने विशेष सूत्रों के हवाले से बताया कि यह बम रेस्टोरेंट की समर टेरेस पर मौजूद मेहमानों को निशाना बनाने के लिए था। ऐसी गंभीर आशंका जताई जा रही है कि इस खतरनाक बम को किसी दूसरे व्यक्ति ने रिमोट कंट्रोल की मदद

से बहुत दूर से उड़ाया था। ऐसा मुमकिन है कि बम ले जा रही उस महिला को यह जानकारी ही न हो कि उसके पास कोई खतरनाक विस्फोटक चीज मौजूद है। पुलिस अब इस खौफनाक आतंकी साजिश के सभी पहलुओं की बहुत ही गहनता और बारीकी से जांच-पड़ताल कर रही है।

प्राइवेट इवेंट के कारण बची जान : रेस्टोरेंट की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक शनिवार को एक प्राइवेट इवेंट होने की वजह से इसे आम ग्राहकों के लिए पूरी तरह से बंद रखा गया था। अधिकारियों का साफ मानना है कि अगर यह रेस्टोरेंट आम लोगों के लिए खुला होता, तो मौतों की यह संख्या बहुत ज्यादा बड़ी हो सकती थी। धमाका स्थानीय समयानुसार रात करीब आठ बजे से ठीक पहले हुआ, जिसमें बम ले जा रही महिला और रेस्टोरेंट के सिक्योरिटी गार्ड की जान चली गई। इसके अलावा वहां मौजूद एक अन्य निर्दोष ग्राहक ने भी इस भयंकर धमाके की चपेट में आकर मौके पर ही दम तोड़ दिया।

इलाके को किया गया पूरी तरह सील : मॉस्को जांच समिति के मुताबिक तमाम जांच अधिकारी, फोरेंसिक विशेषज्ञ और इमरजेंसी सर्विसेज की विशेष टीमें मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। सरकारी समाचार एजेंसी ने एक वीडियो जारी करके दिखाया है कि पूरे इलाके की घेराबंदी करके भारी संख्या में सशस्त्र पुलिस बल तैनात किया गया है।

सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रशासन ने आम जनता के लिए उस पूरे प्रभावित इलाके को फिलहाल पूरी तरह से बंद कर दिया है। पुलिस लगातार सबूत जुटा रही है ताकि इस खौफनाक बम धमाके के असली कारणों का पता लगाया जा सके।

अज्ञात महिला ने की थी रेस्टोरेंट में घुसने की कोशिश : सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए ने बताया कि रूस की आतंकवाद-रोधी समिति के अनुसार, एक अज्ञात महिला ने रेस्टोरेंट में घुसने की कोशिश की लेकिन एक सुरक्षा गार्ड ने उसे रोक दिया। एजेंसी ने कहा कि इसके बाद हुए धमाके में वह महिला, सुरक्षा गार्ड और बाल्जी रॉसी इटैलियन रेस्टोरेंट का एक ग्राहक मारा गया। पुलिस ने बताया कि घायलों को अलग-अलग गंभीरता की चोटें आईं। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए ने घटनास्थल पर भारी हथियारों से लैस सुरक्षा अधिकारियों का वीडियो जारी किया। उस इलाके को आम जनता के लिए बंद कर दिया गया था।

मारे गए और घायल लोगों की पहचान नहीं की गई उजागर : अधिकारियों ने मारे गए या घायल हुए लोगों के नाम नहीं बताए और न ही यह बताया कि उनके हिसाब से इसके लिए कौन जिम्मेदार हो सकता है। यूक्रेन के साथ चार साल से ज्यादा समय से चल रही पूरी लड़ाई के बाद रूस की एफएसबी सिक्योरिटी सर्विस ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि कीव पर कई हत्याओं और हत्या की कोशिशों के आरोप लगने के बाद अधिकारी बड़े मिलिट्री अधिकारियों की सुरक्षा बढ़ाएंगे। कोमर्सेंट डेली अखबार ने अपने ही सोर्स का हवाला देते हुए कहा कि बम का मकसद रेस्टोरेंट के समर टेरेस के बाहर मजे कर रहे मेहमानों को घायल करना और मारना था। इससे पता चलता है कि बम किसी और ने दूर से ही फोड़ दिया था और उसे ले जा रही महिला को शायद यह नहीं पता था कि यह एक एक्सप्लोसिव डिवाइस है।

अमेरिका: इडाहो के रेस्तरां में अंधाधुंध गोलीबारी, हमलावर समेत तीन लोगों की मौत; दो घायल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के इडाहो राज्य के ट्विन फॉल्स शहर से गोलीबारी की घटना सामने आई है, जहां एक एक फास्ट-फूड रेस्तरां में एक बंदूकधारी ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस घटना में हमलावर समेत कम से कम तीन लोगों की मारे जाने की खबर है, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्विन फॉल्स शहर के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। हमलावर ने यहां के फेमस 'इन-एन-आउट बर्गर' रेस्तरां में गोलीबारी शुरू कर दी। हालांकि, अधिकारी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस घटना में मारे गए तीन लोगों में हमलावर शामिल था या नहीं।

गोलीबारी के बाद अफरा-तफरी का माहौल : दरअसल, पश्चिमी अमेरिकी राज्य इडाहो ट्विन फॉल्स शहर स्थित रेस्तरां में जब गोलीबारी हुई तो, वहां अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान कई लोगों को गोली लगी। घटना की सूचना मिलते ही ट्विन फॉल्स पुलिस विभाग ने तुरंत कार्रवाई की। इस गोलीबारी में कम से कम लोगों की मौत की खबर है। हालांकि, पुलिस अभी पीड़ितों और मृतकों की सटीक संख्या का पता लगाने में जुटी हुई है।

कम से कम 3 लोगों की मौत : ट्विन फॉल्स शहर के अधिकारी जोश पामर के अनुसार, इस घटना में तीन लोग मारे गए और दो घायल हुए, लेकिन यह स्पष्ट नहीं था कि हमलावर को भी मृतकों में गिना गया था या नहीं। स्थानीय मीडिया द्वारा वायरल हो रहे वीडियो फुटेज में इन-एन-आउट बर्गर के बाहर एक युवक को लंबी बंदूक के साथ देखा गया। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक अन्य वीडियो में एक दर्जन से अधिक लोगों को रेस्तरां से बाहर भागते हुए दिखाया गया।

पुलिस ने किया ढेर : इस अचानक हुई भयंकर वारदात की खबर मिलते ही भारी पुलिस बल ने तुरंत पहुंचकर पूरे इलाके की बहुत ही कड़ी घेराबंदी कर ली। पुलिस अधिकारियों ने उस हथियारबंद हमलावर को बहुत ही शांति से सरेंडर करने के लिए बार-बार कहा, लेकिन उसने लगातार अपनी फायरिंग जारी रखी। इसके बाद लोगों के बचाव में पुलिस द्वारा की गई कड़ी जवाबी कार्रवाई में वह सिरफिरा हमलावर गोली लगने से मौके पर ही मारा गया। सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो में वह शख्स रेस्तरां के सामने अत्याधुनिक ऋस्टाइल की राइफल लहराता दिख रहा है। एक अन्य वीडियो में वही शख्स पार्किंग लॉट में निहत्थे लोगों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाता हुआ बहुत ही साफ तौर पर नजर आ रहा है। गोलीबारी शुरू होते ही शॉपिंग सेंटर के पूरे इलाके में भगदड़ मच गई और डरे हुए लोग अपनी जान बचाने के लिए बुरी तरह से इधर-उधर भागने लगे। भयंकर गोलीबारी की सूचना मिलते ही ट्विन फॉल्स के मुस्तैद पुलिस विभाग ने बहुत ही तेजी के साथ अपनी इस बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

नेपाल हिंसा : धनुषा से हटी निषेधाज्ञा, जनजीवन हो रहा सामान्य

काठमांडू। नेपाल में बीते हफ्ते भड़की सांप्रदायिक हिंसा के बाद अब धीरे-धीरे शांति लौट रही है। इसी कड़ी में, धनुषा जिले के जनकपुरधाम और आसपास के इलाकों में लागू निषेधाज्ञा सोमवार सुबह 5 बजे से हटा दी गई है। जिला प्रशासन ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य होने और विभिन्न प्रदर्शनकारी समूहों द्वारा अपने सभी विरोध प्रदर्शनों को वापस लेने के बाद महत्वपूर्ण फैसला हुआ। धनुषा के मुख्य जिला अधिकारी की ओर से जारी सूचना के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई, इसके बाद जिला सुरक्षा समिति की बैठक में निषेधाज्ञा हटाने का निर्णय हुआ। गौरतलब है कि लोकल प्रशासन ने 1 अगस्त को क्षेत्र में संभावित तनाव और बिगड़ते हालात को देखकर यह निषेधाज्ञा लागू की थी। अब जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है और लोगों की दैनिक गतिविधियां पहले की तरह शुरू हो गई हैं। प्रशासन ने आम नागरिकों से शांति, सुरक्षा और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की है। हालांकि, सांप्रदायिक हिंसा की जांच के दौरान कुछ चौंकाने वाले तथ्य भी सामने आए हैं। नेपाल प्रेस काउंसिल ने पाया कि कुछ मीडिया संस्थानों और सोशल मीडिया ने भ्रामक व सांप्रदायिक सामग्री प्रसारित कर हिंसा और तनाव को बढ़ावा दिया। सुनसरी जिले के देवानगंज ग्रामीण नगरपालिका-3 के कप्तानगंज में पत्रकारिता आचार संहिता के उल्लंघन के 90 ऐसे मामलों की पहचान की गई। यह भी पता चला कि कुछ सोशल मीडिया हैंडल ने कमाई के लालच में विवादित सामग्री हटाने से इंकार किया था, जिससे धार्मिक और सांप्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचा। यह पूरा विवाद 26 जुलाई की रात सुनसरी के कप्तानगंज में दो समुदायों के बीच मामूली झड़प के बाद शुरू हुआ था। इस दौरान पुलिस की गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए। बाद में एक और घायल व्यक्ति की जान चली गई। तनाव सुनसरी से निकलकर सिराहा और जनकपुर तक फैल गया, जिसमें सिराहा में भी हिंसा के दौरान एक व्यक्ति की मौत हुई। कुल मिलाकर तीन लोगों की जान गई। प्रशासन अब ऐसी भड़काऊ गतिविधियों से दूर रहने की अपील कर रहा है।

पीओके में कत्लेआम की रिपोर्टिंग पर पाबंदी: पाकिस्तान ने विदेशी मीडिया पर लगाई रोक

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जारी भीषण विरोध प्रदर्शनों और हिंसा की रिपोर्टिंग के बाद, शहबाज शरीफ सरकार ने कथित तौर पर विदेशी मीडिया सहित कई प्रमुख डिजिटल समाचार वेबसाइटों पर रोक लगा दी है। यह कदम तब उठाया गया है जब आसिम मुनीर के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी सेना पर पीओके में कत्लेआम मचाने के आरोप लग रहे हैं। हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने इस संबंध में अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पीओके में प्रदर्शनों, सुरक्षा बलों की कार्रवाई और बिगड़ते हालात की कवरेज के बाद इन अंतरराष्ट्रीय और डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को पाकिस्तान में एक्सेस नहीं किया जा रहा है। इस शाहबाज सरकार द्वारा अपने नैरेटिव पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। यह सेंसरशिप

कोई नई बात नहीं है। इससे पहले, विदेशी मीडिया ने ही रिपोर्ट किया था कि इस्लामाबाद की एक अदालत में पाकिस्तान की नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनसीसीआईए) ने कई यूट्यूब चैनलों को ब्लॉक करने की मांग की थी। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, विपक्षी नेताओं और सरकार की आलोचना करने वाले पत्रकारों से जुड़े चैनल शामिल बताए गए थे। यूट्यूब ने तब 27 कंटेंट क्रिएटर्स को अदालत के निर्देशों का पालन न करने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी। इसी बीच, पीओके में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसीके जोरदार प्रदर्शन जारी हैं। समिति ने कुछ वीडियो जारी कर दावा किया है कि मुजफ्फराबाद में सुरक्षा बलों ने एक निहत्थे व्यक्ति के साथ मारपीट की और सादे कपड़ों में मौजूद एक व्यक्ति ने प्रदर्शनकारियों की ओर गोली चलाई। जेएएसी ने इन आरोपों की स्वतंत्र जांच की मांग कर संयुक्त राष्ट्र, मानवाधिकार संगठनों जैसे ओएचसीएचआर, एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच, आईसीआरसी और अंतरराष्ट्रीय मीडिया से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है। मानवाधिकार परिषद पाकिस्तान-अधिकृत जम्मू और कश्मीर के हवाले से दावा किया गया है कि मौजूदा अशांति के दौरान अब तक लगभग 80 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 76 नागरिक और चार पुलिसकर्मी शामिल बताए गए हैं। हालांकि, इन दावों की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पीओजेके में दूसरे चरण के चुनाव के दौरान भी बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन, सड़क जाम और प्रशासनिक अव्यवस्था की खबरें सामने आई थीं, जिसने चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

समुद्र में 1600 फीट की 'दीवार' बनाएगा स्पेन, मोरक्को से अवैध घुसपैठ के बाद अलर्ट

मैड्रिड, एजेंसी। मोरक्को से घुस आए अवैध प्रवासियों के चलते स्पेन में काफी समस्या हुई है। अब स्पेन ने इससे निपटने के लिए नया तरीका इस्तेमाल करने का फैसला किया है। स्पेन ने घोषणा की है कि वह अपने उत्तरी अफ्रीकी क्षेत्र स्यूटा और पड़ोसी मोरक्को के बीच समुद्री सीमा पर 500 मीटर लंबा (1,600 फीट) बैरियर बनाएगा। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, सेउटा के तटीय इलाके में ताराजल ब्रेकवॉटर के पास एक तैरता हुआ अवरोध लगाया गया था। गौरतलब है कि मोरक्को के साथ लगती स्पेन के सेउटा सीमा पर मरने वालों की संख्या बढ़कर 67 हो गई है। स्पेन सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी।

ब्रेकवॉटर बैरियर को पार कर गए : स्पेन सरकार ने कहाकि मृतकों में कुछ ऐसे लोग शामिल हैं जो डूब गए और कुछ 'ब्रेकवॉटर बैरियर' को पार करने की भगदड़ में मारे गए। स्पेन के प्रधानमंत्री

पेड्रो सांचेज ने सेउटा की घटनाओं पर यूरोपीय संघ के कुछ नेताओं की प्रतिक्रिया की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहाकि स्पेन को यूरोपीय संघ के सीमा-रहित शेंगेन क्षेत्र से निलंबित करने की मांग पूर्वाग्रह, फर्जी खबरों, अज्ञानता या राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित है। शनिवार सुबह तैरकर सेउटा के ताराजल तट पर पहुंचे कुछ थके-हारे प्रवासियों को सैनिकों ने सीमा के पार वापस भेज दिया। स्पेन के गृह मंत्रालय का कहना है कि उत्तरी अफ्रीका में स्पेन के इलाके में दाखिल होने वालों में ज्यादातर लोग पहले ही मोरक्को लौट चुके हैं। स्पेन के गृह मंत्री फर्नांडो ग्रांडे-मार्लास्का ने शनिवार को सेउटा में पत्रकारों से कहाकि हम कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्ती से पेश आते हैं। जब यह सवाल पूछा गया कि दोनों तरफ कड़ी सुरक्षा के बावजूद इतनी बड़ी संख्या में लोग सीमा कैसे पार कर पाए और क्या मोरक्को से सेउटा को कोई खतरा है, तो मार्लास्का ने रबात में मौजूद सरकार का बचाव किया। उन्होंने कहाकि इन घटनाओं का स्पेन और मोरक्को को मिलकर जायजा लेने की जरूरत है। लेकिन पड़ोसी देशों के साथ सहयोग की वजह से ही स्पेन 24 घंटे में हालात को सामान्य कर पाया। उधर, इटली ने स्पेन से आने वाले यात्रियों पर अस्थायी रूप से सीमा पर जांच शुरू कर दी है। फ्रांस ने भी अपनी सीमाओं पर नियंत्रण कड़ा कर दिया है। प्रधानमंत्री सांचेज ने यूरोपीय संघ के गृह मंत्रियों की आपातकालीन बैठक बुलाने का भी आह्वान किया है। करीब 84,000 की आबादी वाले सेउटा शहर पर इस अचानक आए दबाव के कारण स्पेन और पूरे यूरोप में राजनीतिक बहस छिड़ गई है। इटली ने हवाई और समुद्री मार्ग से स्पेन से आने वाले गैर-यूरोपीय संघ के नागरिकों की जांच शुरू कर दी है। इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो ताजानी ने कहा कि यूरोपीय सीमाओं की सुरक्षा के लिए यह कदम आवश्यक था।

पेरू में टूरिस्ट प्लेन क्रैश, क्रू समेत 13 की मौत:सभी 11 पर्यटक यूरोप से थे

नाज्का, एजेंसी। पेरू के नाज्का शहर के पास शनिवार को एक टूरिस्ट प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में 11 यूरोपीय पर्यटकों समेत 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 7 इटली, 2 स्पेन और 2 जर्मनी के पर्यटक शामिल हैं। विमान के पायलट और को-पायलट की भी जान चली गई। यह विमान इका शहर से उड़ान भरकर पर्यटकों को 2000 साल पुरानी नाज्का लाइन्स दिखाने जा रहा था। नाज्का लाइन्स के पास पहुंचने के बाद प्लेन खेत में जाकर गिरा। इसमें आग लग गई। हादसे के बाद प्लेन के मलबे के पास जले हुए शव बिखरे पड़े थे। पेरू सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। राष्ट्रपति केइको फुजीमोरी ने घटना पर दुख जताया है और नाज्का एयरपोर्ट का संचालन अस्थायी रूप से रोकने पर भी विचार किया जा रहा है।

14 साल से सीनिक फ्लाइट्स ऑर्गनाइज कर रही थी कंपनी : जो प्लेन हादसे का शिकार हुआ, उसे पेरू की कंपनी 'एरोडियाना' ऑपरेट कर रही थी। एयरलाइन की वेबसाइट के मुताबिक, वह पिछले 14 साल से सेसना ग्रैंड कारवां प्लेन का इस्तेमाल करके नाज्का लाइन्स के ऊपर सीनिक फ्लाइट्स (नजारे दिखाने वाली उड़ानें) की सुविधा दे रहे हैं। हादसे की जांच की जा रही है। एरोडियाना ने कोई कमेंट नहीं दिया।

नाज्का लाइन्स क्या हैं : पेरू की राजधानी लीमा से करीब 400 किमी दक्षिण में नाज्का और पाल्पा के रेगिस्तान में 2,000 साल पुरानी विशाल आकृतियां बनी हैं। माना जाता है कि इन्हें 200 ईसा पूर्व से 600 ईस्वी के बीच नाज्का सभ्यता के लोगों ने बनाया था। गहरे रंग की पत्थरीली सतह हटाकर नीचे की हल्की मिट्टी को उभारने से ये आकृतियां बनाई गईं।

इनमें बंदर, हमिंगबर्ड, मकड़ी, कोंडोर, व्हेल, पेड़ और हाथ जैसी दर्जनों आकृतियां शामिल हैं। कई आकृतियां 100 से 300 मीटर या उससे भी बड़ी हैं, जबकि कुछ सीधी रेखाएं कई किलोमीटर तक फैली हैं।

इन्हें देखने लोग क्यों आते हैं : नाज्का लाइन्स का पूरा आकार जमीन से दिखाई नहीं देता। इन्हें साफ तौर पर केवल विमान, हेलिकॉप्टर, व्यूइंग टावर या आसपास की ऊंची पहाड़ियों से देखा जा सकता है।

यही वजह है कि हर साल हजारों पर्यटक सीनिक फ्लाइट लेकर इन्हें देखने पहुंचते हैं। वैज्ञानिक आज भी इनके उद्देश्य पर एकमत नहीं हैं। इन्हें धार्मिक अनुष्ठानों, जल स्रोतों, खगोलीय गणनाओं या सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़कर देखा जाता है। बेहद शुष्क जलवायु के कारण ये आकृतियां करीब 2,000 साल से सुरक्षित हैं।

नाज्का में पहले भी हो चुके हैं हादसे : पिछले कुछ दशकों में इस मशहूर हैरिटेज साइट पर विमान दुर्घटना का यह पहला मामला नहीं है।

2022 में एक और छोटा पर्यटक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सवार सात लोगों की मौत हो गई। 2010 में भी एक पर्यटक विमान इसी जगह के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें विमान में सवार छह लोगों की मौत हो गई।

बारिश से बेहाल पाकिस्तान: शहरों में बाढ़ जैसे हालात, बांध टूटे, बिजली ठप

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में लगातार हो रही मूसलाधार मानसूनी बारिश ने राजधानी इस्लामाबाद, रावलपिंडी, पेशावर और अटक समेत कई इलाकों में जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई शहरों में सड़कें पानी में डूब गई हैं, घरों और दुकानों में बारिश का पानी घुस गया है, बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है और कई जगहों पर सड़कें व छोटे बांध भी टूट गए हैं। मौसम विभाग ने पांच अगस्त तक भारी बारिश, शहरी बाढ़ और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन की चेतावनी जारी की है।

इस्लामाबाद और रावलपिंडी में सड़कें बनीं नदी : शुक्रवार तड़के हुई तेज बारिश के बाद इस्लामाबाद और रावलपिंडी के कई इलाके जलमग्न हो गए। मूरी रोड, कचहरी चौक और पेशावर रोड जैसी प्रमुख सड़कें पानी में डूब गईं, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। भारा काहू इलाके में करीब दो फीट तक पानी भर गया। कई वाहन बीच सड़क में फंस गए और बारिश का पानी लोगों के घरों तक पहुंच गया। स्थानीय निवासी मोहम्मद अकरम अब्बासी ने बताया कि हालात इतने खराब थे कि लोगों को खुद लाउडस्पीकर से बच्चों को घरों के अंदर रहने की अपील करनी पड़ी, जबकि तत्काल कोई सरकारी मदद नहीं पहुंची।

लेह नाले का जलस्तर बढ़ा, प्रशासन ने जारी किया अलर्ट : रावलपिंडी के लेह नाले का जलस्तर बढ़कर करीब 10 फीट तक पहुंच गया। इसके बाद जिला प्रशासन ने रेड अलर्ट जारी कर दिया। बारिश के दौरान कई निचले इलाकों में पानी भर गया और लोगों में दहशत फैल गई। स्थिति को और खराब बनाने में अधूरे विकास कार्य भी जिम्मेदार रहे। वॉटर एंड सैनिटेशन एजेंसी की ओर से सैदपुर रोड और असगर मॉल रोड पर की गई खुदाई के कारण सड़कें खतरनाक हो गईं। वहीं, बिजली वितरण कंपनी आईईएससीओ ने सुरक्षा कारणों से कई इलाकों की बिजली काट दी, जिससे लोगों की परेशानियां और बढ़ गईं।

अटक में बांध टूटा, कई परिवारों का सब कुछ बर्बाद : अटक जिले के पिंडिघेब कस्बे में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। यहां मल्लाहवाला गंडा कास नाम का

छोटा बांध तेज बारिश के कारण ओवरफ्लो हो गया और उसका तटबंध टूट गया। इसके बाद बाढ़ का पानी कमरियाल और गुंडकास जैसे निचले इलाकों में फैल गया।

स्थानीय लोगों ने क्या-क्या कहा : दर्जनों मकान क्षतिग्रस्त हो गए और कई परिवारों को अपनी छतों पर शरण लेनी पड़ी। किराना दुकानदार मोहम्मद असलम ने बताया कि गंदे पानी के तेज बहाव में उनकी दुकान का अधिकांश सामान खराब हो गया। व्यापारी रशीद महमूद ने कहा कि दुकान में पानी घुसने से ब्रेड, केक, बिस्कुट, रस्क समेत पूरा बेकरी सामान खराब हो गया। फ्रिज, डिस्प्ले काउंटर और अन्य बिजली के उपकरण भी नुकसान की चपेट में आ गए। स्थानीय निवासी शाज़िया बीबी ने बताया कि उनके घर का फर्नीचर, बिस्तर, कपड़े, घरेलू उपकरण और जरूरी दस्तावेज पानी में खराब हो गए। वहीं, अब्दुल कदीर ने कहा कि घर की दीवारों में नमी आ गई है और उनके गिरने का खतरा बना हुआ है।

पेशावर में 120 लोगों को सुरक्षित निकाला गया : पेशावर में शुक्रवार सुबह हुई भारी बारिश के बाद बुधनी नाला उफान पर आ गया। इसके चलते सरदार कॉलोनी पूरी तरह पानी में डूब गई और वहां रहने वाले लोग घरों में फंस गए। रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता बिलाल अहमद फैजी ने बताया कि 40 बचावकर्मियों और चार वाहनों की मदद से 120 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके अलावा वारसाक रोड के खुशहाल बाग इलाके से पांच अन्य लोगों को भी बचाया गया। साफिया होम्स और नासिर बाग रोड पर भी राहत दल भेजे गए, हालांकि वहां लोगों को निकालने की जरूरत नहीं पड़ी।

बीआरटी सेवा बंद, 84 बिजली फीडर ठप : बुधनी ब्रिज पर पानी बढ़ने के बाद पेशावर बस रैपिड ट्रांजिट (बीआरटी) सेवा पूरी तरह बंद कर दी गई। इससे हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश और तेज हवाओं के कारण पेशावर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी के 84 बिजली फीडर भी बंद हो गए। इनमें पेशावर के 41, खैबर के 22, मर्दान के 12, स्वाबी के 5 और स्वात के 4 फीडर शामिल हैं। बिजली आपूर्ति ठप होने से कई जिलों में लोगों को घंटों अंधेरे में रहना पड़ा।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MA